12 May Page 1_Page 3.qxd 5/11/2025 9:58 PM Page 1

धनबाद, सोमवार

12 मई 2025

वर्ष : 10 अंक : 341

पृष्ठ : 12

मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई पत्र वार्ता

सोच आगे की ...

पाकिस्तान से तनाव के बीच पीएम मोदी की उच्चस्तरीय बैठक, तीनों सेनाओं के प्रमुख रहे शामिल

नई दिल्ली,(एजेंसी) : पाकिस्तान के साथ सीमा पर बढ़ते तनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह 11 बजे अपने आवास पर एक अहम उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान तथा थल, जल और वायु सेना के प्रमुख मौजूद रहे। बैठक में देश की सुरक्षा स्थिति और सीमाओं पर मौजूदा हालात की समीक्षा की गई।

यह बैठक उस समय हुई जबकि शनिवार को हुए सीजफायर के चंद घंटों बाद ही पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन की खबरें भी सामने आई थीं। शनिवार को सीमा पार से गोलाबारी की घटनाएं सामने आई थीं, हालांकि रात में स्थिति शांत रही। यह अहम बैठक पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनावपूर्ण शांति के बीच हुई, जिसके बीच फिलहाल संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। इससे पहले भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि किसी भी प्रकार के उल्लंघन का सख्त जवाब दिया जाएगा। भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों की गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए, उन पर प्रभावी **शेष पृष्ठ-4.....**

ऑपरेशन सिंदूर भारत की राजनीतिक, सामाजिक व सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीकः राजनाथ

लखनऊ (एजेंसी) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं , बल्कि यह भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। श्री सिंह ने रविवार को यहां ब्रह्मोस एकीकरण और परीक्षण सुविधा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर अपने वर्चुअल संबोधन में इस ऑपरेशन को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सशस्त्र बलों की क्षमता तथा दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन बताया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने भारत की धरती पर भारत विरोधी और आतंकवादी संगठनों के हाथों अपने प्रियजनों को खोने वाले निर्दोष परिवारों के लिए न्याय सुनिश्चित किया। **शेष पृष्ठ-4.....**

ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्य हासिल, सहमति तोड़ने पर पाकी सेना को दंड देने का रोड़ मैप, प्लान तैयारः सेना

नयी दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने कहा है कि ऑपरेशन सिन्दूर के लक्ष्य हासिल कर लिये हैं और पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि उसकी ओर से आज रात भी सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए बनी सहमति का उल्लंघन किया जाता है तो उसे इसका बेहद गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।

सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वायु सेना के संचालन महानिदेशक एयर मार्शल ए के भारती और नौसेना के संचालन महानिदेशक वाइस एडमिरील ए के प्रमोद ने रविवार देर शाम ऑपरेशन सिंदूर पर एक विशेष ब्रीफिंग में साफ शब्दों में कहा है कि यदि पाकिस्तान की ओर से इस तरह की कार्रवाई होती है तो उनके पास पाकिस्तान को सबक सिखाने का रोड़ मैप और प्लान हैं और हम उस पर अमल के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ने सेना को आदेश दिया है कि यदि पाकिस्तान की ओर से सहमति का आज भी उल्लंघन किया जाता है तो उसे जोरदार तरीके से दंडित किया जाना चाहिए। सेनाओं की ओर से साफ तौर पर कहा गया , ह्ल हमारी लड़ाई न तो पाकिस्तान के खिलाफ है , न ही पाकिस्तान के लोगों से है , हमारी लड़ाई सिर्फ आतंवादियों **शेष पृष्ठ-4.....**

श्रीलंका में बस के चट्टान से गिर जाने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत

कोलंबो (एजेंसी) : श्रीलंका के मध्य प्रांत के कोटमाले में रविवार सुबह एक बस के चट्टान से गिर जाने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए।पुलिस ने यह जानकारी दी है। घायल लोगों को अस्पताल में कड़ी चिकित्सा निगरानी में रखा गया है।

पुलिस ने बताया कि श्रीलंका परिवहन बोर्ड ने दुर्घटना की जांच के लिए एक टीम घटनास्थल पर भेजी है।पुलिस ने कहा कि वे दुर्घटना की भी जांच कर रहे हैं।

गौरतलब है कि श्रीलंका में सड़क दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इस साल दो अप्रैल तक 565 घातक सड़क दुर्घटनाओं में कुल 592 लोग मारे गए हैं।

उमर अब्दुल्ला ने कहा- ये कैसा सीजफायर, श्रीनगर में धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीजफायर लागू होने के 3 घंटे बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया। रात 8 बजे से पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर के अखनूर, पुंछ, नौशेरा, श्रीनगर, आरएसपुरा, सांबा, उधमपुर में फायरिंग की जा रही है। राजौरी में शेलिंग (तोप और मोर्टार) की गई। उधमपुर में ड्रोन से हमला हुआ।जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- ये कैसा सीजफायर है। श्रीनगर में धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। फिरोजपुर और पठानकोट में जिला प्रशासन ने फिर से ब्लैकआउट का आदेश दिया है। सीजफायर के ऐलान के बाद ब्लैकआउट टाल दिया गया था, लेकिन पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट किया गया। पहले की तरह जिले में बिजली गुल हो गई है। लोगों से घरों में रहने को कहा गया है।

गौरीकुंड से 1709 घोड़ा-खच्चर यात्रियों को लेकर धाम पहुंचे

रुद्रप्रयाग, (एजेंसी) :

रविवार को सुबह 6 बजे से ही गौरीकुंड से घोड़ा-खच्चरों का संचालन शुरू हो गया था। पशु चिकित्सकों ने जानवरों की जांच की और यात्रा के लिए उन्हें स्वस्थ्य घोषित किया। अपराह्न तक 1709 घोड़ा-खच्चरों को केदारनाथ के लिए रवाना किया गया। पशु चिकित्सकों की टीम ने इन जानवरों की जंगलचट्टी, भीमबली, **शेष पृष्ठ-4.....**

ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने तबाह, 100 आतंकियों की मौत

नई दिल्ली,(एजेंसी) : भारत-पाकिस्तान तनाव और ऑपरेशन सिंदूर पर रविवार शाम भारतीय सेना ने प्रेस कॉफ्रेंस की. इस प्रेस कॉफ्रेंस में भारतीय सेना तीन अंग थल सेना, वायु सेना और जल सेना के अधिकारी शामिल थे. थल सेना से लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, जल सेना से वाईस एडमिरल एएन प्रमोद डीजी, नेवल ऑपिरशन और वायु सेना से एयर मार्शल एके भारती डीजी, एयर ऑपिरशन इस प्रेस कॉफ्रेंस में शामिल थे. तीनों अधिकारियों ने पीपीटी के जरिए पूरे ऑपरेशन की जानकारी दी. जिसके जरिए भारतीय सेना की कार्रवाई के सभी सबूत भी दिखाए गए.

ऑपरेशन सिंदूर में सिर्फ आतंकी और आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया

प्रेस कॉफ्रेंस में लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था? लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया, ऑपरेशन सिंदूर साफ तौर पर आतंकवाद के साजिशककताओं और उनके ठिकानों को तबाह करने के लिए किया गया था. हमने सीमा पार टेरर कैंप और इमारतों को पहचाना. यह बहुत बड़ी संख्या में थे। इनमें से कई को पहले ही खाली कर दिया था, क्योंकि उन्हें हमारे एक्शन का डर था.'खुफिया विभागों से पुष्टि के बाद आतंकियों के 9 ठिकाने किए तबाहडीजीएमओ ने आगे बताया कि पाकिस्तान में 9 शिविर थे, जिनसे आप सभी परिचित हैं. हमारी विभिन्न खुफिया एजेंसियों ने भी उसकी पुष्टि की. इनमें से कुछ ढङ्कखङ में थे, जबकि कुछ अन्य पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित थे. लश्कर-ए-तैयबा का गढ़ मुरीदके **शेष पृष्ठ-4.....**

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे व राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, संसद का विशेष सत्र बुलाने का किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी) :कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर से पहले और उसके बाद की स्थिति पर विचार के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है। मल्लिका अर्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को रविवार को लिखे पत्र में कहा है कि वह पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा के लिए संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहरा रहे हैं। उनका कहना था कि संसद ने इस बात पर भी चर्चा होगी कि पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों संघर्ष विराम की घोषणाएं करती हैं।

क्या हमने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए दरवाजे खोल दिए हैं?

गौरतलब है कि अमेरिका की मदद से सीजफायर के ऐलान के बाद कांग्रेस केंद्र सरकार पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने इस मसले पर विशेष संसद सत्र बुलाने की मांग की है। साथ ही सवाल किया कि क्या हमने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए दरवाजे खोल दिए हैं?

सर्वदलीय बैठक की मांग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, कि कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सर्वदलीय बैठक की मांग करती है. साथ में पार्टी पहलगाम आतंकी हमला, ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल और सीजफायर को लेकर पहले वाशिंगटन डीसी फिर उसके बाद भारत और पाकिस्तान की सरकारों की ओर से की गई युद्ध विराम घोषणाओं पर पूर्ण चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग भी दोहराती है। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे कहा, कांग्रेस का यह भी मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की ओर से किसी तटस्थ स्थल का जिक्र करना कई सवाल खड़े करता है. क्या अब हमने शिमला समझौते को छोड़ दिया है? क्या हमने अब तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं? वह आगे कहते हैं. अंत में, कांग्रेस का मानना है कि देश के लिए 1971 में असाधारण साहसी और दृढ़ नेतृत्व के लिए इंदिरा गांधी को याद करना स्वाभाविक भी है।

मप में शव नोंच-नोंच कर खा गए कुत्ते...

नर्मदापुरम जिला अस्पताल में नहीं था गार्ड

बैतूल में नहीं मिली एंबुलेंस: बुजुर्ग को ठेले से पहुंचाया अस्पताल...

मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं की खुली पोल...

भोपाल/नर्मदापुरम/बैतूल, (एजेंसी) : मप्र में स्वास्थ्य सेवाओं को हाईटेक बनाने के लिए सरकार करोड़ों रूपए स्वाहा कर रही है। इसके बावजुद स्वस्थ्य सेवाओं की बदहाली दूर नहीं हो रही है। मप्र की स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल नर्मदापुरम और बैतूल की घटना ने खोल दी है। नर्मदापुरम जिला अस्पताल में गार्ड नहीं होने के कारण एक युवक के शव को कुत्तों ने नोंच-नोंच कर खाया, वहीं बैतूल में एक घायल बुजुर्ग को एंबुलेंस नहीं मिली तो उसे ठेले पर अस्पताल पहुंचाया गया।

युवक के शव को कुत्तों ने नोंचा

नर्मदापुरम जिला अस्पताल में सडक हादसे में मृत युवक के शव को कुत्ते नोच-नोचकर खा गए। परिजन थोड़ी देर के लिए पानी पीने गए थे। लौटकर आए तो युवक की गर्दन का हिस्सा कटा देखा। परिजन ने इसे लेकर अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। उन्होंने कहा कि रात में गार्ड की तैनाती नहीं थी। हम कुत्तों को भगा रहे थे। उन्होंने 7 दिन में दोषियों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। बनापुरा निवासी निखिल चौरसिया (21) अपने दोस्त रितिक राजपूत और रोहित मेहरा के साथ शुक्रवार को पालनपुर शादी कार्यक्रम से लौट रहा था, तभी डोलरिया रोड पर उनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में निखिल चौरसिया की मौके पर मौत हो गई, जबकि रितिक और रोहित गंभीर रूप से घायल हैं। भी यह पता नहीं चला है कि टक्कर किस वाहन ने मारी थी।

पोस्टमॉर्टम हाउस में रखा था युवक का शव

निखिल का शव नर्मदापुरम जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया था। युवक की

बहन ने कहा रात में पानी पीने बाहर गए थे। एक कुत्ता भाई के शरीर से मांस नोच कर ले भागा। इसकी शिकायत हमने सीएम हेल्पलाइन 181 पर की है।

-सीएमएचओ के खिलाफ प्रदर्शन

रविवार को श्री समर्पण श्री के सदस्यों ने सीएमएचओ के खिलाफ प्रदर्शन किया। संगठन के सदस्य स्वदेश सैनी ने चेतावनी दी है कि अगर 7 दिन में लापरवाही करने वालों पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो सीएमएचओ का पुतला दहन किया जाएगा।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. सुधीर विजयवर्गीय ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा गार्ड को शोकॉज नोटिस जारी किया जाएगा। भविष्य में कोशिश करेंगे कि व्यवस्था में सुधार लाया जाए। साथ ही ध्यान रखा जाएगा कि आगे से ऐसी घटना न हो। जिला अस्पताल में तीन साल से शव रखने की व्यवस्था नहीं है। दरअसल, तीन साल पहले पेड़ गिरने से शेड और फ्रीजर टूट फूट गए थे। इसके बाद विभाग ने खराब हुए फ्रीजर को कबाड़ में बेच दिया। घायल बुजुर्ग को ठेले से पहुंचाया अस्पताल

बैतूल में कार की टक्कर से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। लेकिन उसे एंबुलेंस नहीं मिली। ऐसे में घायल को ठेले से अस्पताल पहुंचाया गया। यह कहना उचित होगा कि यह घटना स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खोलती है। यह घटना मुलताई थाना क्षेत्र के जय स्तंभ चौक की है। रविवार को तेज रफ्तार कार ने बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके बाद ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार हो गया। वहीं इस दुर्घटना में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने 108 पर हादसे की जानकारी दी। लेकिन एंबुलेंस नहीं पहुंची। इधर, बुजुर्ग की बिगड़ती हालत को देखते हुए स्थानीय लोगों ने मजबूरन ठेले से घायल को अस्पताल ले गए। जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना के बाद 108 एम्बुलेंस सेवा के कामकाज पर सवाल उठने लगे हैं।

वैसे सवाल उठना लिजमी है, क्योंकि इसके पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही मुलताई थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल, पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। ताकि फरार ड्राइवर को पकड़ा जा सके।

आतंकवाद कुत्ते की पूंछ, जिस भाषा में समझेंगे, उसी भाषा में आतंकियों को देंगे जवाबः योगी

लखनऊ,(एजेंसी) :मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके पोषित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है, जो कभी सीधी होने वाली नहीं है। प्यार की भाषा न मानने वालों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। इस दिशा में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है कि जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा।

मुख्यमंत्री योगी उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के शुभारंभकार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली शमिल हुए। मुख्यमंत्री योगी और रक्षामंत्री ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस उत्पादन यूनिट का शुभारंभ किया। इस मौके पर रक्षा उत्पादन से जुड़ी एक पुस्तक 'ब्रह्मांड' का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने ब्रह्मोस के इस यूनिट के लिए चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपे। कार्यक्रम आयोजकों की ओर से मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन किया और प्रदेशवासियों की ओर से दोनों को बधाई दी। योगी ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा और नहीं देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए **शेष पृष्ठ-4.....**

संक्षिप्त खबर

कलावती हॉस्पिटल के डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : बेगाबाद प्रखंड के बसमता गांव के बीएम भवन प्रांगण में भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया। आयोजनकर्ता कलावती हॉस्पिटल के डॉ. वीरेन्द्र कुमार के सहयोग से भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनय कुमार सिंह,कोडरमा सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव,सरजू गोप,बृहस्पति महतो ,शंकर यादव,दिनेश यादव आदि उपस्थित रहे।मशहूर गायक व गायिका कुमकुम बिहारी,जितेंद्र बबुआ व उनके सहयोगी के भक्ति जागरण के भक्ति रस का भक्तों ने भरपूर आनंद उठाया।

लाल स्टील टीएमटी के चेयरमैन एवं समाजसेवी गोवर्धन लाल का निधन

गिरिडीह : रविवार सुबह करीब 8:00 बजे गिरिडीह के जाने-माने उद्योगपति और समाजसेवी गोवर्धन लाल का दुर्गापुर मिशन अस्पताल में निधन हो गया। इस बाबत बताया गया कि वे पिछले कई दिनों से अस्वस्थ थे। ज्यादा तबीयत खराब होने पर दो दिन पूर्व उन्हें दुर्गापुर मिशन अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां उनका इलाज चल रहा था। इसी क्रम में रविवार सुबह उनका निधन हो गया।गौरतलब है कि स्वर्गीय गोवर्धन लाल पूर्व विधायक मुन्ना लाल के पिता हैं। वहीं उनके दो पुत्र जय प्रकाश लाल , विजय लाल जाने-माने उद्योगपति हैं। उनके निधन से गिरिडीह में शोक की लहर है। बड़ी संख्या में गिरिडीह के खासो आम ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए रविवार को एक स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय पत्रकारों ने समाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।शिविर में प्रेस क्लब गिरिडीह के अध्यक्ष राकेश सिन्हा, रेडक्रॉस के चेयरमैन सह प्रेस क्लब सचिव अरविंद अग्रवाल, अविनाश सिन्हा, रिंकेश कुमार, आशीष कुमार, जगजीत सिंह बग्गा, विनोद कुमार, योगेश कुमार, मृणाल सिन्हा, निशांत गुप्ता, विकास सिंह सहित कई अन्य पत्रकारों ने भाग लिया और रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया। शिविर को सफल बनाने में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. सोहेल, टेक्नीशियन संत सिन्हा, मो. सोहेल, रंजीत कुमार समेत अन्य मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। प्रेस क्लब व रेडक्रॉस की इस पहल की सर्वत्र सराहना हो रही है। आयोजन का उद्देश्य न केवल रक्त की आवश्यकता को पूरा करना था, बल्कि आमजन को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करना है।

भगवान की रासलीला का वर्णन किया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : अरगाघाट मे आयोजित श्रीमद भागवत कथा की शुरूवात पूर्व की भांति भागवत भगवान की आरती के पश्चात की गयी। रविवार छठे दिन की कथा मे भगवान की रासलीला का वर्णन किया गया। तत्पश्चात रूकमनी विवाह के बारे मे बताया गया। ये सारे चरित्र छोटे छोटे बाल गोपालों द्वारा झांकी के रूप प्रस्तुत भी किया गया। प्रसंग को सुनकर और झांकी को देखकर लोग गदगद हो गए।तुम्हारी शरण प्रभु जी तुम्हरी शरण की भजन पर भक्त झूम कर नाचने लगे। कार्यक्रम के दौरान उसरी नदी बचाओ अभियान के तहत संयोजक के द्वारा महाराज को एक प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन मे शामिल अतिथियों मे , कृष्णा कुमार सिन्हा, डॉ. संजीव, संजय, अनुज सिन्हा, ललित सिन्हा, राजेश सिन्हा, अजयकांत झा बिजय सिंह, पप्पू विश्वकर्मा, आशीष अंबस्ट, संतोष यादव, गोविन्द यादव, विष्णु यादव, प्रदीप यादव, मनोज चौरसिया, प्रदीप बरनवाल, संदीप सिन्हा, लोकनाथ सहाय, नवल सिंह, आदित्य यादव, पीकू यादव, इत्यादि लोग शामिल रहे।

बैंक खाता को आधार सीडिंग कराने हेतु विशेष शिविर का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह: झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के बैंक खाता को आधार सीडिंग कराने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया।मंईयां सम्मान योजना अन्तर्गत कुल 35108 लाभुकों का बैंक खाता आधार से लिंक्ड नहीं है। उल्लेखनीय है कि माह अप्रैल से उक्त योजना के लाभुकों को डीबीटी के माध्यम से आर्थिक सहायता राशि का भुगतान किया जायेगा। विभागीय निर्देश के आलोक में उक्त योजना के तहत स्वीकृत सभी लाभुकों का बैंक खाता को अविलम्ब आधार से लिंक्ड किया जाना है। ताकि कोई भी योग्य लाभुक योजना के लाभ से वंचित न हो। अवगत कराना है कि प्रासंगिक पत्र के माध्यम से आधार सीडिंग कार्य कैम्प मोड में करने हेतु निर्देश दिया गया है। परन्तु अबतक इसमें अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रही है।

कोटपा के तहत हरला थाना क्षेत्र में चलाया गया छापामारी अभियान

नशे की लत से बच्चों को बचाना हम सभी विभागीय लोगों का दायित्व है : सिविल सर्जन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के आदेशानुसार शनिवार को सिविल सर्जन बोकारो द्वारा खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ श्वेता अमृता लकडा एवं जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो मो असलम के नेतृत्व में निकोटीन युक्त पान मसाला एवं तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 की धारा 4 व 6ए, 6बी के तहत हरला थाना क्षेत्र अन्तर्गत बसन्ती मोड, सेक्टर 9ए रोड, सेक्टर 9बी रोड, सरस्वती स्कूल एवं सरदार पटेल स्कूल के आस पास विशेष जांच अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग कुल 57 दुकानों की जांच की गई जिसमें 13 दुकानों, व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लघंग करते हुये पाया गया, जिनसे अर्थदण्ड के रूप में कुल 2150 रुपए की वसूली की गई। झारखण्ड में लगभग 88 लाख लोग तम्बाकू का प्रयोग करते हैं-

इस संदर्भ में सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि झारखण्ड में प्रत्येक दिन 146 बच्चे पहली वार तम्बाकू का उपयोग करना शुरू करते है जोकि केवल 13 से 15 आयुवर्ग के बच्चे होते है जो कही न कहीं कक्षा 7 से कक्षा 10 के बच्चे होते हैं, जिनको बचाना हम सभी विभागीय लोगों का दायित्व है। झारखण्ड में लगभग 88 लाख लोग तम्बाकू का प्रयोग किसी न किसी रूप में करते है, जिसमें हर वर्ष लगभग 35000 लोग तम्बाकू से होने वाले जनित रोगों की वजह से मौत के शिकार हो जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी आमजनमानस से अपील करते हैं कि खुद तम्बाकू के उपयोग से बचे।

साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करें। रास्ते चलते, गुमटी, खेल के मैदान, दुकानों के आस पास, स्कूल के आस पास धुम्रपान का सेवन करने से बचें। पैसिव स्मोकिंग की वजह से दूसरों को भी नुकसान हो सकता है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ श्वेता अमृता लकड़ा ने बताया कि अपर मुख्य सचिव सह राज्य खाद्य सुरक्षा आयुक्त स्वास्थ्य शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग झारखण्ड रांची के आदेशानुसार तम्बाकू तथा निकोटीन युक्त गुटखा तथा पान मसाला के भंडारण, वितरण एवं बिक्री को अगले एक वर्ष तक के लिये प्रतिबन्धित किया गया है। सभी दुकानदार को निर्देश दिया कि तम्बाकू, पान मसाला, निकोटीन युक्त गुटखा का बिक्री न करें।

छापामारी के दौरान सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर, सरदार पटेल पब्लिक स्कूल के आसपास की दुकानों से तम्बाकू उत्पाद हटाया गया। साथ ही विभिन्न दुकानदारों को जिला परामर्शी मो असलम द्वारा आवश्यक निर्देश दिया गया कि स्कूल के 100 गज के दायरे में किसी भी मादक पदार्थ की बिक्री न करें अन्यथा पकड़े जाने पर कोटपा 2003 की धारा 6 बी के तहत कार्रवाई की जायेगी। छापामारी के दौरान स्वास्थ्य विभाग से खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ श्वेता अमृता लकडा, मो असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो के साथ छापामारी दल उपस्थित थे।

इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा पियाऊ सेवा का शुभारंभ

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए राहगीरों के लिए पियाऊ सेवा की शुरूआत की गई है। इस सेवा के अंतर्गत गिरिडीह और पचंबा के कुल 8 स्थानों पर ठंडे व स्वच्छ जल की व्यवस्था की गई है। जिससे राहगीरों को गर्मी से राहत मिल सके। सिर्फ पानी ही नहीं, क्लब समय-समय पर पियाऊ केंद्रों पर गुड़, चना, सत्तू और खीरा जैसी पौष्टिक व ताजगी देने वाली चीजों का भी वितरण करता है। जिससे राहगीरों को ऊर्जा मिल सके।क्लब अध्यक्ष सोनाली तरवे ने बताया कि इस सेवा का उद्देश्य न केवल गर्मी में राहत देना है बल्कि समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देना भी है। मौके पर क्लब सेक्रेटरी राखी झुनझुनवाला, ट्रेजरर स्मृति आनंद, आईपीपी सुमन गौरी सरिया, शशि जैन, रश्मि गुप्ता आदि सदस्य भी मौजूद थे।

गिरिडीह के आकाश और नयन बने राष्ट्रीय स्तर के कोच

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : धनबाद के गुरुनानक कॉलेज में 7 से 10 मई तक हुए राष्ट्रीय ताइक्वांडो कोच प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने गिरिडीह के आकाश स्वर्णकार और नयन भट्टाचार्य गए हुए थे। जहां दोनों ने सफलता पूर्वक इस प्रशिक्षण को पूर्ण किया और राष्ट्रीय कोच बने।गिरिडीह जिला ताइक्वांडो संघ के महासचिव अमित स्वर्णकार ने बताया कि ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से धनबाद के गुरुनानक कॉलेज में चार दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के ताइक्वांडो कोच प्रशिक्षण शिविर लगाया गया था जिसे पूरे देश भर से चयनित 200 कोच ने भगा लिया था।इस प्रशिक्षण शिविर में कोच को प्रशिक्षण देने ईरान के अंतराष्ट्रीय कोच अब्बास शेखी आए हुए थे।इसके निमित ही गिरिडीह के आकाश स्वर्णकार और

इनके स्टूडेंट नयन भट्टाचार्य गए हुए थे और दोनों ने सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण की और समापन समारोह में ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव प्रभात शर्मा और ईरान से आए अंतर्राष्ट्रीय कोच अब्बास सैनी ने आकाश और नयन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। महासचिव ने बताया कि गिरिडीह के ताइक्वांडो खिलाड़ी लगातार अपना परचम हर लेबल पर लहरा रहे हैं और अब इन दोनों के लेटेस्ट तकनीक को सीख पाने से यहां के सभी खिलाड़ियों को इसका लाभ मिलेगा और वो अपने आप को अपग्रेड कर सकेंगे। जिससे उनके परफॉर्मेंस में और सुधार आयेगा। आकाश और नयन के इस उपलब्धि पर ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव प्रभात कुमार शर्मा, झारखंड ताइक्वांडो संघ के महासचिव संजय शर्मा, गिरिडीह जिला ताइक्वांडो संघ के संरक्षक निर्भय

शाहबादी ,अध्यक्ष समीर कुमार शर्मा , महासचिव अमित स्वर्णकार,सह सचिव रोहित राय एवं संघ के मनोहर बर्मा, शशिकांत विश्वकर्मा,ज्योति कुमार,राजकुमार साव को जिले के सभी खिलाड़ियों ने इनकी इस उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं दी और उज्वल भविष्य की कामना की।

दो-दिवसीय अष्टयाम यज्ञ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, निकली कलशयात्रा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : नगर के सेक्टर 12 बी-एफ स्थित शिव मंदिर परिसर में रविवार को आस्थावानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रीश्री सार्वजनिक शिव मंदिर सेवा समिति के द्वारा शिव मंदिर में दो-दिवसीय अष्टजाम यज्ञ शुरू हुआ, जो सोमवार को अपराह्न में विसर्जन एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न होगा। अष्टजाम के शुभारंभ से पूर्व शिव मंदिर परिसर से सैकड़ों श्रद्धालु महिला और युवतियां एवं मंदिर समिति के सदसयों के साथ सेक्टर 12 सी स्थित शिव मंदिर पहुंचीं, जहां से कलश में जल भर कर वापस अष्ठजाम स्थल तक कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए भगवान भोले शंकर के जयकारे से सेक्टर 12 का वातावरण भक्तिमय हो गया था। इस शुभ अवसर पर मुख्य जजमान विनोद कुमार देव व सबिता देव, बबीता सिंह रहीं।

आयोजन में सहयोगी के रूप में जगन्नाथ शाही, डॉ नरेन्द्र कुमार राय, संजय राय, रजीव रंजन, कुमार अमित, अरविंद राय श्री श्री सार्वजनिक शिव मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष जनार्दन प्रसाद सिंह के साथ शिव परिवार सदस्य मुन्ना राय, ललित नारायण राय, सुभाष सिंह, संजय चौधरी, पप्पू सिंह, अभिषेक, संजय तिवारी, ओ पी सिंह, बी पी वर्मा, रंजीत मंडल, डी एन सिंह, डी के सिंह, सत्या, अजय, विकास, मास्टर साहब, जयकांति देवी, उर्मिला देवी, रूबी कुमारी, नीतू सिंह, नूतन देवी प्रमुख रूप से सक्रिय रहे। कलश यात्रा एवं अष्टजाम में सैकड़ों महिला-पुरुष भक्त की उल्लेखनीय भागीदारी रही। बच्चों ने भी पूरे उत्साह से भाग लिया और झंडे लहराए।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष बनाने पर बेबी देवी को बधाई दी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह/डुमरी: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा पूर्व मंत्री बेबी देवी को झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष बनाने एवं बेबी देवी के द्वारा अध्यक्ष के रूप में अपना पदभार ग्रहण करने पर स्थानीय झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं एवं कांग्रेसियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उनके अध्यक्ष बनने परआयोग के क्रियाकलापों में तेजी आने का भरोसा भी जताया है। इस क्रम में बधाई देने वालों में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो उर्फ राजू महतो,राजकुमार पाण्डेय, बरकत अली,भोला सिंह,राकेश महतो,कैलाश चौधरी, डेगनारायण महतो,उमाशंकर राय,राजकुमार मेहता, मिथलेश महतो,चांदी महतो,अखिलेश राणा,विश्वनाथ महतो मुखिया नूरूउद्दीन अंसारी,पंकज महतो,सहोदरी देवी उपप्रमुख उपेन्द्र महतो,जगरनाथ ठाकुर, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मण्डल, युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डु मलिक, राष्ट्रीय एकता के प्रखंड अध्यक्ष महेन्द्र बिन्द, झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो आदि शामिल हैं।

अपोलो फार्मेसी का उद्धघाटन सदर विधायक द्वारा किया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : गिरिडीह शहर में पहला अपोलो फामेर्सी का शुभ उद्धघाटन सदर विधायक सह झारखण्ड सरकार के नगर विकास,उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग तथा प्रयटन एवं कला संस्कृति विभाग के मंत्री सुदीब्य कुमार सोनू के कर कमलों द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर स्थानीय वार्ड पार्षद सैफ अली गुड्डू, बुलन्द अख्तर रूमी व सुमीत कुमार, अनवर अली ओमेगा इंटरप्राइजेज व ओपन माइंड स्कूल के चेयरमैन हाजी रिजवान , वरिष्ठ अधिवक्ता अजय सिन्हा मंटू ,कविता मेडिकल के डायरेक्टर मुकेश केशरी, मेडिसिन डिस्ट्रीब्यूटर के डायरेक्टर आशीष खंडेलवाल , भाजपा जिला महामंत्री संदीप डागाइच, भाजपा नेता संजीत सिंह पप्पू , दीपक जैन, अनुराग जालान के साथ मौलाना आजाद चौक के सम्मानित नागरिकगण की उपस्थिति में शुभ उद्धघाटन समारोह आयोजित किया गया।

सांस्कृतिक परंपराओं, आस्था और प्रकृति के सम्मान का प्रतीक है सूयाहीं पूजा : योगेन्द्र

झारखंड सरकार के मंत्री गोमिया में पूजा महोत्सव में हुए शामिल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गोमिया (बोकारो) : झारखंड सरकार के मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के योगेंद्र प्रसाद महतो ने बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के ग्राम जमकडीह में संतोष साव जी के आवास पर आयोजित भव्य सूयाहीं पूजा महोत्सव में सम्मिलित होकर भगवान भास्कर की आराधना की। इस धार्मिक और सांस्कृतिक अवसर पर उपस्थित होकर मंत्री महोदय ने भगवान सूर्य से राज्यवासियों के लिए सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सूयाहीं पूजा हमारी सांस्कृतिक परंपराओं, धार्मिक आस्था और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह पर्व ग्रामीण जीवन की आध्यात्मिक समृद्धि और सामूहिक एकता का परिचायक है। पूजा-स्थल पर पहुंचने पर स्थानीय ग्रामवासियों ने पुष्पमालाओं और पारंपरिक तरीकों से उनका भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और शंखध्वनि के साथ सूर्य भगवान की स्तुति करते हुए पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। ग्रामीणों ने मंत्री जी की उपस्थिति को अपने लिए गौरव का विषय बताया और उनके सादगीपूर्ण व्यवहार की सराहना की। मंत्री जी ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में धार्मिक भावना को सुदृढ़ करते हैं और लोक परंपराओं को जीवित रखते हैं।

उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है और भविष्य में पेयजल, स्वच्छता और नशा उन्मूलन के क्षेत्रों में और अधिक योजनाएं लागू की जाएंगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

Page 3_Page 3.qxd 5/11/2025 10:22 PM Page 1

आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाला धराया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । आंतकी संगठन आईएसआईएस, अलकायदा और तालिबान के समर्थन में सोशल मीडिया 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट करने वाले एक नाबालिग को रांची की पुदांग ओपी पुलिस ने रविवार को गिरफ़्तार किया है। युवक को पुलिस ने पूछताछ के बाद बाल सुधार गृह भेज दिया है।

डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को मामले की जानकारी मिलते ही पुदांग ओपी क्षेत्र में छापेमारी कर स्क्रीन शॉट, वीडियो और मोबाईल फोन बरामद किया गया है। साथ ही नाबालिग को निरुद्ध किया गया। इस संबंध में ओपी प्रभारी के बयान पर मामला दर्ज किया गया है। इस तरह के पोस्ट से क्षेत्र का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने सहित अन्य आरोप में उसे निरुद्ध किया गया है।

विधायक ने कार्रवाई करने पर रांची पुलिस को दिया धन्यवाद

रांची के भारतीय जनता पार्टी विधायक सीपी सिंह ने इस कार्रवाई के लिए पुलिस को धन्यवाद किया है।

उन्होंने कहा कि रांची पुलिस ने इस मामले में त्वरित और ठोस कानूनी कार्रवाई कर एक मजबूत संदेश दिया है।

दरअसल, सीपी सिंह ने ही अपने एक्स हैंडल पर लिखा था कि रांची निवासी एक युवक ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें साझा की हैं, वे बेहद भड़काऊ एवं राष्ट्रीय सुरक्षा व भारत की संप्रभुता से जुड़ा है। यह न केवल खुला राष्ट्रद्रोह है, बल्कि एक आतंकवादी मानसिकता का स्पष्ट संकेत भी है। यह मामला केवल एक युवक का नहीं, बल्कि उस जहरीली विचारधारा को दशार्ता है जो कुछ युवाओं के मन में भरी जा रही है। समय है कि इस युवक को तुरंत गिरफ्तार कर पूरी गहराई से जांच हो, कहीं यह किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से तो नहीं जुड़ा हुआ है? ऐसी सोच, ऐसे इरादे और ऐसे लोगों को अगर आज सबक नहीं सिखाया गया, तो कल यह बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। देश को बचाना है, तो कठोर कदम अभी उठाने होंगे।

जैसे ही रांची पुलिस को मामले की जानकारी मिली इस पर त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस ने उसे ढूंढ़ कर गिरफ्तार कर लिया गया। रांची पुलिस के द्वारा सीपी सिंह को एक्स पर यह जानकारी भी दी गई है कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

झारखंड कैडर के 4 आईपीएस अधिकारियों को आईजी रैंक के पैनल में किया गया शामिल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । झारखंड कैडर के चार आईपीएस अधिकारियों को केंद्र में आईजी रैंक के पैनल में शामिल किया गया है। इनमें 2004 बैच के दो, 2005 बैच के एक और 2007 बैच के दो आईपीएस शामिल है । जारी लिस्ट के मुताबिक 2004 बैच के आईपीएस में आईजी अभियान के पद पर पदस्थापित होमकर अमोल वेणुकांत, आईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित प्रभात कुमार और 2005 बैच के आईपीएस कुलदीप द्विवेदी, जो अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं, उन्हें आईजी रैंक में इम्पैनल किया गया है। इनके अलावा झारखंड जगुआर आईजी के पद पर पदस्थापित 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी अनूप बिरथरे को भी आईजी रैंक में इम्पैनल किया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने देश भर से कुल 65 आईपीएस अधिकारियों के लिए आईजी और आईजी समानांतर पद पर इम्पैनल करने का विचार किया था, जिसके बाद अलग-अलग राज्यों के 65 आईपीएस अधिकारी आईजी रैंक में इम्पैनल हुए हैं, इनमें झारखंड कैडर के ये चारों आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं।

संक्षिप्त खबर

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

पलामू (एजेंसी)। एनएच 98 फोरलेन पर शनिवार रात सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार छतरपुर-मेदिनीनगर मार्ग पर सड़मा स्थित महेंद्रा एग्रो पेट्रोल पंप के सामने एक पिकअप ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान चौखड़ा गांव के टोला तेनुडीह निवासी रामकेश यादव के रूप में हुई। पिकअप के टक्कर मारने के बाद स्थानीय लोग घायल रामकेश को अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर ले गए। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने फोरलेन सड़क पर जाम लगा दिया। करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति रही। सब इंस्पेक्टर मिथिलेश यादव और सुरेंद्र राम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया। उन्होंने हर संभव मदद और सरकारी मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद जाम समाप्त हुआ और यातायात सामान्य हो गया। पुलिस ने शव को रविवार को शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

आकांक्षा सीएसआईआर यूजीसी नेट में सफल

पलामू(एजेंसी)। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के मोहम्मदगंज प्रखंड के एक छोटे से गांव भजनिया निवासी शिक्षक प्रेम चौधरी और गृहणी लीलावती देवी की पुत्री आकांक्षा ने सीएसआईआर यूजीसी नेट की लाइफ साइंस विषय की परीक्षा में 97.6973509 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जेआरएफ सहायक प्रोफेसर और पीएचडी के लिए झारखंड राज्य एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए सफलता पाई है। आकांक्षा का आल इंडिया रैंक 183 ओबीसी कैटेगरी में है। आकांक्षा ने रांची के महिला कालेज से एमएससी (जूलॉजी) प्रथम डिस्टिंक्शन के साथ सफल हुई है। आकांक्षा की इस सफलता पर उनके गांव के लोगों में काफी खुशी है। माता- पिता के अलावा आकांक्षा के बड़े भाई अभय चौधरी (बोकारो में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर परिवहन विभाग में कार्यरत) ने भी खुशी जाहिर की है। इनके अलावा भाजपा के मंडल अध्यक्ष नीरज सिंह, सांसद प्रतिनिधि महेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, सीबी रमन सिंह, राकेश चौरसिया, राजद के अनुमंडल अध्यक्ष खुर्शीद खान, कलामुद्दीन खान, पूर्व मुखिया पंचम खान, नदीम खान सहित अन्य ने रविवार को बधाई दी है।

झारखंड बालिका टीम ने विद्यर्व को 23 अंक से हराकर 51वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : महाराष्ट्र के वर्धा में आयोजित 51वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप में झारखंड की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड 50 और वर्धा 23 रहा मेजबान वर्धा टीम को 23 अंक से हराकर सीधे सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम की इस ऐतिहासिक जीत से पूरे राज्य में खुशी की लहर दौड़ गई है।इस अवसर पर झारखंड राज्य कबड्डी संघ के सचिव संजय कुमार झा और अध्यक्ष तपन कुमार राउत तथा ब्रह्मऋषि कबड्डी हिन्दी के सचिव अंगद सिंहने टीम को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि झारखंड की बेटियाँ निरंतर बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं और यह जीत उनके कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है।झारखंड के सभी जिलों के कबड्डी संघों के अधिकारियों ने भी टीम को बधाई दी और आगामी मैचों के लिए कोच शिव सागर, मैनेजर दिव्यांश राज तथा प्रशिक्षक लक्ष्मी कुमारी को बधाई ओर शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। अब सबकी नजरें सेमीफाइनल मुकाबले पर टिकी हुई हैं, जिसमें झारखंड टीम से एक और दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

टीम मे शामिल खिलाड़ी इस प्रकार हैं बालिका टीम - स्नेहा थापा ,, सृष्टि सिंह , मुस्कान गुप्ता, रेखा महतो , सलोनी राणा ,नेहा उरांव , रुक्मणि कुमारी, पूजा महतो,सलोनी कुमारी , रीना धान कोमल उरांव , राधिका उराव प्रशिक्षक :- लक्ष्मी कुमारी.

सेवा भारती ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

लोहरदगा (एजेंसी)। सेवा भारती ने रविवार को चुन्नीलाल उच्च विद्यालय मे स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बडी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर लाभान्वित हुए। हीमोग्लोबिन,यूरिक एसिड,ब्लड ग्रुप, शुगर, बीपी,वजन,हार्ट बीट,ऑक्सीजन लेवल का निशुल्क जांच किया गया। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने स्वस्थ संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि हमारे भारत देश की सेना हमारी सुरक्षा के लिए रात- दिन डटे हुए हैं और पड़ोसी देश की सेना और वहां रह रहे आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं, और कहा की जीव सेवा ही सबसे बड़ा हमारा धर्म है।

डॉ कुमुद अग्रवाल ने कहा की अपना स्वास्थ चेकअप कराते रहना चाहिए । उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय सेना पर हमें गर्व है जोकि ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम तक पहुंचने में हर वक्त लगे हुए हैं, उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, अनामिका भारती और सुबोध प्रसाद महतो ने कहा की प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना स्वास्थ चेकअप करवा कर अपने उक्त बीमारियों का यहां डॉक्टर से इलाज करवाते हुए उनकी सलाह से स्वस्थ हो रहे है । शिविर में बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ को फाउंडेशन ने किया सम्मानित

पश्चिम सिंहभूम(एजेंसी)। पश्चिम सिंहभूम(चाईबासा) में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर चेंजिंग इंडिया फाउंडेशन की ओर से मातृत्व सेवा को समर्पित एक कार्यक्रम का आयोजन सदर अस्पताल में किया गया। इस दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों को पुष्पगुच्छ और मिठाई भेंटकर उनके योगदान के प्रति आभार प्रकट किया। फाउंडेशन ने कहा कि मातृत्व केवल एक जैविक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सेवा, स्नेह और समर्पण का प्रतीक है। अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टर और नर्स न केवल चिकित्सा सेवा देती हैं, बल्कि मां जैसी ममता और संवेदना के साथ गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल करती हैं। उनका यह मानवीय पहलू उन्हें समाज में मातृशक्ति का प्रतिनिधि बनाता है। इस कार्यक्रम में दिलीप साव, प्रशांत दोदराजका, चंद्र मोहन तियू, राजेश खंडेलवाल, अंकित साव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मातृत्व की गरिमा को नमन करते हुए अस्पताल स्टाफ के कार्यों की सराहना की।

झारखंड के कई जिलों में 16 तक लू का अलर्ट

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । झारखंड के अधिकांश जिलों में 16 मई तक लू चलने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार 12 मई को देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज में और 14 मई से गिरिडीह, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज में कहीं- कहीं लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 14, 15 और 16 मई को दक्षिणी और मध्यवर्ती जिलों में गर्जन के हल्की बारिश होने की सम्भावना है। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। इससे भीषण गर्मी का एहसास हुआ। शनिवार को बारिश होने के बावजूद गर्मी एयर उमस महससू की गई।

रविवार को रांची में तापमान 36.7, जमशेदपुर में 40.3, डालटेनगंज में 40.1, बोकारो में 39.5, चाईबासा में अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पासुबेड़ा में 136 वर्षों से हो रही मां शीतला और ग्राम देव की पूजा सम्पन्न

पश्चिम सिंहभूम (एजेंसी) । पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर प्रखंड अंतर्गत पासुबेड़ा गांव में निषाद समाज की ओर से मां शीतला और ग्राम देव की 136वीं वार्षिक पूजा रविवार को परंपरा, आस्था और भव्यता के साथ सम्पन्न हुई। यह पूजा 136 वर्षों से लगातार चली आ रही है और गांव की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। इस तीन दिवसीय महोत्सव में प्राचीन शीतला मंडप में मां शीतला और ग्राम देव की विधिवत पूजा की गई। मान्यता है कि मां शीतला की कृपा से गांव में रोग, महामारी और अशांति से रक्षा होती है। आयोजन में दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचे और पूरे गांव में उल्लास का वातावरण बना रहा।

पूजा के दौरान भीख मंगाई, माता का जागरण और विशेष पूजा-अर्चना जैसे पारंपरिक कार्यक्रम हुए। समापन दिवस पर भव्य भंडारे में श्रद्धालुओं के बीच शरबत, ठंडा पानी, चॉकलेट, खिचड़ी और प्रसाद वितरित किया गया। इस आयोजन में चंदू निषाद ने भोग और शरबत की व्यवस्था में विशेष भूमिका निभाई।

पूजा को सफल बनाने में श्यामलाल निषाद, बांकु निषाद, विश्वनाथ निषाद, महेंद्र निषाद, वासुदेव निषाद, पुजारी अनिल निषाद, राहुल निषाद, नरसिंह निषाद, पप्पू निषाद, राजू निषाद, हेमराज निषाद और सुरेश निषाद सहितअनेक युवाओं ने योगदान दिया।

जल संकट को लेकर ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

पश्चिम सिंहभूम (एजेंसी) । पश्चिम सिंहभूम जिले के गंगदा पंचायत के दोदारी और आसपास के गांव इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं। जलापूर्ति संयंत्र की बिजली कटने के बाद ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश है।

गंगदा पंचायत के दोदारी, काशिया, पेचा, कुम्बिया, चुर्गी, ममार, लेम्ब्रे, दईया, हिनुवा, सलाई, बाईहातु, बागालडीह सहित 14 गांवों में 10 मई से जलापूर्ति पूरी तरह ठप है। दोदारी स्थित जलापूर्ति संयंत्र (डब्लूटीपी) की बिजली बकाया बिल के कारण काट दी गई है। इस वजह से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को डेढ़-दो किलोमीटर दूर जंगल या नदी-नालों से पानी लाना पड़ रहा है।

रविवार को गांव की बुजुर्ग महिला सुकरी देवी बताती हैं, हम बूढ़े लोग अब कितनी दूर जाएंगे पानी के लिए। सरकार सिर्फ कागज पर योजनाएं बनाती है, अधिकारी कमीशन खा जाते हैं।

ग्रामीण मंगल हांसदा और सोमरा मुंडा का कहना है कि करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से बनी जलापूर्ति योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। कई जलमीनारों तक पानी पहुंचा ही नहीं, और जहां पहुंचा भी, वहां नलों से लाल, बदबूदार पानी निकलता था।

युवती फूलो सोरेन बताती हैं कि रोजाना तीन-चार बार पानी भरने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से योजना का आधा पैसा हजम कर लिया गया, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

प्रशासन की चुप्पी से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे सलाई चौक पर मुख्य सड़क जाम करेंगे। साथ ही, उन्होंने उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। जल संकट से जूझ रहे गांवों में अब आंदोलन की तैयारी है।

ईडी की जांच में जमीन पर दावे से संबंधित दस्तावेज फर्जी निकला

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में बोकारो की 133.64 एकड़ जमीन पर दावेदारी से संबंधित दस्तावेज फर्जी पायी गयी है। ईडी के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सर्वे के दौरान जब्त किये गये दस्तावेज और अधिकारियों से हुई पूछताछ के दौरान पुरुलिया रजिस्ट्री कार्यालय से वर्ष 1933 में जारी डीड संख्या 191 को फर्जी पाया गया। इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन ने इस जमीन पर अपने पूर्वजों द्वारा ब्रिटिश राज के दौरान नीलामी में खरीदे जाने का दावा किया गया था। इसमें से अब तक 74 एकड़ से अधिक जमीन बिक चुकी है। जिला प्रशासन की ओर से जारी जांच के दौरान भी पुरूलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में नीलामी से जुड़े दस्तावेज के नहीं होने की लिखित सूचना दी थी। इजहार हुसैन ने बोकारो जिले के चास अंचल की जमीन पर अपना दावा पेश करने के

लिए दो दस्तावेज का सहारा लिया था। इसमें पहला दस्तावेज पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय से जारी डीड संख्या 191 और दूसरा दस्तावेज समीर महतो का वसीयतनामा था।

पुरुलिया रजिस्ट्री कार्यालय से जारी सेल डीड संख्या 191 में इस बात का उल्लेख किया गया है कि समीर महतो ने यह तेतुलिया की 133.64 एकड़ जमीन वर्ष 1933 में नीलामी में खरीदी। वर्ष 2010 में समीर महतो के वसीयतनामा में इस बात का उल्लेख किया गया है कि समीर महतो ने अपने बेरोजगार पोता इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को नीलामी में खरीदी गयी 133.64 एकड़ जमीन देने का फैसला किया। इजहार हुसैन ने इस दस्तावेज के सहारे जमीन पर अपना दावा पेश किया। चास के तत्कालीन अंचल अधिकारी निर्मल टोप्पो ने इसे स्वीकार करते हुए इजहार और अख्तर हुसैन के नाम पर म्यूटेशन कर दिया। इस गड़बड़ी के आरोप में निर्मल टोप्पो बर्खास्त हो चुके हैं।

ईडी ने बोकारो जिले में हुई इस जमीन घोटाले की जांच के दौरान जमीन की खरीद बिक्री करने वालों के अलावा जमीन खरीदने के लिए फंडिंग करने वालों के ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान बांका के बीर अग्रवाल के ठिकाने से 1.30 करोड़ रुपये जब्त किये गये।

राजबीर कंस्ट्रक्शन के निदेशक को जमीन खरीदने के लिए फंड उपलब्ध कराने की पुष्टि हुई। ईडी ने छापेमारी के अलावा इजहार हुसैन के दावे से जुड़े दस्तावेज की जांच के लिए कोलकाता स्थित रजिस्ट्री कार्यालय मे पीएमएलए की धारा 16 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सर्वे किया।

आलोक सिन्हा की स्मृति में हुआ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

कोडरमा (एजेंसी) । जिले के पत्रकार, जेजेए के जिला अध्यक्ष और सेवा भारती के जिला सचिव आलोक कुमार सिन्हा के असामयिक निधन पर रविवार को जायका बैंक्वेट हॉल झुमरीतिलैया में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनसे जुड़ी यादों को सबके सामने रखा और कहा कि उनका निधन समाज के लिए बड़ी क्षति है। वे कई संगठनों से भी जुड़े हुए थे। पूरे कार्यक्रम का संचालन जेजेए के जिला सचिव अनिल सिंह ने किया। दिवंगत आलोक सिन्हा की यादों को संजोने और आत्मा की शांति की प्रार्थना के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह, आरएसएस के बीरेंद्र प्रताप सिंह, बीएसपीएस के मीडिया प्रभारी संजीव समीर, जेजेए के प्रदेश सचिव जावेद इस्लाम, शिक्षाविद डॉ बीएनपी वर्णवाल, वरीय पत्रकार कुमार रमेशम, पूर्व एलडीएम संतोष सिन्हा, कांग्रेस नेता मनोज सहाय पिंकू, डीएवी के जयदेव आचार्या, डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश सहित काफी संख्या में समाज के विभिन्न तबके के लोग, पत्रकार और उनके मित्र मौजूद थे।

इस दौरान उनके चित्र पर श्रद्धांजलि की गयी । साथ ही दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की गयी। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आलोक सिन्हा के परिजनों के लिए हर सम्भव सहायता का भी आश्वासन दिया।

12 May Page 4_Page 3.qxd 5/11/2025 10:06 PM Page 1

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर नगर पंचायत में सड़क व नाला निर्माण के लिए विधायक ने मंत्री को लिखा पत्र

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया):फतेहपुर नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आधा दर्जन नई सड़क व नाला निर्माण के लिए बोधगया विधायक व पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री व गया जिला प्रभारी मंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने योजनाओं की स्वीकृति के लिए संबंधितों को निर्देश देने का भी उनसे आग्रह किया है।मंत्री को लिखे पत्र में विधायक कुमार सर्वजीत ने कहा है कि फतेहपुर नगर पंचायत क्षेत्र के कई वार्डों में ऐसी सड़कें है जो अभी तक कच्ची है, जिसके कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई होती है। वहीं कई स्थानों पर नाला का निर्माण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। उनके द्वारा दी गई सूची में फतेहपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या 8 शितलपुर में सरफराज मियां के घर से जहांगीर अंसारी के घर तक व डॉ सुरेन्द्र प्रसाद के घर से रविदास टोला तक पीसीसी पथ का निर्माण, वार्ड संख्या 4 रामरायचक में एसएच- 70 मुख्य सड़क से पासवान टोला होते हुए बंटी सिंह के घर तक पीसीसी पथ का निर्माण कराने की मांग की गई है।

इसी तरह सूची में वार्ड संख्या 11 ईटवां में कारू चौधरी के घर से इमामबाड़ा होते हुए आदिल खान के घर तक पीसीसी पथ व नाला का निर्माण, वार्ड संख्या 9 घोडिया टांड रविदास टोला में अन्दर बाजार से डैम रोड तक पीसीसी पथ का निर्माण, वार्ड संख्या 3, 4 व 05 में बन्नू सिंह के मकान से पुलिया होते हुए गया-रजौली एसएच-70 मुख्य सड़क तक पीसीसी पथ व नाली निर्माण, वार्ड संख्या 3 व 7 में बन्नू सिंह के मकान से हाई स्कुल के पिछला गेट होते हुए देवी स्थान मुख्य सड़क तक पीसीसी पथ व नाली का निर्माण की मांग शामिल है। विधायक ने उपरोक्त सभी योजनाओं की स्वीकृति के लिए संबंधितों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह मंत्री से किया है। साथ ही कहा है कि इन सड़कों और नालों का निर्माण हो जाने से लोगों को आवागमन में जहां सहूलियत हो जाएगी, वहीं उन्हें परेशानियों से मुक्ति मिल जाएगी।

पहाड़पुर समपार फाटक पर आरपीएफ ने चलाया जनजागरण अभियान

आरपीएफ ने आमजनों को समपार फाटक पार करने को लेकर किया जागरूक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया) :गया-कोडरमा रेलखंड के पहाड़पुर रेलवे स्टेशन स्थित समपार गेट संख्या 39 एसपीएल/टी पर आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार के दिशा-निर्देश में आरपीएफ की टीम ने जन जागरण अभियान चलाया। इस अभियान के माध्यम से आरपीएफ आउट पोस्ट गुरपा के सउनि धर्मेंद्र कुमार दुबे ने आम जनों को लेवल क्रॉसिंग गेट बंद रहने पर पार ना करने के बारे में संदेश देते हुए उन्हें इसके प्रति जागरूक किया गया। साथ ही रेलवे कर्मचारियों के द्वारा किए जाने वाले कार्य के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही पहाड़पुर स्टेशन परिसर व प्लेटफॉर्म पर भी यात्रियों के बीच विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं जेई सिग्नल पहाड़पुर मनीष कुमार के द्वारा कार्यरत गेटमैन की काउंसलिंग किया गया। साथ ही पहाड़पुर स्टेशन के दक्षिण भाग में स्थित टेंपो स्टैंड में टेंपो चालकों के बीच भी जागरूकता अभियान चलाया गया। उन्हें समपार गेट पार करते समय सावधानी बरतने तथा कानूनी प्रक्रिया के तहत मिलने वाले दंड के बाबत बताया गया।

बाल मजदूरी कराने को लेकर जा रहे 12 नाबालिग बच्चियों को किया गया रेस्क्यू, मानव तस्कर गिरफ्तार

डीडीयू रेल मंडल के आरपीएफ डेहरी आनसोन की टीम ने की बड़ी कार्रवाई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया :गया-डीडीयू रेल सेक्शन के डेहरी आनसोन आरपीएफ पोस्ट द्वारा चलाये जा रहे अभियान के दौरान बाल मजदूरी के लिए लेकर जा रहे 12 नाबालिग बच्चियों को रेस्क्यू किया गया. साथ ही बाल तस्करी में शामिल एक मानव तस्कर को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया.

रेल सूत्रों ने बताया कि डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त जेथिन बी राज के निर्देश पर डेहरी ऑनसोन आरपीएफ पोस्ट इंस्पेक्टर रामविलास राम के नेतृत्व में उप निरीक्षक मनोज कुमार, सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार दास, प्रधान आरक्षी बृज भूषण मिश्रा,आरक्षी अभिमन्यु सिंह, महिला आरक्षी प्रिती कुमारी व गया सीआईबी के सहायक उप निरीक्षक अनिल कुमार चौधरी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए प्लेटफार्म से 12 नाबालिग बच्चियों को रेस्क्यू किया गया। वही निरंजन कुमार पिता बिजेंद्र पासवान ग्राम मेटुथा थाना मसौढी जिला पटना(बिहार) गिरफ्तार किया गया। सभी 12 नाबालिग बच्चियों को धागा फैक्ट्री में काम कराने के लिए चेन्नई ले जाने के क्रम में डेहरी आनसोन रेलवे स्टेशन पर यह कार्रवाई की गई। पूछताछ में सभी नाबालिग बच्चियों ने बताया कि 10 से 12 घंटे काम करवाकर प्रतिदिन 375 रुपये मजदूरी दिया जाएगा। मामला बाल तस्करी का पाकर मौके पर ही वीडियोग्राफी करते हुए सीडब्ल्यूसी के चेयर पर्सन संतोष उपाध्याय एवं चाइल्ड हेल्पलाइन सासाराम रोहतास को इस संबंध में सूचित किया गया। निरंजन कुमार को विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए रेलवे सुरक्षा बल कब्जा लिया गया। सभी नाबालिक बच्चियों को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन पर लाया गया। मामला बाल तस्करी,मजदूरी का पाकर सभी नाबालिग बच्चियों तथा मानव तस्कर निरंजन कुमार को अग्रिम कानूनी कार्यवाही के लिए कागजात सहित राजकीय रेल थाना-डेहरी-ऑन-सोन को सुपुर्द किया गया। जहां राजकीय रेल थाना डेहरी ऑन सोन में संबंधित धारा में कांड पूंजीकृत कर तस्कर निरंजन कुमार को न्यायालय रेलवे गया को अग्रसारित करते हुए रेस्क्यू की गई। सभी नाबालिग बच्चियों को उनके परिजनों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन सासाराम रोहतास को सही सलामत सुपुर्द किया गया।

गुणवत्तापूर्ण चावल ही लिया जाएगा जमा, अन्यथा कार्रवाई

चावल की गुणवत्ता को लेकर जिले के राइस मिलो की हुई औचक जांच में दिया गया निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : जिले में सरकारी स्तर पर किसानों से खरीद किये गए धान से तैयार होने वाले सीएमआर चावल की गुणवत्ता को लेकर राइस मिलो की औचक जांच की गई। डीएम डॉ त्यागराजन एसएम के निर्देश पर एसएफसी के जिला प्रबंधक राजीव कुमार सिंह ने राइस मिलों में धान की कुटाई कार्य का औचक निरीक्षण किया। साथ एसएफसी के गोदामों में जमा कराने के लिए मिल परिसर में रखे सीएमआर चावल की खेप की जांच करते हुए चावल की गुणवत्ता को भी परखा गया। इस दौरान एसएफसी व सहकारिता विभाग के माध्यम से चयनित राइस मिलरों को सख्त निर्देश दिया गया कि हर हाल में गुणवत्तापूर्ण चावल ही एसएफसी गोदामों में जमा कराना है। गुणवत्तापूर्ण चावल नहीं रहने पर कार्रवाई की जाएगी। गुरारू के मेसर्स जय मां तारा राइस मिल की जांच के दौरान एसएफसी के जिला प्रबन्धक ने मिल संचालक को निर्देश देते हुए गुणवत्तापूर्ण चावल को तैयार कर उसे जमा कराने को कहा वजीरगंज,फतेहपुर,टनकुप्पा, बाराचट्टी, कोंच,बेलागंज आदि क्षेत्रों में संचालित राइस मिलो की जांच की गई.

फौजियों के गांव के रूप में प्रसिद्ध है कोयली खुटाहा

भागलपुर, (एजेंसी) :जिले के जगदीशपुर प्रखंड स्थित कोयली खुटाहा गाँव फौजियों के गाँव के रूप में जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि शुरूआती दौर मे छबिलाल यादव ने जबरन इस गांव के 100 युवकों को फौज में भर्ती करवाया था।इससे उनके परिवार के लोगों की जिन्दगी संवर गई। आज इस गाँव के 1500 से अधिक युवा फौजी बनकर देश की सेवा कर रहे हैं। आज छबि लाल यादव 90 साल के हो गए है। पर आज भी उनमें देश के लिए मर मिटने की जज्बा वही है।उनका कहना है की उनके पहल के बाद ही इस गांव के लोग फौज मे जाना शुरू किये और आज खुटाहा गांव फौजीयों का गांव कहलाता है। उन्हें गर्व है कि उन्होंने अपनी जवानी देश के सेवा में लगाया। पाकिस्तान के द्वारा किये गए पहलगाम हमले की निंदा करते हुए उन्होंने कहा की भारत सरकार पाकिस्तान को इसका जवाब दे और आतंकवाद जड़ से खत्म करे।

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय भागवत कथा हुआ शुरू

पूर्वी चंपारण, (एजेंसी) : जिले के सुगौली प्रखंड के भरगावा पंचायत अंतर्गत धर्मपुर महादेव स्थान मठ पर रविवार से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन शुरू हुआ।कथा के लिए कलश यात्रा निकाली गई जिसमें श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ शामिल हुए। कलश यात्रा में चिलचिलाती धूप में भी बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल हुए।

भागवत कथा को लेकर रविवार सुबह कलश यात्रा निकाली गई।गाजे-बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु देवी-देवताओं का जयकारे लगा रहे थे।जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। धर्मपुर महादेव स्थान मठ भागवत कथा स्थल से निकली कलश यात्रा में कुंवारी कन्याएं व महिलाएं माथे पर कलश लेकर निकलीं कलश यात्रा ने आसपास क्षेत्र का भ्रमण किया। इसके बाद भवानीपुर सिकरहना नदी से विधि-विधान से कलश में जल भरा गया।

नदी से जल लेकर कलश यात्रा वापस महादेव स्थान मठ पर आकर समाप्त हुई।आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश झा ने बताया कि सात दिनों तक अयोध्या धाम से आए कथावाचक आचार्य लाडले श्री हर्षवर्धन जी महाराज भागवत कथा का वाचन करेगे।उन्होंने बताया कि हर दिन शाम 7 बजे से रात के 10 बजे तक भागवत कथा का आयोजन होगा। 18 मई को हवन एवं महाभंडारा का आयोजन किया जायेगा।

जल यात्रा के दौरान आयोजन समिति के कृष्णा कुमार यादव,ओमप्रकाश मिश्र,सुरेश झा,भोला साह,ओमप्रकाश साह,अतिबल साह,प्रमोद साह,दिवाकर ठाकुर,नवनीत कुमार,अनूठा शर्मा,संजय ठाकुर,ललन साह,पप्पू मिश्रा,अशोक ठाकुर,राजू ठाकुर आदि लोग शामिल थे।

मुख्यमंत्री समग्र योजना से शहर के 15 सड़क व नाला का होगा निर्माण

शहर में 15 सड़क व नालानिर्माण के लिए एमएलसी ने डीएम को लिखा पत्र

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गयाः मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत गया शहर में 15 सड़क को पीसीसी निर्माण और पक्का नाला निर्माण के लिए योजनाओ में शामिल कराने के लिए बिहार विधान परिषद के सदस्य आफाक अहमद खान ने डीएम डॉ त्यागराजन एसएम को पत्र लिखा है। लिखे पत्र में गया शहर के वार्ड 24-23 मारूफगंज मोड़ से छत्ता मस्जिद तक पीसीसी पथ व ढक्कन सहित नाला निर्माण

वार्ड 27 अलीगंज, शताब्दी स्कूल के गेट से मेन रोड तक पीसीसी पथ निर्माण की अनुशंसा की है।

वार्ड 30 मुस्तफाबाद, इमामबाड़ा से एचपी गैस एजेन्सी तक पीसीसी०पथ एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण,वार्ड 07 अठगली से मेन रोड नेजाम खाँ के घर होते इबरार खाँ के घर तक पीसीसी पथ एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण, वार्ड 07 डिविजन कब्रिस्तान का सौन्दर्याकरण,

वार्ड 23 बारी रोड से मौलाना इलियास शाह के घर तक पीसीसी पथ एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण और स्वराज्यपुरी रोड से मुन्ना सिंह के घर तक पीसीसी पथ एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण, वार्ड 37 न्यू एरिया मोड़ से बेलदारी टोला भुषण सहाय के घर तक पीसीसी सड़क व ढक्कन सहित नाला निर्माण और 4 जगह कलभर्ट का निर्माण करने को लिखा। मारूफगंज छोटकी मस्जिद अर्जुन प्रजापति के घर से चाँदबनिया के दुकान तक पीसीसी पथ एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण, बनियापोखर में सलकिया मस्जिद से शमीम दर्जी के घर होते हुए हारूणबनिया के घर तक तक पीसीसी पथ एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण,बारी रोड से कासमी मध्य विद्यालय के सामने होते हुए अजमल खाँ के घर तक नाला निर्माण,अमरदास के घर से खानकाह तक नाला निर्माण,ब्राहमणी घाट से लेकर शाही मस्जिद तक पीसीसी पथ एवं नाला तथा गया शहर के वार्ड 32 गोपाल पेट्रोल पम्प से स्कूल तक पीसीसी पथ एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण के लिए पत्र लिखा गया है।

पृष्ठ एक का शेष...

पाकिस्तान से तनाव के बीच पीएम मोदी की उच्चस्तरीय ....

कार्रवाई की है। श्रीनगर, गुजरात और राजस्थान के बाड़मेर क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियों के बाद सतर्कता और कड़ी कर दी गई है। कई सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लैकआउट की स्थिति भी उत्पन्न हुई।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शनिवार रात प्रेस वार्ता में बताया कि भारत ने पाकिस्तान से इन उल्लंघनों को रोकने की अपील की है और सख्त लहजे में कहा है कि सशस्त्र बलों को पूरी छूट दी गई है कि वे किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या हमले का कड़ा जवाब दें।

इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी संघर्ष विराम को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है और कहा है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय स्थिरता, शांति और समृद्धि के पक्ष में है। हालांकि, भारत ने साफ किया है कि आतंकवाद और सीमा उल्लंघन के खिलाफ उसकी नीति स्पष्ट और अडिग है।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए की थी। इसके साथ ही भारत सरकार की ओर से भी कहा गया कि भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बना ली है। इसी बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया था कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखेगा। अब यदि ऐसी स्थिति में भारत पर कोई भी किसी तरह का हमला होता है तो वह सहन करने लायक नहीं होगा और इसे युद्ध ही समझा जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्य हासिल, सहमति तोड़ने पर पाकी सेना को....

और उनके आकाओं से है।

सेनाओं की ओर से आज पहली बार यह जानकारी दी गयी कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से भी अधिक आतंकवादी मारे गये। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई के बाद हुए संघर्ष में पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक ढेर किये गये हैं और यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है लेकिन इसका अभी आकलन किया जा रहा है। सेना ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के बाद भारतीय सेनाओं की कार्रवाई के दौरान पांच भारतीय सैनिक मारे गये हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के कई विमान गिराये हैं लेकिन उन्होंने इसकी संख्या नहीं बतायी। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत के सभी पायटल सुरक्षित हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाएं अभी भी सचेत मुद्रा में है और उसे हर दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा।

एक सवाल के जवाब में सेनाओं ने कहा कि सीमा पार करीब 21 आतंकवादी ठिकाने हैं और जरूरत पड़ने पर इनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने...

जैसे नापाक स्थानों ने वर्षों से अजमल कसाब और डेविड हेडली जैसे कुख्यात लोगों को जन्म दिया है.₹

100 आतंकियों को मारा, पाक के हमले से हमे कोई नुकसान नहीं: सेना

उन्होंने यह भी बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में आतंकियों के 9 ठिकानों को तबाह किया गया. 100 आतंकियों को मारा गया. अधिकारियों ने बताया कि स्ट्राइक के डर से आतंकियों ने कई कैंप पहले ही खाली कर दिए थे. पाकिस्तान के हमले में हमें कोई नकुसान नहीं हुआ.

पाक आर्मी या उसके किसी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना नहीं बनायाः सेना

पीसी में सेना के अधिकारियों ने आगे बताया कि मुरीदके के टेररिस्ट कैंप के बाद बहावलपुर ट्रेनिंग कैंप में कई इन्फ्रास्ट्रक्चर को चुना, जहां आतंकवाद को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता था. इन 2 टेररिस्ट कैंप को हमने टारगेट बनाया और इन्हें तबाह किया. अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तानी मिलिट्री और किसी और इन्फ्रास्ट्रक्चर को टारगेट नहीं किया.

ऑपरेशन सिंदूर भारत की राजनीतिक, सामाजिक....

रक्षा मंत्री ने कहा,ह्लऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है।ह्व उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को इस बात का प्रमाण बताया कि जब भी भारत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करता है, तो सीमा पार की जमीन भी आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सुरक्षित नहीं होती है।

उन्होंने कहा,ह्लउरी घटना के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक और अब पहलगाम हमले के बाद कई स्ट्राइक के जरिए दुनिया ने देखा है कि अगर भारत की धरती पर आतंकी हमला होता है तो वह क्या कर सकता है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत सीमा के दोनों ओर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करेगा।ह्व

श्री सिंह ने कहा कि यह ऑपरेशन पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए शुरू किया गया था और इसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना नहीं बनाया गया, लेकिन पाकिस्तान ने भारत में नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया और मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने कहा,ह्लहमारे सशस्त्र बलों ने वीरता और संयम का परिचय दिया और पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर हमला करके मुंहतोड़ जवाब दिया। हमने न केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई की, बल्कि हमारे सशस्त्र बलों का आक्रोश रावलपिंडी तक पहुंच गया, जहां पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय स्थित है।ह्व

ब्रह्मोस एकीकरण और परीक्षण सुविधा केंद्र पर रक्षा मंत्री ने कहा कि यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों को मजबूत करेगा और महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करके क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देगा। उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर उद्घाटन को एक ऐतिहासिक क्षण बताया, जो भारत की बढ़ती नवीन ऊर्जा को दर्शाता है और महत्वपूर्ण, उच्च अंत और अग्रणी प्रौद्योगिकियों में तेजी से वैश्विक परिवर्तन के साथ संरेखित करता है।

श्री सिंह ने ब्रह्मोस को न केवल दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक बताया, बल्कि यह भारतीय सशस्त्र बलों की ताकत, विरोधियों के लिए निरोध का संदेश और अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए देश की अटूट प्रतिबद्धता का संदेश है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस भारत और रूस की शीर्ष रक्षा प्रौद्योगिकियों का संगम है।

भारत के मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को उद्धृत करते हुए जिन्होंने कहा था कि ह्यजब तक भारत दुनिया के सामने खड़ा नहीं होगा, कोई भी हमारा सम्मान नहीं करेगा। इस दुनिया में डर का कोई स्थान नहीं है, केवल ताकत ही ताकत का सम्मान करती है।ह्व, रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत आज सबसे शक्तिशाली देशों में से एक है और केंद्र भारत की शक्ति को और मजबूत करने में मदद करेगा।

इस सुविधा को उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के लिए गौरव की बात बताते हुए, श्री सिंह ने कहा कि इसने पहले ही लगभग 500 प्रत्यक्ष और 1,000 अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन किया है, जो रक्षा निर्माण केंद्र के रूप में राज्य की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का कॉरिडोर स्थापित करने का विजन राज्य को दुनिया के शीर्ष रक्षा उत्पादन और निर्यात गंतव्य के रूप में विकसित करने के लक्ष्य पर आधारित है।

रक्षा मंत्री ने कहा,ह्लयूपीडीआईसी में अब तक 34,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के साथ कुल 180 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश पहले ही किया जा चुका है। विमान निर्माण, यूएवी, ड्रोन, गोला-बारूद, समग्र और महत्वपूर्ण सामग्री, छोटे हथियार, कपड़ा और पैराशूट आदि में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। खास बात यह है कि इसमें सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की भागीदारी देखी जा रही है। लखनऊ में ही पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा टाइटेनियम और सुपर एलॉय मैटेरियल प्लांट शुरू किए जा रहे हैं। इसके अलावा, सात अतिरिक्त महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नींव रखी जा रही है। इससे रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की गति तेज होगी।ह्व

रक्षा मंत्री ने सरकार के 'मेक-इन-इंडिया, मेक-फॉर-द-वर्ल्ड' के दृष्टिकोण को दोहराया, इस बात पर जोर देते हुए कि आत्मनिर्भरता का मतलब न केवल भारत की अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करना है, बल्कि इसका मतलब देश को वैश्विक बाजार में रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनाना भी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए, जिसमें कहा गया है कि 2024 में वैश्विक सैन्य व्यय बढ़कर 2,718 अरब डॉलर हो गया है, उन्होंने कहा कि इतना बड़ा बाजार एक अवसर है जिसका भारत को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस सुविधा का शुभारंभ भारत को दुनिया की रक्षा क्षमता में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

आतंकवाद कुत्ते की पूंछ, जिस भाषा में समझेंगे.....

कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है। आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी और याद रखना आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं, तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए आवश्यक है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं उस लक्ष्य को प्राप्त करे। इजराइल इसका उदाहरण है, जिसने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। उसने अपने अगल-बगल के दुश्मन देशों को नाकों चने चबाने के लिए मजबूर किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के सामने जो लक्ष्य रखा, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल उसी अभियान का हिस्सा है। वीडीएल झांसी में आ रहा है। उसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है। विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ा है वह उसे प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने केन्द्रीय बजट में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की थी, लेकिन यह कहां बनेगी इसकी घोषणा प्रधानमंत्री ने इसी लखनऊ में की थी। उत्तर प्रदेश में इसके लिए 6 नोड तय किए गए। इनमें राजधानी लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए चुना गया। वर्ष 2019 में केन्द्र में जब पुनः भाजपा सरकार बनी तब रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह ने 2020 में पहली बार लखनऊ में डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया। तब उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की प्रोडक्शन यूनिट लगाने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर डिफेंस कॉरिडोर के 6 नोडों पर हमारा कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे पहले हमने कानपुर में रक्षा सेनाओं के लिए गोला बारुद के उत्पादन केन्द्र का शुभारंभ किया था। अब उसके विस्तार के लिए भी भूमि की मांग हो रही है। लखनऊ में भी ब्रह्मोस को जैसे ही 200 एकड़ भूमि दी गई तो पीटीसी भी यहां पर आया है। पीटीसी ने न केवल ब्रह्मोस के लिए बल्कि एयरोस्पेस से जुड़े अनेक कार्यों के लिए एक एंकर यूनिट के रूप में उत्पादन कार्य प्रारंभ किया है। यहां ब्रह्मोस से जुड़ी हुई लगभग 7 एंकर यूनिट लग रही हैं। उन्होंने कहा कि 2013-14 में भारत का जो रक्षा उत्पादन था आज हम उससे कई सौ गुना ज्यादा उत्पादन और निर्यात कर रहे हैं। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ दुनिया के तमाम मित्र देशों को रक्षा सामग्री निर्यात करके उनकी सुरक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति का भी काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो हमारा लक्ष्य था कि 6 डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में हमें 50 हजार करोड रुपये का निवेश करना है। इससे यहां एक लाख युवाओं को रोजगार भी देना है। अब तक हमारे साथ डिफेंस एक्सपो के साथ ही देश और दुनिया के अलग-अलग भागों से 57 एमओयू हो चुके हैं, जिनके माध्यम से करीब 30 हजार करोड़ के निवेश सिर्फ डिफेंस सेक्टर से ही होने जा रहे हैं। ब्रह्मोस, पीटीसी, डीआरडीओ, एल एंड टी और सभी इकाइयों को धन्यवाद दूंगा, जो स्थानीय स्तर के नौजवानों को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले जिस राज्य में नौकरी नहीं होती थी, पलायन होता था, आज वहां पर निवेश भी हो रहा है आज वहां पर एमएसएमई यूनिट एक एंकर यूनिट के रूप में बेस तैयार कर रहा है।

योगी ने कहा कि पहले कंपनियों को यहां आने में समस्या होती थी, क्योंकि पॉलिसी नहीं थी, सुरक्षा का अभाव था। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं तो पूंजी कहां सुरक्षित रहने वाली है। आज व्यक्ति भी सुरक्षित है, पूंजी भी सुरक्षित है और देश की सुरक्षा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी हम मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज एक रिच इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे पास है। डीआरडीओ का केन्द्र, ब्रह्मोस मिसाइल के साथ-साथ एंकर यूनिट के रूप में पीटीसी की उपस्थिति और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादन के लिए किए जाने वाले निवेश इस बात की गवाह है कि उत्तर प्रदेश इस दिशा में भारत की आवश्यकताओं की आपूर्ति करने के लिए पूरी मजबूती के साथ एक ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की रक्षा उत्पादन की आत्मनिर्भरता में अपना योगदान देने में पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। यहां पर अभी डीआरडीओ को या फिर ब्रह्मोस जैसे रक्षा उत्पादन से जुड़े अन्य कार्यक्रमों के लिए जितनी भी भूमि की आवश्यकता पड़ेगी, उत्तर प्रदेश सरकार पहले की तरह इसमें भरपूर मदद करेगी।

Page 05_Page 3.qxd 2025-05-11 21:23 Page 1

संक्षिप्त खबर

महिला स्वास्थ्य सुरक्षा को ले रोटरी ने सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर लगाया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी की ओर से रविवार को महिला स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेक्टर-5 स्थित चिन्मय विद्यालय में सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस जनकल्याणकारी शिविर का संचालन वरिष्ठ चिकित्सक रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी तथा उनकी अनुभवी एवं समर्पित चिकित्सा टीम के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता और उनके साथ क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारीगण–पूर्व जिला गवर्नर रोटेरियन महेश केजरीवाल, पूर्व अध्यक्षगणः रोटेरियन अशोक जैन, रोटेरियन प्रदीप नारायण, रोटेरियन प्रदीप राय, रोटेरियन मनु श्रीवास्तव, रोटेरियन घनश्याम दास तथा रोटेरियन अशोक केडिया एवं रोटेरियन नरेश लोधा सहित अन्य कई रोटरी सदस्य उपस्थित थे। शिविर में कुल 64 छात्राओं का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया। इस आयोजन के पूर्व भी शनिवार को एम.जी.एम. सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रोटरी क्लब द्वारा एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया था, जिसमें डॉ. मुंशी ने कक्षा 6 से 10 की छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के जोखिम, इसके बचाव हेतु अपनाए जाने वाले उपायों तथा टीकाकरण के महत्त्व पर विस्तृत एवं बोधगम्य जानकारी प्रदान की। छात्राओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा अपने जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी के सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का सशक्त उदाहरण बना। क्लब इस श्रृंखला में आगामी दो हफ्तों में भी इसी प्रकार के टीकाकरण अभियानों के आयोजन हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है और क्लब 500 से अधिक बच्चियों के टीकाकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

विन्दापाथर : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के आदेशानुसार 11 मई को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम अभियान के तहत सिमलाडांगाल पंचायत के ताराबाद, भुरंडीहा ,फतेहपुर पंचायत के टुवरगाढा, नीमडंगाल आदि गांवों में पी एल भी साधन मंडल और मुकेश कुमार मंडल ने विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को निशुल्क विधिक सहायता प्रदान किया एवं डालसा के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दिया । ग्रामीणों को निःशुल्क टोल फ्री नंबर -15100 के बारे में तथा विधिक सहायता संबंधित जानकारी दिया गया। राज्य में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजना के बारे में भी जानकारी दिया गया और ग्रामीणों की नशा मुक्ति के बारे में भी बताया गया । हिट एंड रन के बारे में बताया गया, रोड एक्सीडेंट के बारे में भी जानकारी दिया गया । नशा मुक्ति पर लोगों को जागरूक किया गया।

मिहिजाम के चालक की कार दुर्घटनाग्रस्त, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम : बकानगोई विस्वकर्मा मंदिर रोड के रहने वाले भोला पासवा शनिबार रात्रि उस समय एक गंभीर सड़क हादसे का शिकार हो गए जब वह कार चला रहे थे। यह दुर्घटना कुर्मी पाड़ा स्थित 419 हाईवे के पास पानी टंकी के निकट हुई, जहां तेज रफ्तार में चल रही कार अनियंत्रित होकर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भोला पासवान अत्यधिक तेज गति से कार चला रहा था। जो पानी टंकी के पास मिटी के ढेर पर गाड़ी चड़ जाने के कारण यह घटना हुई। ये वहां रह रहे लोगो का कहना है। पहुंचते ही उनका नियंत्रण सड़क पर से हट गया और कार एक तरफ जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर आसपास के लोग जमा हो गए और उन्होंने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके साथ ही गंभीर रूप से घायल भोला पासवान को नजदीकी केजी अस्पताल, चित्तरंजन में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि चालक शराब के नशे में था। पुलिस ने बताया कि मेडिकल परीक्षण में शराब पीने की पुष्टि हुई है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।यह घटना एक बार फिर यह दशार्ती है कि नशे में वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि यह जानलेवा साबित हो सकता है। पुलिस विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय पूर्ण सतर्कता बरतें और शराब सेवन कर वाहन न चलाएं।

बाबूलाल मरांडी ने विभिन्न मुद्दों पर की हेमंत सरकार की आलोचना

रांची, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। सोशल माडिया एक्स के माध्यम से उन्होंने कहा निर्लज्जता की भी एक हद होती है, पर हेमंत सोरेन सरकार ने तो उसे भी पार कर दिया है। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां बीते दस दिनों से डीजीपी का पद खाली है और जो ह्यडीजीपी जैसे काम कर भी रहा है, वो बिना वेतन के सेवा दे रहा है। वाह मुख्यमंत्री जी, ये तो नया भारत निर्माण है बिना वेतन, बिना संवैधानिक वैधता, सिर्फ भ्रष्टाचार के दम पर प्रशासन।

उन्होंने कहा अब क्यों न एक नई नीति ही बना दी जाए? धनबाद, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो जैसे कोयला वाले ह्लकमाऊह्व इलाके समेत और बाकी के खनिज इलाकों में भी ह्यबिना वेतन, केवल कमीशन आधारित सेवा के लिए रिटायर्ड और अनुभवी लोगों से आवेदन मंगवाइए। जो काम डीजीपी साहब कर रहे हैं, वही मॉडल लागू कीजिए, जहां वेतन की जगह ह्यवसूलीह्ल हो और संविधान की जगह ह्यकिचन कैबिनेट के आदेश मान्य हों।

दरअसल, ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार ने न केवल संविधान के अनुच्छेद 312 को नकारा है, जो यूपीएससी को अधिकार देता है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह केस के निर्देशों को भी रद्दी की टोकरी में डाल दिया है। हेमंत सोरेन जी अब शायद खुद को सर्वोच्च न्यायालय से भी ऊपर मान बैठे हैं और प्रशासन को नीचे, बहुत नीचे गिरा दिया है।₹ आज झारखंड वहां पहुंच चुका है जहां जेपीएससी की हर कुर्सी बोली पर बिक रही है और यूपीएससी से चयनित अधिकारियों को भी ह्यरेट लिस्ट से होकर गुजरना पड़ता है। हेमंत जी, आपने तो एक क्रांतिकारी प्रयोग कर डाला ह्ययोग्यता नहीं, सुविधा शुल्क आधारित प्रशासन₹

जो परंपरा आपने शुरू की है, वो न सिर्फ सरकारी व्यवस्था की विश्वसनीयता का अंतिम संस्कार कर रही है, बल्कि आने वाले वर्षों में झारखंड के प्रशासनिक ढांचे के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। वहीं दूसरी ओर बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत ने पलटवार करते हुए महज कुछ ही घंटों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस और कई आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाकर ध्वस्त किया। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को पूरी दुनिया सलाम कर रही है। भारत, आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने के अपने संकल्प पर अडिग है।

पेड़ से लटका मिला चालक का शव, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी)। पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित पोटका थाना क्षेत्र के सरमोंदा गांव के बाहर जुड़ी डूंगरी के समीप डंफर चालक माधव सरदार (51) का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। घटना रविवार सूबह की बताई जा रही है। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है और मामले की गहन जांच की मांग की है। परिजनों और ग्रामीणों ने बताया कि माधव सरदार एक सरल स्वभाव के इंसान थे, जो दशकों से वाहन चालक का काम करते हुए अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। रविवार की सुबह भी वह अपने काम के लिए निकले थे, लेकिन कुछ दूरी पर ही उनका शव पेड़ से गमछे के सहारे लटका पाया गया। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पोटका थाना प्रभारी मनोज मुर्मू पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए और मामले की जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि शव को इस तरह पेड़ से लटकाए जाने से यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि यह हत्या है और शव को छुपाने के लिए ऐसा किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले के हर पहलू की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की सच्चाई सामने आएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कई मामलों का हुआ निष्पादन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : नालसा के निदेर्शानुसार, झालसा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार जामताड़ा के तत्वधान में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत पर 10128 मामले निष्पादित कर 8 करोड़ 12 लाख 44 हजार 878 रुपए का सेटलमेंट किया गया।वही कार्यक्रम का शुभारंभ वर्चुअल माध्यम से न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद के द्वारा किया गया। इस मौके पर सभी न्यायिक पदाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से न्यायमूर्ति के मार्गदर्शन प्राप्त किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राधा कृष्ण ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन से लोगों को काफी राहत मिलती है। जहां पर सुलाह और समझौता के आधार पर मामले का निष्पादन किया जाता है। पूरे देश में करोड़ों मामले का निष्पादन राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें कोई पक्षकार हारता नहीं है, जीत दोनों की होती है और समाज में शांति और भाईचारा बना रहता है। पक्षकारों के समय और पैसे की भी बचत होती है। बताया कि लोक अदालत में मामले का निष्पादन कराने से कमजोर लोगों को राहत मिलती है।

अदालत में पक्षकारों के बीच मध्यस्थता करके अनेकों मामले निष्पादित किए जा रहे हैं । इस मौके पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश राजेश कुमार, जिले के उपायुक्त कुमुद सहाय, पुलिस कप्तान एहतेशाम वकारीब, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मोहनलाल बर्मन, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम संतोष कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अजय कुमार, सीजेएम, एसीजेएम मोहम्मद नईम अंसारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव पवन कुमार,न्यायिक दंडाधिकारी सलीका अन्ना हैरेंज, एसडीजेएम अमित अल्डा, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव अरविंद सरकार, अधिवक्ता दिलीप सिन्हा, अशोक तिवारी, अनिल कुमार महतो, कोर्ट मेनेजर सुभेंदु मोहंती, अरिजीत बॉस, अशोक तिवारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सहायक सुभाष दत्त, उपेंद्र कुमार, राजेश दत्त, अमित कुमार, श्याम सुंदर, जगत मोहन सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सेना के जवानों के लिए विशेष हवन

देवघर,(एजेंसी)। देवघर के विश्वप्रसिद्ध बैद्यनाथ धाम मंदिर में तीर्थ पुरोहित चंद्रशेखर खवाड़े के नेतृत्व में रविवार को भारतीय सेना के लिए हवन का आयोजन किया गया। हवन के दौरान वीर सपूतों की शहादत को नमन करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। साथ ही सीमा पर तैनात जवानों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना की गई। पंडा धर्म रक्षिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य एवं उपाध्यक्ष चंद्रशेखर खवाड़े ने कहा कि बाबा धाम के सभी पुरोहित प्रतिदिन विश्व कल्याण और समाज में रह रहे लोगों की प्रगति की कामना करते हैं, लेकिन जिस तरह से बॉर्डर पर तनाव देखने को मिल रहा है और हमारी सेना लगातार दुश्मनों को जवाब दे रही है, ऐसे में उन वीर जवानों की सुरक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य की कामना भगवान भोलेनाथ से करना आवश्यक है। इसके लिए पंडा धर्म रक्षिणी सभा और पुरोहितों के के जरिये बैद्यनाथ मंदिर में विशेष हवन का आयोजन किया गया। इसमें बाबा बैद्यनाथ के मनोकामना लिंग पर जलार्पण किया गया। साथ ही माता पार्वती मंदिर में भी सेना की सुरक्षा के लिए विशेष प्रार्थना भी की गई।

उल्लेखनीय है कि देवघर के बाबा धाम के बारे में यह मान्यता है कि यहां पर जो भी भक्त दिल से प्रार्थना करते हैं, उनकी मनोकामना जरूर पूर्ण होती है।

समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट ने चलाया पक्षी बचाओ अभियान

रांची, (एजेंसी)। समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए मोराबादी कुसुम विहार रोड नम्बर चार में पक्षियों की सुरक्षा के लिए 'पक्षी बचाओ अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को हुए कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चे और उनके अभिभावकों से भीषण गर्मी में पक्षियों सहित अन्य बेजुबान प्राणियों को दाना-पानी देने की अपील की गई। मौके पर बच्चों एवं उनके अभिभावकों के बीच पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए सिकोरे बांटे गए। साथ ही साथ यह संकल्प दिलाया गया कि सभी अपने अपने घरों में सिकोरे रख कर पक्षियों को दाना-पानी देकर उनकी रक्षा करने में अपना योगदान देंगे। इस अवसर पर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, लायंस क्लब ऑफ समर्पण कि अध्यक्ष सीमा सिंह सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

सालाना उर्स में कव्वाली के शानदार मुकाबले में पूरी रात झूमे श्रोता

पलामू, (एजेंसी)। पलामू जिले हुसैनाबाद के दाता पीर बख्श का सालाना उर्स शनिवार की रात संपन्न हो गया। दाता पीर बख्श रह. के मजार पर दोनों समुदाय के लोगों ने अपने साथ देश राज्य और क्षेत्र की सुख शांति की दुआ मांगी।

मौके पर इब्राहिम सेठ के सौजन्य से शानदार कव्वाली मुकाबला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव और इब्राहिम सेठ की धर्मपत्नी सायरा बानो ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर विधायक ने कहा कि सूफी फकीरों की मजारों पर सभी समुदाय के लोग बेझिझक पहुंचते हैं। वह सभी की सुनते भी हैं। हमें भी उनके आदर्शों को अपना कर भेदभाव, द्वेष की भावना से ऊपर उठकर क्षेत्र, राज्य और देश की सुख शांति के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कव्वाली का आनंद सभी जात धर्म के लोग एक साथ ले रहे हैं। यही भारत की असली तस्वीर है। यह देश हमेशा एक दूसरे से मिलजुल कर रहने की संस्कृति वाला है। इसे कुछ लोग तोड़ना चाहते हैं, मगर वह कभी कामयाब नहीं होंगे। विशिष्ट स्थिति जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह और समाजसेवी शेर अली भी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान और संचालन राज अली ने किया। मौके पर कव्वाल बाबू गुलाम साबरी ने एक से बढ़कर एक देश भक्ति कव्वाली पेश कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

वहीं कव्वाला रौनक परवीन ने भी देश भक्ति और नातिया कलाम के अलावा कुछ भोजपुरी प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। उपस्थित श्रोताओं ने पूरी रात कव्वाल और कव्वाला के शानदार मुकाबले में खोए रहे। मौके पर दाता पीर बख्श की मजार पर बड़ी संख्या में लोगों ने फातेहा और चादरपोशी की।

इब्राहिम सेठ की ओर से पहली चादरपोशी की गई। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी सायरा ने भी दाता पीर बख्श की मजार पर मुल्क में अमन और शांति की कामना की।

कार्यक्रम में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अनुमंडल पुलिस प्रशासन ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ भारी पुलिस बल की तैनाती की थी।

मिथिला एकेडमी में साहित्यलोक का बहुभाषी कवि सम्मेलन में काव्य रस से सराबोर हुए श्रोता

बहुभाषी कवि सम्मेलन में रांची, हजारीबाग व बोकारो के साहित्यकार हुए शामिल

हम भारत की बेटी हैं जब खड्ग हाथ में धारेंगें...

ई धर्मयुद्ध छैक.

अरुण पाठक

बोकारो : मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 के विद्यापति सभागार में रविवार को चर्चित साहित्यिक संस्था साहित्यलोक एवं प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित साहित्यिक समारोह व बहुभाषी कवि सम्मेलन में रांची, हजारीबाग व बोकारो के साहित्यकारों ने वीररस, मातृदिवस, सद्भावना, भक्ति, प्रेम, करुणा आदि रस की रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को घंटों बांधे रखा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची से पधारे भारतीय वन सेवा के अवकाश प्राप्त वरिष्ठ अधिकारी व साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त साहित्यकार कुमार मनीष अरविंद, विशिष्ट अतिथि हजारीबाग से आए वरिष्ठ साहित्यकार हितनाथ झा, साहित्यलोक के संस्थापक महासचिव व वरिष्ठ शिक्षाविद तुलानंद मिश्र, वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा, विजय शंकर मल्लिक सुधापति, बटोही कुमार, कार्यक्रम के अध्यक्ष व मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो के उपाध्यक्ष समरेन्द्र झा ने महाकवि विद्यापति। व मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन के बाद दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रतिभावान उभरती गायिका आंचल पाठक द्वारा प्रस्तुत महाकवि विद्यापति की रचना भगवती वंदना जय जय भैरवि... के सुमधुर गायन से हुई। इस अवसर पर साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा द्वारा लिखित मैथिली नाटक पुस्तक अहां बिनु हम जीयब कोना व साहित्यलोक के पूर्व संयोजक डॉ सन्तोष कुमार झा के मैथिली कविता संग्रह कविक आबा का लोकार्पण किया गया।

मुख्य अतिथि कुमार मनीष अरविंद ने इस आयोजन के लिए साहित्यलोक की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से शहर को साहित्यिक ऊर्जा मिलती है।

कुछ समय के अंतराल पर निरंतर इस तरह के आयोजन होने चाहिए। विशिष्ट अतिथि हितनाथ झा ने कहा कि साहित्य व सांस्कृतिक क्षेत्र में झारखंड के गिने-चुने दो-तीन शहरों में बोकारो का नाम लिया जाता है और उन्हें यहां आकर काफी प्रसन्नता होती है। बहुभाषी कवि सम्मेलन में कवयित्री करुणा कलिका ने हिंदी कविता हम भारत की बेटी हैं जब खड्ग हाथ में धारेंगे व भोजपुरी कविता, आशुतोष कुमार ने खोरठा कविता, अरुण पाठक ने मैथिली में सद्भावना गीत जाति, धर्म के नाम पर नहि बांटू इंसान के.., अमृता शर्मा ने हिंदी कविता धर्म का मर्म, रणधीर चंद्र गोस्वामी ने भूख के खिलाफ, तब कहां थे तुम, शैलजा झा ने हिंदी कविता श्रेष्ठता के अभियान, मां तुम जिंदा रहोगी, मैथिली कविता समझौता, स्त्री के मौन तपस्या, हितनाथ झा ने मैथिली कविता कहिया धरि, हिन्दुस्तानक प्राण तिरंगा, अई जंगल में, अंकक रथ सं अक्षर पथ पर, कुमार मनीष अरविंद ने मैथिली में ई धर्मयुद्ध छैक, सांप का वार, जाग चंडी, अमन कुमार झा ने मैथिली में कोहबरक पान, ब्रजेश पांडेय ने हिंदी में वीररस की कविता, डॉ रणजीत कुमार झा, राजीव कंठ, श्रवण कुमार झा, नीलम झा, विजय शंकर मल्लिक सुधापति, बुद्धि नाथ झा ने मैथिली कविता सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही ली।

मंच संचालन शंभु झा व अमन कुमार झा एवं धन्यवाद ज्ञापन राजेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर के सी झा, अमरेन्द्र कुमार झा, ए के मिश्र, किरण मिश्रा, विश्वनाथ झा, गंगेश कुमार पाठक, विनोद कुमार, अनिल सिंह, राधा मोहन सिंह, गुलाब सिंह, प्रवीण कुमार झा सहित अन्य काव्य प्रेमी श्रोता उपस्थित थे।

संपादकीय

सतर्कता और रणनीति

भारत ने पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर व पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी शिविरों तक सटीक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया था, जिसको लेकर गुरुवार को विपक्ष ने सरकार के साथ एकता और संकल्प का परिचय दिया। हालांकि, दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय तनाव कायम है। पाकिस्तान ने सभी कायदे कानून ताक पर रखकर नागरिकों व सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाना जारी रखा है। हालांकि, भारत ने मजूबत सुरक्षातंत्र के बूते अपने पंद्रह शहरों पर दागी गई लक्षित मिसाइलों को बेअसर कर दिया है। प्रतिक्रिया स्वरूप भारत ने पाक के कुछ सैन्य ठिकानों व लाहौर की प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ने स्थिति की गंभीरता को ही रेखांकित किया। इस स्थिति को बेहद संवेदनशील बताते हुए उन्होंने संस्थागत तालमेल और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। दरअसल, इस स्थिति में सरकार की प्राथमिकताओं में नागरिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना, गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना और किसी भी हमले का तत्परता से मुकाबला करना शामिल है। निस्संदेह, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल और परिचालन में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये मंत्रालयों को निर्देश साइबर हमलों और गलत सूचना अभियानों सहित हाइब्रिड खतरों की एक गंभीर समझ को ही दशार्ता है। गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा सर्वदलीय बैठक में विस्तृत जानकारी देना इस दिन का महत्वपूर्ण घटनाक्रम था। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में कम से कम सौ आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की। विपक्ष खासकर कांग्रेस और एआईएमआईएम ने सराहनीय परिपक्वता दशार्यी। वे तमाम राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हितों के साथ खड़े नजर आए। राजनीतिक सहमति का यह दुर्लभ क्षण घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को एक सशक्त संदेश देता है। यह भी कि जब भी भारत की संप्रभुता को चुनौती मिलती है इसका राजनीतिक ताना-बाना और मजबूत होता है। जबकि, तनाव की तसवीर अभी डराने वाली हैं। जिसको हल्के में नहीं लिया जा सकता। हालांकि, भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उसका इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है। लेकिन जवाबी कार्रवाई के लिये पूरी तरह तैयार है। इसलिए रणनीतिक संयम को विश्वसनीय प्रतिरोध के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। निस्संदेह,अब सामरिक जीत से हटकर रणनीतिक स्थिरता पर जोर दिया जाना चाहिए। आने वाले दिनों में नागरिक सुरक्षा, कूटनीतिक संदेश और आंतरिक सुरक्षा पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता होगी। भारत को सुरक्षा प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना वैश्विक भागीदारों को जानकारी देना जारी रखना चाहिए। साथ ही अपने नागरिकों से पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के जारी रहने के बावजूद, एकीकृत राजनीतिक रुख और संस्थागत सतर्कता बाहरी खतरों के सामने लोकतांत्रिक लचीलेपन का एक आदर्श प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त देश के सीमावर्ती इलाकों के ग्रामीण की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से बौखलाए पाकिस्तान ने हताशा में जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर मौत और विनाश का तांडव मचाया है। पुंछ सेक्टर में भारी गोलाबारी में 13 नागरिकों की जान चली गई। वहीं सीमावर्ती इलाके के गांवों में बड़ी संख्या में घर क्षतिग्रस्त हो गए। पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद उस संघर्ष विराम का उल्लंघन कर दिया है जिसे 2021 में नये सिरे से लागू किया गया था। पाकिस्तान सेना ने बेशर्मी से नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया है। जबकि भारतीय सेना ने अपनी जिम्मेदारी के साथ हमलों को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी बुनियादी ढांचे के स्थलों तक ही सीमित रखा था। यह तय है कि भारत की सधी और नियंत्रित कार्रवाई ने पाक के साथ-साथ उसके क्षेत्र से संचालित होने वाले आतंकी संगठनों को हिलाकर रख दिया है। निस्संदेह, भारत ने पड़ोसी पाक को बता दिया है कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य साहिष्णुता रखता है, लेकिन साथ ही हमें एलओसी व सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही विस्थापित परिवारों की निकासी और अस्थायी पुनर्वास प्रशासन व सुरक्षा बलों की प्राथमिकता होनी चाहिए। पूरे देश को सीमावर्ती ग्रामीणों के साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए, जो पाक की नापाक हरकतों के कारण पहले से कहीं अधिक असुरक्षित हैं। ये हमारे सुरक्षा बलों की आंख-कान के रूप में काम करते हैं।

(चिंतन-मनन)

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।

प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो।

बुद्ध के संदेशों का साक्षी रहा है गया के ब्रह्मयोनि पर्वत

राकेश कुमार सिन्हा 'रवि'

!! बुद्ध जयंती पर विशेष !!

बिहार की राजधानी पटना से 105 किलोमीटर दूरी पर फल्गु नदी के किनारे विराजमान मगध का श्री केंद्र गया को पर्वतों की नगरी भी कहते हैं।गया नगर एक नहीं सात-सात पर्वतों से परिवृत्त है जिसमें रामशिला,प्रेतशिला और ब्रह्मयोनि को त्रिपर्वत कहा जाता है।पश्चिम भारत में जिस प्रकार पुष्कर का मान है ठीक उसी प्रकार ब्रह्मा जी से जुड़ा पूर्व भारत में ब्रह्मयोनि का विशेष मान है। इसे ब्रह्मा जी का पूर्व वेदी कहा गया है। धर्म साहित्यों में ब्रह्मयोनि को गयाशीर्ष,गयाशिर अथवा गयासीस कहा गया है। गया के ब्रह्मयोनि पर्वत का भगवान बुद्ध और बौद्ध धर्म से अभिन्न संबंध योग देखा समझा जा सकता है। सिद्धार्थ बुद्ध बनने के पूर्व और पश्चात दोनों समय में ब्रह्मयोनि पर उपस्थित हुए। अंगुत्तर निकाय(जिल्द- 4 पृष्ठ 302)के अनुसार बौद्ध काल में गयाशिर अति विख्यात स्थल है तो महावग्ग(1/2 1/1)में आया है कि उरुवेला से रहकर बुद्ध सहस्त्र भिक्षुओं के साथ गयासीस अर्थात गयाशीर्ष गए।इस संदर्भ में प्रसिद्ध चीनी परिभ्रमणकारी ह्वेनसांग के विवरण को भी जानना उपयोगी प्रतीत होता है जिसका प्रकाशन हिंदुस्तान टाइम्स प्रकाशन की उत्कृष्ट पत्रिका कदम्बिनी(अगस्त 1992 पृष्ठ 167) में 'ह्वेनसांग की यात्रा' शीर्षक से हुआ है कि नगर के पांच-छः ली दूर दक्षिण पश्चिम में गयाशिर खड़ा था।भारत में विभिन्न राज्यों की परंपरा के अनुसार गयाशिर अलौकिक पर्वत कहलाता था।गयाशिर की चोटी पर 106 से अधिक प्रस्तर स्तूप था,जो सम्राट अशोक ने बनाया था।अशोक के द्वारा स्तूप बनाए जाने की सूचना अलेक्जेंडर कनिंघम के भी रिपोर्ट से मिलता है जिन्हें भ्रमण के क्रम में यहां से जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर संभावनाथ की छोटी प्रतिमा प्राप्त हुई। एएसएसओ मैली बंगाल डिस्ट्रिक्ट गजेटियर(पृष्ठ 1-19) में ब्रह्मयोनि की विस्तृत जानकारी दी है।बौद्ध आचार्य बुद्ध घोष ने ब्रह्मयोनि पर्वत के नामकरण पर स्पष्ट किया है कि इसका नामकरण ब्रह्माणी पर्वत होना चाहिए।यहां ब्रह्मा की चरण पादुका है तथा ब्रह्मा की पत्नी सावित्री की प्रतिमा विराजमान है। पर्वत के चरण प्रांत में सावित्री कुंड है।अतः ब्रह्माणी नामकरण उचित व चरितार्थ है।

विवरण है ज्ञान प्राप्ति के पहले डुंगेश्वरी पर्वत पर तथागत के आगमन के पूर्व उनके कदम ब्रह्मयोनि पर पड़े और उन्होंने यहां साधना भी थी लेकिन फिर बाद में डुंगेश्वरी पर्वत की ओर आकृष्ट हुए जहां उन्हें 'मध्यम मार्ग' की प्राप्ति हुई।जानकारी मिलती है कि भगवान बुद्धगया से राजगीर जाने के क्रम में गया के गयाशीष पर्वत पर अग्नि उपासकों को बौद्ध धर्म में दीक्षित कर बुद्ध ने उन्हें आदित्त परियाय सुत्त का उपदेश देते हुए संस्कारों की अनित्यता का प्रसंग प्रस्तुत किया था।उन्होंने अपने उपदेश में स्पष्ट किया था इस संसार में लोग व तृष्णा से उपजी अविद्या की आग से सब जल रहे हैं।इससे बचना धम्म के हर एक भिक्षुओं का परम कर्तव्य है।आगे के समय में जब देवव्रत बौद्ध धर्म को तोड़कर बोधगया से 500 बौद्ध भिक्षुओं के साथ आकर इसी पर्वत के शिखर पर तथागत के विरुद्ध संभाषण किया तब भगवान बुद्ध के आग्रह पर सारिपुत्र और मौद्गल्याण ने यहां बुद्ध के निर्देश पर आकर उन विमुख हुए मार्गियों को बौद्ध धर्म की ओर पुनः मार्ग पर लाया और इस क्रम में इन दोनों ने संगीति परियाय सुत्त का उपदेश देकर संघ के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।आज भी बौद्ध भिक्षु राजगीर से इस पर्वत तक निश्चित रूप से यात्रा करते हैं और यहां के शिखर पर जाकर स्थान का दर्शन लाभ करते हैं।भगवान बुद्ध से जुड़े ब्रह्मयोनि की इन स्मृति को जीवंत रखने के लिए यहां एक स्तूप भी प्रधान शिखर से दक्षिण पूर्व शिखर पर बनाया गया है जो भूतल से तकरीबन 32 फीट ऊंचा है।यहां पर लगे फलक से स्पष्ट होता है यह गयासीस अग्नि उपदेश के लिए प्रसिद्ध है।भगवान बुद्ध तीन भाई भिक्षुओं के साथ यहां आए जिनके नाम गया कश्यप,उरूबेल कश्यप और नदी कश्यप मिलता है। भगवान बुद्ध ने इस स्थान पर अपने 1000 भिक्षु शिष्यों के बीच अग्नि उपदेश(अद्दितपरीय सुत्त)का पाठ किया था ।भगवान बुद्ध यहां पांच इंद्रियों और मन से वेग के द्वारा वैराग्य के माध्यम से दुःख से मुक्ति पाने के बारे में उपदेश देते हैं। यह उनके उपदेशों में बड़ा ही प्रभावकारी है जिसका प्रत्यक्ष गवाह स्थल ब्रह्मयोनि बना हुआ है। विवरण है कि परम पावन 12 वें गोश्री ग्यालत्स्व रिनपोचे द्वारा गयासिसा स्तूप का अभिषेक 5 फरवरी 2023 को किया गया। इसके आयोजक लोगों में हांगकांग, मलेशिया,ताइवान, वियतनाम,लद्दाख और पूरे देश में निवास करने वाले अन्य बौद्ध विद्वान प्रमुख हैं।बुद्ध प्रतिमा के दान कर्ता के रूप में हो टिक यू, चैन सेज सेज, हो का ताई, चान लैप यूएन का नाम अंकित है।अंकित है कि गयासीस का यह स्तूप त्सेरिंग तेनज़िंग आनंद लद्दाखी के निर्देशन में भक्तों की सहायता से किया गया जो न्यू बोधगया राजगीर बाईपास से गुजरते हुए स्पष्ट रूप से नजर आता है।सफेद रंग के रंगें यह स्तूप एक गोलाकार नीचे पाठ पीठ पर विराजमान है जिसके सामने भगवान बुद्ध की मूर्ति आगे की ओर लगी हुई है। ब्रह्मयोनि पर्वत के शिखर पहुंचने के ठीक पूर्व जो मातृयोनि पितृयोनि की गुफा का स्थान है उसके और थोड़े नीचे से जाने क्रम में बाएं तरफ से स्तूप तक जाने का रास्ता जैसा बना दिया गया है जिससे भक्तों को वहां जाने में परेशानी नहीं होती है।बौद्ध जगत में जिस प्रकार राजगीर की पंच पहाड़ियों के साथ-साथ मध्यम मार्ग की प्राप्ति का स्थल डुंगेश्वरी पर्वत,गुरु पाद गिरी,ऐर पथरी की पहाड़ी,जेठियन पहाड़,महावर की पहाड़ी,गढ़ पर्वत,मण्डिका पर्वत,महेर पहाड़,कोटशिला पर्वत तीर्थ,कौआडोल पर्वत,बराबर की पहाड़ियां आदि का सुनाम है ठीक उसी प्रकार ब्रह्मयोनि की महत्ता पुरातन काल से नए जमाने तक बनी सजी हुई है।

संत कवि सूरदास की कृष्ण आराधना

संजय गोस्वामी

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को सूरदास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को सूरदास जयंती के रूप में मनाया जाता है। अतः सूरदास की जयंती 12 मई 2024 को है।उनके पिता का नाम पंडित था। रामदास सारस्वत ब्राह्मण और माता का नाम जमुना दास था। सूरदास के पिता एक प्रसिद्ध गायक थे। सूरदास के जन्मांध होने की कई कहानियाँ प्रचलित हैं। कुछ विद्वानों का मानना है कि वह जन्म से ही अंधे थे, जबकि अन्य का मानना है कि वह बाद में अंधे हो गये। फरीदाबाद के निकट जी गाँव में उनका जन्म हुआ था वे जन्म से ही अंधे थे इसलिए उनका नाम सूरदास हुआ उन्होंने सूरसागर आदि महान रचनाओं की रचना की थी। सूरदास ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पिता से प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने संस्कृत, व्याकरण, साहित्य और संगीत का अध्ययन किया। वह एक कुशल गायक और कवि थे। एक बार सूरदास की भेंट श्री वल्लभाचार्य से आगरा के निकट गऊघाट पर हुई। वल्लभाचार्य ने उन्हें पुष्टिमार्ग में दीक्षित किया और कृष्णलीला के पद गाने का आदेश दिया। वल्लभाचार्य के शिष्य के रूप में सूरदास ने कई वर्षों तक कृष्णलीला के कई पद गाए और लिखे। सूरदास को वल्लभाचार्य का शिष्य माना जाता है। वे मथुरा के गऊघाट स्थित श्रीनाथ जी के मंदिर में रहते थे। सूरदास का भी विवाह हो गया। आपको बता दें कि अलग होने से पहले वह अपने परिवार के साथ रहते थे। वल्लभाचार्य से मिलने से पहले सूरदास विनम्रता के पद गाते थे, लेकिन जब वे वल्लभाचार्य से मिले और उनके संपर्क में आए तो उन्होंने कृष्णलीला गाना शुरू कर दिया। कहा जाता है कि तुलसी की मुलाकात एक बार मथुरा में सूरदास जी से हुई और धीरे-धीरे उनके बीच प्रेम की भावना बढ़ती गई। ऐसा माना जाता है कि तुलसीदास ने सूरदास के प्रभाव में आकर श्री कृष्ण गीतावली की रचना की थी। सूरदास की सबसे प्रसिद्ध रचना सूरसागर है। यह एक महाकाव्य है जिसमें कृष्णलीला का वर्णन है। इस महाकाव्य में सूरदास ने कृष्ण के बचपन से लेकर उनके द्वारिका प्रवास तक की घटनाओं का वर्णन किया है। इस रचना ने सूरदास को हिन्दी साहित्य का सूर्य बना दिया। वह अपनी रचना सूरसागर के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। ऐसा माना जाता है कि उनके काम में लगभग 100000 गाने हैं, लेकिन आज केवल 8000 ही बचे हैं। इन गीतों में कृष्ण के बचपन और उनकी लीलाओं का वर्णन किया गया है। सूरदास अपनी कृष्ण भक्ति के साथ-साथ अपनी प्रसिद्ध रचना सूरसागर के लिए भी जाने जाते हैं। सूरदास की अनेक गद्य कृति है। इसमें सूरदास ने अपने जीवन और अनुभवों का वर्णन किया है। साहित्य लहरी 118 छंदों की एक लघु रचना है। यह सूरदास की एक काव्य रचना है। इसमें नल और दमयंती के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। यह सूरदास की अनेक काव्य रचना भगवान कृष्ण के प्रति सच्ची भक्ती को दशार्ता है। इसमें कृष्ण और राधा के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। सूरदास एक महान भक्त कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना का परिचय दिया। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। सूरदास एक भावुक कवि थे।

उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति के भावपूर्ण रूप को व्यक्त किया है। सूरदास हिन्दी साहित्य के महान कवि थे। उनकी कृतियों ने हिन्दी साहित्य को गौरवान्वित किया है। उनकी कविता का प्रभाव हिन्दी साहित्य के परवर्ती कवियों पर पड़ा। सूरदास की रचनाओं में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति की भावना सर्वोपरि है। वह भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना दशार्यी है। उनके काव्य में कृष्ण के प्रति प्रेम, सौन्दर्य और करुणा की भावनाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। इनमें छंद, अलंकार और रस का सुंदर प्रयोग हुआ है सूरदास की मृत्यु जुलाई 1583 ई. में हुई। वे हिन्दी साहित्य के अमर कवि हैं। उनके काम आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं और लोग उनकी रचनाओं को बड़े चाव से गाते हैं।

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं।- सत्यसाई बाबा

मनुष्य की महानता उसके कपडों से नहीं बल्कि उसके चरित्र से आँकी जाती है। - स्वामी विवेकानन्द

स्वर्णिम काल के सुखद परिणाम की दस्तक

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

पाकिस्तान को ढाल बनाकर चीन ने अपनी चौधराहट को बढाने में एक बार फिर सफलता हासिल कर ली है। भारत की जवाबी कार्यवाही से थरार्ये पाकिस्तान ने पर्दे के पीछे से चीनी मंशा के तहत अमेरिका को माध्यम बनाकर सीजफायर के प्रयास तेज किये। दुनिया पर अपनी धाक जमाने का अमेरिका को एक और मौका दिखा और उसने पहले तो आतंकी देश को अपने प्रभाव का प्रयोग करके इंटरनेशनल मानिटरी फंड से कर्जे की नई किस्त जारी करवा दी और फिर भारत पर दबाव बनाकर सीज फायर की स्थिति का निर्माण किया। सीज फायर में दौनों देशों की उच्चतमस्तर की चर्चा के बिना ही घोषणायें की जाने लगीं परन्तु जैसे ही अमेरिका को इस प्रयास हेतु पाकिस्तान ने धन्यवाद ज्ञापित किया वैसे ही पाक सेना ने पुनः भारतीय सीमा के अन्दर घुसकर आक्रमण करना शुरू कर दिया। ताबडतोड हमलों के मध्य भारत ने भी कडी जवाबी कार्यवाही की। इसी मध्य चीन ने पाकिस्तान के साथ खुलकर खडे होने की घोषणा कर दी। अमेरिका को चीन ने एक बार फिर मात दे दी। षडयंत्रों की विसात पर खेले जा रहे अमेरिका और चीन के शतरंजी खेल में पाकिस्तान के पौ-बारह हो रहे हैं। आतंक को मुख्य उद्योग के रूप में स्वीकारने वाले जिन्ना के देश ने शुरू से ही अपने विश्वासघाती कदमों से नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। मालूम हो कि मक्कार पडोसी ने चोरी-छिपे अपनी विश्वद्रोही नीतियों के अनुपालन में दोगले देश अमेरिका और चीन जैसे प्रतिव्दन्दियों का सहयोग लेकर परमाणु शक्ति प्राप्त कर ली थी और इसी की दम पर वह समूचे संसार को निरंतर ब्लैकमेल रहा है। उसने परमाणु धमकी का प्रयोग, अमेरिका का प्रभाव और असहाय की स्थित का दिखावा करके अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्जे की एक और किस्त प्राप्त कर ली। विचारणीय बिन्दु यह है कि एक आतंकी राष्ट्र को ऐसे समय में बेलआउट देने के पीछे आईएमएफ की आखिर क्या मजबूरी थी, जो युद्ध जैसे हालातों के मध्य संसार से संकलित पैसा मानवता के विरुध्द उपयोग हेतु दिया गया। उल्लेखनीय है कि सन् 1989 से लेकर अभी तक के 35 वर्षों में इस अन्तर्राष्ट्रीय संस्था ने 28 बार पाकिस्तान को पैसा दिया है। आश्चर्य है कि आतंकी देश को जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु 1.3 बिलियन डालर की क्रेडिट लाइन देने पर भी विचार किया जा रहा है। समूची दुनिया जानती है कि पाकिस्तान को दिये जाने वाले पैसे का खुला उपयोग कट्टरपंथी आतंकवाद से गजवा-ए-दुनिया के लक्ष्य भेदन हेतु किया जा रहा है। संसार भर में फैले हजारों आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान का न केवल खुला समर्थन है बल्कि पूरा सहयोग भी रहता है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि आईएसआईएस, हिजबुल्लाह, हूती जैसे अनेक संगठनों को पाकिस्तान ने गुपचुप तरीके से परमाणु हथियार तक मुहैया करा दिये हैं जिस कारण वे अमेरिका जैसे देशों के जहाजों तक पर दबंगी से आक्रमण कर रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में भारत का विजय रथ निरंतर आगे बढता जा रहा है। चीनी हथियार निरंतर ध्वस्त हो रहे हैं। पाकिस्तान के प्रयास धराशाही हो रहे हैं। सीमा पर प्रयोग में लाये जाने वाले अमेरिका सैन्य साजो सामान भी भारत की साहसी सेना व्दारा नस्तनाबूत किये जा रहे हैं। ड्रैगन का एयर डिफैन्स सिस्टम और मिसाइलों के धूल में मिलाने के साथ साथ अमेरिका के एफ 16 जैसे लडाकू विमानों को अस्तित्वहीन करके भारत ने अपनी क्षमता का परचम फहरा दिया है। ऐसे में अमेरिका और चीन के हथियारों की फजीहत होने के बाद उसके अनेक शस्त्र क्रेताओं का मन बदलने लगा है। इन हथियारों के सौदागरों की छवि धूमिल हो रही है। वहीं अर्थ-व्यवस्था के क्षेत्र में ब्रिटेन जैसे देश को पछाडकर भारत ने तीसरी पायदान पर कब्जा कर लिया है जिससे ब्रिटेन की विरासत को शर्मनाक चोट लगी है। समूचे परिदृश्य के आधार पर यह कहना अतिश्योक्ति न होगा कि विश्वासघाती अमेरिका, धूर्त चीन, मक्कार ब्रिटेन जैसे देश आज भारत के बढते विश्वास, ऊर्ध्वमुखी विकास और विद्वान नेतृत्व की क्षमताओं से न केवल आहत है बल्कि अपने-अपने स्तर पर षडयंत्र करने में जुटे हैं। ऐसे में भारत को निशाना बनाया जाना स्वाभाविक ही है। ज्ञातव्य है कि पूर्व में अमेरिका ने बंगला देश में सत्ता परिवर्तन कराके हिन्दुओं और भारत विरोधी वातावरण निर्मित किया ताकि भारत-बंगला देश युध्द को धरातल पर उतारा जा सके। ऐसा ही प्रयास चीन ने भी मालदीप, श्रीलंका और नेपाल की धरती का उपयोग करके किया था। सभी प्रयासों के असफल होने के बाद भारत को सम्प्रदाय की आग से जलाने हेतु नापाक धरती का मास्टर स्टोक के रूप में पुनः उपयोग हुआ। पहलगाम की घटना से समूचा देश आन्दोलित हो उठा। शत्रुओं की चाल थी कि हिन्दु-मुस्लिम के इस कार्ड से देश के अन्दर आन्तरिक युध्द के हालात पैदा हो जायेंगे और सीमापार से सेना को आम मुसलमान के वेश में न केवल घुसेडा जायेगा बल्कि भारत के अंदर पहले से मौजूद भितरघातियों, घुसपैठियों और अघोषित शरणार्थियों सहित भूमिगत एजेन्टों को सक्रिय करके भीड की शक्ल में खडा करके हिन्दुओं का कत्लेआम करवा दिया जायेगा। मगर यह मंसूबे पूरे नहीं हो सके। मुस्लिम देशों से भी बेहतर हालातों में विलासतापूर्ण जीवन जीने वाले भारतीय मुसलमानों ने मोदी के पारदर्शी नेतृत्व को खुलकर समर्थन दिया। विपक्ष ने भी एक स्वर में साथ खडे होने की घोषणा की। समूचा देश पहलगाम का बदला लेने के लिए आक्रोशित हो उठा। भारत की प्रतिशोधात्मक कार्यवाही को अवसर मानकर चीन के पिट्ठू भिखारी पाकिस्तान ने अपनी दोगली नीतियों के तहत अमेरिका पर डोरे डाले। उसे दुनिया का सबसे ताकतवार देश मानने का दिखावा करके सहयोग की याचना की। सिठिया चुके ट्रंप ने आतंकी देश के ड्रामे को वास्तिवकता मानकर उसे न केवल आईएमएफ से कर्जे की किस्त दिलवायी बल्कि भारत पर दबाव बनाकर सीज फायर की घोषणा भी करवा दी। यह सब चीन की चालबजियां थी जो पाकिस्तान के सिर चढकर बोल रहीं थीं। ज्यों ही मुट्ठी में पैसा आया त्यों ही चीन के रंग में रंगे आतंकी देश ने अपना असली रुप दिखाना शुरू कर दिया। अमेरिका की सत्ता सम्हालते ही ट्रंप ने रूस-यूक्रेन और इजरायल-गाजा जैसे युद्धों को समाप्त करवाने की घोषणा की थी जिसमें वह पूरी तरह असफल रहे। यही हाल भारत-पाकिस्तान के मुद्दे पर भी हुआ। चीन की चालाकियों के तले बूढे ट्रंप की अकल जमती जा रही है जबकि ड्रैगन ने एक तीर में तीन निशान साथे हैं। दुनिया के सामने अमेरिका की औकात दिखा दी, पाकिस्तान की विश्वसनीयता के चीथडे उडा दिये और भारत की अर्थ व्यवस्था को सीधी चोट पहुंचाई। ऐसे में चीन छोडकर भारत आने की घोषणा कर चुके अन्तर्राष्ट्रीय औद्योगिक घराने अपने निर्णय पर पुनः विचार करने के लिए बाध्य हो गये हैं। पाकिस्तान को युध्द की आग में झौंकने के बाद चीन उसे खुलकर सैन्य सहयोग तो करेगा परन्तु वह अपने सैनिकों जंग में नहीं उतार सकता। वर्तमान में भारत की स्थिति न केवल मजबूत है बल्कि उसके पक्ष में विश्व के ज्यादातर देश खडे हैं जो बाह्य और आन्तरिक रूप से सहयोग करने का दम भर रहे हैं। आज समूचा देश एक है। सेना का आत्मविश्वास चरम सीमा पर है। ऐसे में चीन और अमेरिका के बीच चल रहे शह-मात के खेल सहित ब्रिटेन की कलाबाजियों से दूर रहकर केवल और केवल राष्ट्र गौरव को विश्व के सर्वोच्च सिंहासन पर पुनः स्थापित करन हेतु उपलब्ध हुए स्वर्णिम काल का सुखद परिणाम प्राप्त करना ही चाहिए। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की-फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं-

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है। ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

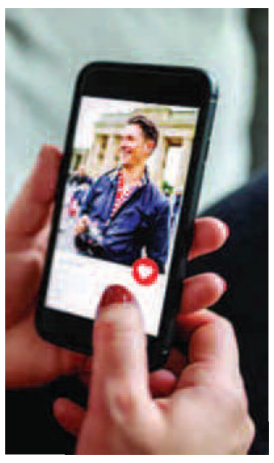

ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।

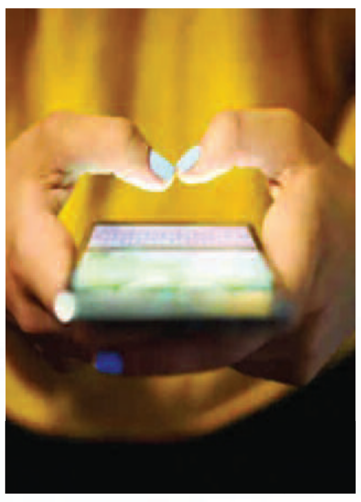

टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है।(मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें।

इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।

12 May Page 8_Page 3.qxd 5/11/2025 8:37 PM Page 1

संक्षिप्त खबरें

भारतीय दूतावास ने नेपाल सरकार को उपहार में सौंपी 15 विद्युतीय गाड़ियां

काठमांडू,(एजेंसी) : नेपाल सरकार की ओर से 16-18 मई तक आयोजित किए जा रहे सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों के लिए भारतीय दूतावास ने 15 विद्युतीय गाड़ियां उपहार में दी हैं। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने रविवार को नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा को गाड़ियां हस्तांतरित कीं।

इस अवसर पर भारतीय राजदूत ने कहा कि सागरमाथा संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अन्य प्रकार के सहयोग के अलावा इन गाड़ियों का भी सहयोग किया गया है। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. राणा ने भारतीय सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नेपाल के हर सुख दुख में भारत का सदैव साथ रहने की बात कही है। उन्होंने कहा कि सागरमाथा संवाद विश्व में हो रहे जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करने के लिए सबसे बड़े मंच के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है।

सागरमाथा संवाद में करीब सौ देशों के प्रतिनिधि सहभागी होने वाले हैं। इनमें कई देशों के मंत्रियों के भी आने की संभावना है। इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व वन तथा वातावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव करेंगे।

पहलगाम हमले में मारे गए सुदीप न्यौपाने के परिवार से भारतीय राजदूत ने की मुलाकात

काठमांडू, (एजेंसी) : पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए नेपाली नागरिक सुदीप न्यौपाने के परिवार वालों से नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने मुलाकात की है।

बुटवल पहुंचकर भारतीय राजदूत श्रीवास्तव ने सुदीप न्यौपाने के परिवालों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने सुदीप के साथ ही आतंकी हमले में मारे गए सभी पर्यटकों की मौत का बदला ले लिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाकी दोषियों को कानूनी कठघरे में जरूर लाया जाएगा।

भारतीय राजदूत ने कहा कि मृतक सुदीप न्यौपाने के परिवार वालों को भारतीय नागरिक की तरह ही आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि मृतक परिवार को जम्मू कश्मीर सरकार और भारत सरकार की तरफ से आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का नेपाल के प्रधानमंत्री ने किया स्वागत

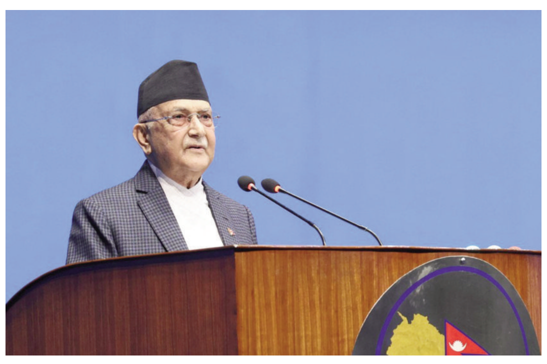

काठमांडू, (एजेंसी) : नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम का स्वागत किया है। ओली ने कहा कि क्षेत्रीय शांति के लिए भारत और पाकिस्तान का यह कदम सराहनीय है।ासंद में प्रधानमंत्री ओली ने रविवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा क्षेत्र की शांति के लिए बहुत ही अच्छा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशियाई देशों के बीच युद्ध की स्थिति आना चिंताजनक और दुखद था। ओली ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों ने राजनीतिक परिपक्वता दिखाते हुए आपसी संवाद के जरिए संघर्ष विराम की घोषणा सराहनीय है। प्रतिनिधि सभा में प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों देशों का युद्ध में होना, न सिर्फ क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा था, बल्कि इसका वैश्विक असर हो सकता था।ओली ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से अपने बड़े दिल का परिचय दिया है, वह उनके स्टेटमैनशिप को दशार्ता है। ओली ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि पाकिस्तान की तरफ से इस संघर्ष विराम का उल्लंघन नहीं किया जाएगा और क्षेत्रीय शांति स्थापना के लिए वह इसका पालन करेगा। नेपाल के प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के किसी भी स्वरूप को किसी भी बहाने में स्वीकार नहीं किया जा सकता है और आतंकवाद के विरुद्ध के संघर्ष में वह हमेशा ही खड़ा रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब दिया कश्मीर मुद्दे पर समाधान का ऑफर

नई दिल्ली, (एजेंसी) :अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर अब भारत और पाकिस्तान को सहयोग का प्रस्ताव दिया है। सोशल मीडिया 'ट्रुथ' पर आज रविवार को एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं ताकि ह्लहजार साल बाद भी सही,ह्व कश्मीर पर कोई समाधान निकाला जा सके।

उल्लेखनीय है कि कश्मीर मध्य पर भारत और पाकिस्तान के बीच का मुद्दा भारत की दृष्टि से हमेशा द्विपक्षीय रहा है। दूसरी ओर यह मुद्दा 1947 में पाकिस्तान की अस्तित्व में आने के बाद का है, जिसे ट्रंप हजारों साल पुराना बता रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कल सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति की जानकारी इसी सोशल मीडिया के माध्यम से दी थी। वही आज फिर उनका एक बयान आया है। उन्होंने लिखा कि उन्हें भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व पर गर्व है, जिन्होंने समझदारी और साहस दिखाया। यह सही समय था आक्रोश को रोकने का, जिससे भारी विनाश और लोगों की मौत हो सकती थी। अमेरिका को इस ऐतिहासिक फैसले में मदद करने पर गर्व है। उन्होंने बिना किसी चर्चा के यह घोषणा की कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार काफी हद तक बढ़ाएंगे।

बांग्लादेश: शेख हसीना की पार्टी 'अवामी लीग' पर अंतरिम सरकार ने लगाया प्रतिबंध

छात्र आंदोलन दमन के आरोपों पर ट्रिब्यूनल कानून में संशोधन

ढाका, (एजेंसी) : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक बड़ा राजनीतिक निर्णय लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह प्रतिबंध आतंकवाद विरोधी अधिनियम (एंटी टेररिज्म एक्ट) के तहत लगाया गया है। साथ ही, सरकार ने अंतरराष्ट्रीय अपराध (अदालत) अधिनियम में संशोधन कर छात्र-नेतृत्व वाले जनविद्रोह के दमन में पार्टी की कथित भूमिका की जांच और मुकदमे की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है।

शनिवार रात अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई आपात बैठक के बाद यह घोषणा की गई। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कानूनी सलाहकार असीफ नजरुल ने सरकार के तीन मुख्य फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों की आधिकारिक अधिसूचना आगामी कार्यदिवस पर जारी की जाएगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि अवामी लीग की सभी गतिविधियों, जिनमें ऑनलाइन और डिजिटल मंचों पर संचालन भी शामिल है, फिलहाल पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगी, जब तक कि न्यायिक निर्णय नहीं आ जाता। यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, जुलाई जनविद्रोह में शामिल कार्यकताओं की सुरक्षा, और अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल (आईसीटी) के गवाहों व शिकायतकताओं की रक्षा के दृष्टिकोण से उठाया गया है।

इसके अतिरिक्त, ₹जुलाई घोषणा पत्र₹ का अंतिम संस्करण अगले 30 कार्यदिवसों में प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें छात्र आंदोलन से संबंधित दस्तावेज और आरोप शामिल होंगे।

सरकार का कहना है कि प्रतिबंध का उद्देश्य देश में राजनीतिक स्थिरता बनाए रखना और आगामी आम चुनावों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है। हाल के हफ्तों में अवामी लीग द्वारा देशभर में किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों और कथित हिंसक गतिविधियों को लेकर प्रशासन सतर्क था।

हालांकि, इस प्रतिबंध पर अवामी लीग या शेख हसीना की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।यह प्रतिबंध ऐसे समय में लगाया गया है जब देश में आगामी संसदीय चुनावों को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और विपक्षी दलों द्वारा निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर दबाव बढ़ाया जा रहा था।

रूस ने रखा यूक्रेन के साथ बिना शर्त वार्ता का प्रस्ताव

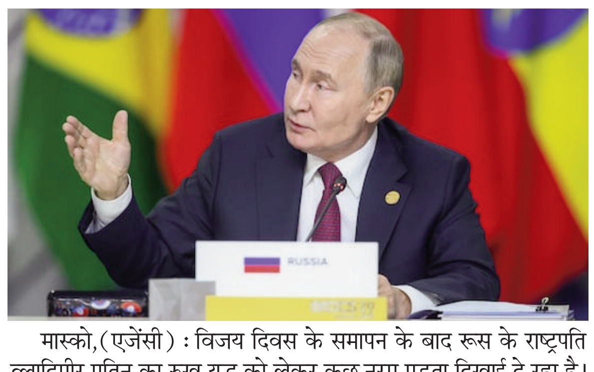

मास्को,(एजेंसी) : विजय दिवस के समापन के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रुख युद्ध को लेकर कुछ नरम पड़ता दिखाई दे रहा है। उन्होंने रविवार को सभी को चौंकाते हुए यूक्रेन के सामने बिना किसी शर्त के शांति वार्ता का प्रस्ताव दे दिया। पुतिन ने कहा कि वह तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल में यूक्रेनी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि ऊधर यूक्रेन की तरफ से अभी इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

न्यूज एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि बिना किसी शर्त के एक बार फिर वह यूक्रेन के साथ बात करने के इच्छुक हैं। मास्को बार-बार युद्ध विराम की कोशिश कर रहा है। उसके बाद भी यूक्रेन की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद एक संयुक्त मसौदा तैयार किया गया था। लेकिन बाद में यूक्रेन उस मसौदा से पलट गया। गौरतलब है कि नाजी जर्मनी के ऊपर अपनी जीत के 80 वें वर्ष को विजय दिवस के रूप में मना रहे रूस ने यूक्रेन से तीन दिनों के लिए एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा की थी। यह युद्ध विराम रविवार को समाप्त हो गया।

इमरान खान की पार्टी पहुंची हाईकोर्ट, कहा-उन्हें रिहा किया जाए

पाकिस्तान की सरकार ने मौत की अफवाह पर कहा-इमरान जेल में सुरक्षित

इस्लामाबाद, (एजेंसी) :पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में मौत की कथित अफवाहों के बीच उनकी पार्टी इस्लामाबाद के हाईकोर्ट पहुंच गई है। उन्होंने अदालत से कहा कि जेल में इमरान को जान का खतरा है। इसलिए उन्हें रिहा कर दिया जाए। उधर पाकिस्तान की सरकार ने उनकी जेल में मौत की अफवाह पर सफाई देते हुए कहा कि इमरान जेल में सुरक्षित हैं।पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस समय रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद हैं। शनिवार को सोशल मीडिया पर अफवाह फैली की उनकी जेल में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनकी मौत का फर्जी वीडियो वायरल होते ही खलबली मच गई। इस संबंध में पाकिस्तान सरकार की कथित तौर पर एक फर्जी रिलीज भी वायरल होने लगी। इसके बाद पाकिस्तान की सरकार तुरंत हरकत में आई। सरकार ने साफ किया कि इमरान खान जेल में सुरक्षित हैं। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील भी की।उधर इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी भी सक्रिय हो गई।दावा है पार्टी के नेता अली अमीन ने शनिवार को इस्लामाबाद के हाईकोर्ट में आवेदन दिया है। उसमें कहा गया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते आदियाला जेल में ड्रोन हमले की आशंका है। साथ ही जेल में उनका स्वास्थ्य भी बिगड़ रहा है। इसलिए उन्हें तुरंत ही जेल से पैरोल पर रिहा किया जाए। हालांकि अदालत ने इस मामले में की सुनवाई के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की है।

अगले सप्ताह दो नए आईपीओ की लॉन्चिंग, दो शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी) : सोमवार 19 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में दो नए आईपीएल लॉन्च होने वाले हैं। ये दोनों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इनके अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 9 मई को लॉन्च हुए एक आईपीओ में भी इस सप्ताह 14 मई यानी बुधवार तक बोली लगाई जा सकेगी। जहां तक लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह दो कंपनियां के शेयर लिस्ट होकर स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरूआत करेंगे।

इस सप्ताह इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स का 12 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 15 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 16 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 20 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

इसी तरह 14 मई यानी बुधवार को एक्रेशन फार्मास्यूटिकल्स का 29.75 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 16 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 96 से 101 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 19 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 21 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

इन दोनों नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 9 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले वर्चुअल गैलेक्सी इन्फोटेक के 93.29 करोड़ रुपये के आईपीओ में बुधवार 14 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 135 से 142 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 15 मई को किया जाएगा। वहीं, इनकी लिस्टिंग 19 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इस आईपीओ को अभी तक 69 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है।

सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान दो कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरूआत करने जा रही हैं। इनमें एक कंपनी श्रीगी डीएलएम लिमिटेड है, जिसका आईपीओ 490.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के शेयर 12 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह 12 मई को ही मनोज ज्वेलर्स के शेयरों की लिस्टिंग भी बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

जानिए, लग्जरी कारों की कीमतें क्यों होती है आम आदमी की पहुंच से दूर

नई दिल्ली, (एजेंसी) : जो लग्जरी कार अमेरिका या दुबई में औसत कमाई वाले लोग भी खरीद सकते हैं, वही कार भारत में करोड़ों रुपये की कैसे बन जाती है। इसका जवाब टैरिफ और टैक्स की जटिल व्यवस्था में छिपा है। उदाहरण के तौर पर, दुबई में महज 30 लाख रुपये में मिलने वाली एसयूवी भारत में पहुंचते-पहुंचते करीब 2 करोड़ रुपये की हो जाती है। ऐसा ही अंतर बीएमडब्ल्यू एक्स5 और रेंज रोवर जैसी कारों में भी देखने को मिलता है। इनवेस्टमेंट बैंकर सार्थक आहुजा के मुताबिक, रेंज रोवर जो अमेरिका में सिर्फ 80 लाख रुपये में मिलती है, वह भारत में 2 करोड़ रुपये में बिकती है। इसी तरह, फार्च्यूनर जो भारत में करीब 50 लाख की है, वह दुबई में केवल 35 लाख रुपये में मिल जाती है। इस भारी अंतर की सबसे बड़ी वजह है भारत में लागू टैरिफ यानी आयात शुल्क। सरकार लग्जरी गाड़ियों पर 60 से 100 फीसदी तक का इंपोर्ट ड्यूटी वसूलती है। इसके अलावा 28 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया जाता है और उस पर भी अलग से सेस जोड़ा जाता है। यही नहीं, इन सभी टैक्स के अलावा रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस जैसे राज्य-स्तरीय शुल्क भी उपभोक्ता को चुकाने होते हैं। कुल मिलाकर, किसी इम्पोर्टेड कार की मूल कीमत का लगभग 45 से 50 फीसदी केवल टैक्स और शुल्क में चला जाता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.07 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर पर

मुंबई, (एजेंसी) :स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 02 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.07 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर पर आ गया।

वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.98 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 688.13 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 02 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 51.4 करोड़ डॉलर की मजबूती के साथ 581.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 2.5 अरब डॉलर की भारी कमी आई और यह घटकर उछलकर 81.8 अरब डॉलर रह गया।

शहबाज शरीफ ने कहा- सीजफायर सभी के हित में, पाकिस्तान शांति चाहता है

सऊदी अरब और चीन का मध्यस्थता के लिए जताया आभार

इस्लामाबाद,(एजेंसी) : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए हाल ही में हुए भारत-पाकिस्तान युद्धविराम (सीजफायर) समझौते को ₹सभी के हित में₹ बताया और इस पहल को पाकिस्तान की ₹शांति-प्रिय सोच₹ का प्रतीक करार दिया।

प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा, ₹हम एक जिम्मेदार देश हैं। हमने बार-बार दिखाया है कि हम शांति के पक्षधर हैं। यह सीजफायर समझौता सभी के लिए लाभकारी है और हमने इसे बहुत सकारात्मक भावना के साथ स्वीकार किया है। उन्होंने अपने संबोधन में सऊदी अरब और चीन जैसे मित्र देशों का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए।

हालांकि, शरीफ ने इस दौरान भारत पर नागरिकों की हत्या, मस्जिदों को नष्ट करने और झूठी सूचनाएं फैलाने के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा, भारत झूठे प्रचार से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भ्रमित कर रहा है, जबकि असली जमीनी हालात बेहद अलग हैं।₹ उन्होंने कहा कि भारत ने हमारे सैन्य हथियारों को उड़ाया और सैन्य अड्डों को तहस-नहस कर दिया। भारत के हमले में पाकिस्तान के कई जवान भी मारे गए हैं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा, ₹हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक पाकिस्तान को उसकी खोई हुई गरिमा वापस नहीं मिलती। खुदा के फजल से वह वक्त दूर नहीं है।₹ उन्होंने कहा कि यह युद्धविराम केवल एक अस्थायी समझौता नहीं, बल्कि भविष्य में स्थायी शांति और सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, यदि सभी पक्ष अपनी जिम्मेदारी समझें।शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत के साथ पानी और जम्मू कश्मीर का मसला हल करने के लिए बातचीत की उम्मीद है। पाक पीएम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी शुक्रिया अदा किया है।

उल्लेखनीय है कि शनिवार शाम को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के ऐलान की घोषणा की गई थी। इस दौरान कहा गया था कि अब दोनों देशों के बीच कोई हमले और गोलीबारी नहीं होगी। हालांकि इस ऐलान के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने कश्मीर पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। राजस्थान और गुजरात के कई इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोन भी देखे गए।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.60 लाख करोड़

नई दिल्ली, (एजेंसी) : घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 2 कंपनियों के मार्केट कैप में करीब तीन हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईटीसी और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 1,60,314.48 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस के मार्केट कैप में 2,952.89 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

5 मई से 9 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 59,799.34 करोड़ रुपये घट कर 18,64,436.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 30,185.36 करोड़ रुपये कम होकर 9,90,015.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 27,062.52 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 14,46,294.43 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 18,429.34 करोड़ रुपये घट कर 6,95,584.89 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 13,798.85 करोड़ रुपये कम होकर 5,36,927.95 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 8,321.89 करोड़ रुपये की कमी के साथ 5,29,972.97 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 2,138.29 करोड़ रुपये कम होकर 10,53,891.62 करोड़ रुपये के स्तर पर और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 578.89 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,45,418.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,537.56 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,48,382.85 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप 415.33 करोड़ रुपये उछल कर 6,26,083.70 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 18,64,436.42 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,46,294.43 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,45,418.09 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,53,891.62 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,90,015.33 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,95,584.89 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,26,083.70 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,48,382.85 करोड़ रुपये) बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,36,927.95 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,29,972.97 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

कोहली के संन्यास लेने के अटकलों पर सिद्धू ने उठाए सवाल, कहा- इंग्लैंड दौरे पर होगी अनुभवी खिलाड़ी की जरूरत

नई दिल्ली, (एजेंसी) :पूर्व भारतीय बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के इरादे पर सवाल उठाया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के करीबी सूत्रों के अनुसार, 36 वर्षीय इस दिग्गज खिलाड़ी ने हाल ही में खेल के सबसे लंबे प्रारूप को छोड़ने की मंशा जाहिर की थी। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि कोहली से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए आग्रह किया गया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया सर्कल इंग्लैंड दौरे से शुरू हो रहा है।सिद्धू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। एक वीडियो में उन्होंने कहा, विराट कोहली के संन्यास लेने के फैसले ने पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। उनका इरादा सही है, उनका उद्देश्य नेक है। लेकिन समय और अवसर उचित नहीं है, क्योंकि भारत का गौरव और प्रतिष्ठा दांव पर है। हम एक ऐसे दौरे पर जा रहे हैं जो अन्य टेस्ट खेलने वाले देशों के लिए भी सबसे कठिन टेस्ट है।

सिद्धू ने कोहली को भारत का इंग्लैंड में चमकता हुआ योद्धा करार दिया है। कहा, कोहली की अनुपस्थिति में भारतीय टीम के पास ज्यादा अनुभव नहीं रहेगा, क्योंकि रोहित शर्मा पहले ही टेस्ट क्रिकेट से दूर हो चुके हैं।

सिद्धू ने कहा, मैं क्यों कहता हूं कि कोहली इंग्लैंड में हमारे लिए सबसे ताकतवर खिलाड़ी हो सकते हैं? क्योंकि उनके पास अनुभव है, खासकर रोहित शर्मा के जाने के बाद। आप इंग्लैंड में अनुभवहीन टीम नहीं भेज सकते।

2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले कोहली ने 123 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें उन्होंने 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए हैं। उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व भी किया, जिससे वे इस फॉर्मेट में देश के सबसे सफल कप्तान बन गए। उनकी तीव्रता, फिटनेस और नेतृत्व ने भारत को घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर एक प्रभावशाली टेस्ट टीम में बदल दिया।

कार्तिकेयन, राउत एशियाई ब्लिट्ज शतरंज में चौथे स्थान पर रहे

अल ऐन (यूएई), (एजेंसी) :ग्रैंडमास्टर मुरली कार्तिकेयन एशियाई व्यक्तिगत ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहे, जबकि पद्मिनी राउत महिला वर्ग में इसे परिणाम को दोहराते हुए शीर्ष भारतीय खिलाड़ी बनकर उभरीं।

रूस के 15 साल के ग्रैंडमास्टर इवान जेमल्यान्स्कीया ने ओपन वर्ग का खिताब जीता। वह हालांकि इस टूनार्मेंट में फिडे के झंडे तले खेल रहे थे। उन्होंने नौ में से आठ अंक हासिल किये। ईरान के 15 साल के सिना मोहवेद 7.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

रूस के रुडिक मकरियन, कार्तिकेय और भारत के नीलाश साहा के नाम सात-सात अंक थे लेकिन मकरियान ने बेहतर टाईब्रेक स्कोर के बूते तीसरा जबकि कार्तिकेय ने चौथा और साहा ने पांचवां स्थान हासिल किया।

पूर्व ब्लिट्ज विश्व चैंपियन अलेक्जेंडर ग्रिसचुक और उनकी पत्नी तथा साथी ग्रैंडमास्टर कैटरीना लैगनो को क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता मिली थी। यह दोनों खिलाड़ी हालांकि अपने-अपने वर्गों में पोडियम स्थान (शीर्ष तीन में स्थान) हासिल करने में विफल रहे।खेल के इस तेज प्रारूप में बेहतर खिलाड़ी माना जाने वाले ग्रैंड मास्टर निहाल सरीन इस स्पर्धा में भाग नहीं लेने का फैसला किया। कजाकिस्तान की अलुआ नूरमन ने 7.5 अंकों के साथ रूस की वेलेंटिना गुनिना को पछाड़कर महिला वर्ग की चैंपियन बनी। चीन की युक्सिन सोंग ने बेहतर ट्राईब्रेक स्कोर के दम पर पद्मिनी से आगे रहते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

संक्षिप्त खबरें

हालैंड की वापसी के बावजूद मैनचेस्टर सिटी को कमजोर साउथेम्प्टन ने बराबरी पर रोका

लंदन, (एजेंसी) :एरलिंग हालैंड की लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी भी मैनचेस्टर सिटी को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीए) में जीत दिलाने में विफल रही जहां पहले ही रेलीगेट (निचली लीग में खिसकना) हो चुकी साउथेम्प्टन ने उसे गोलरहित बराबरी पर रोक दिया।

इस परिणाम के बाद मैनचेस्टर सिटी के लिए चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करना भी अधर में लटक गया। टीम पिछले कई सत्रों से आसानी से चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई कर ले रही थी लेकिन अब उसे अपने बचे हुए दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने के साथ अन्य मैचों के परिणाम पर निर्भर रहना होगा।सिटी की टीम 36 मैचों में 65 अंक के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल के नाम 35 मैचों में 67 अंक है। खिताब पक्का कर चुकी लीवरपूल 82 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है।दूसरे और सातवें स्थान की टीमों के बीच छह अंक का फासला है ऐसे इन सभी टीमों के पास चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा।

इस ड्रा मुकाबले से साउथेम्प्टन की टीम एक निराशाजनक रिकॉर्ड को अपने नाम करने से बच गयी। साउथेम्प्टन के नाम अब 36 मैचों में 12 अंक हो गये जबकि ईपीएल में सबसे कम अंक का रिकॉर्ड 2007-08 में डर्बी काउंटी के नाम है जिससे महज 11 अंक हासिल किये थे।अन्य मैचों में एस्टन विला ने ओली वाटकिंस के पहले हाफ में किये गोल की बदौलत बोर्नमाउथ 1-0 से हराया।

सोरलोथ के रिकॉर्ड हैट्रिक गोल से एटलेटिको मैड्रिड ने रीयाल सोसिएदाद को रौंदा

बासीलोना, (एजेंसी) :एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर अलेक्जेंडर सोरलोथ ने शुरूआती आधे घंटे में चार गोल करने के दौरान ला लीगा के इतिहास में सबसे तेज हैट्रिक का रिकॉर्ड बनाया, जिससे रीयाल

सोसिएदाद को 4-0 से करारी शिकस्त मिली। नार्वे के इस स्ट्राइकर ने मैड्रिड के मेट्रोपॉलिटन स्टेडियम में सातवें, 10वें और 11वें मिनट में गोल करके हैट्रिक पूरी की।

ऑप्टा स्टैटिस्टिक्स के अनुसार उनका यह हैट्रिक गोल ला लीगा में अब तक का सबसे तेज था। पिछला रिकॉर्ड 1941 में एडमंडो सुआरेज डी ट्रैबांको के नाम था जिन्होंने शुरूआती 15 मिनट में तीन गोल किये थे। इस जीत से एटलेटिको मैड्रिड ने 35 मैचों में 70 अंक के साथ तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। अन्य मैचों में पांचवें स्थान पर काबिज विलारीयाल ने 89वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी एटा एयोंग के गोल की मदद से गिरोना को 1-0 से हराया। सेल्टा विगो ने सेविला को 3-2 जबकि वालेंसिया ने गेटाफे को 3-0 से मात दी।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का निधन

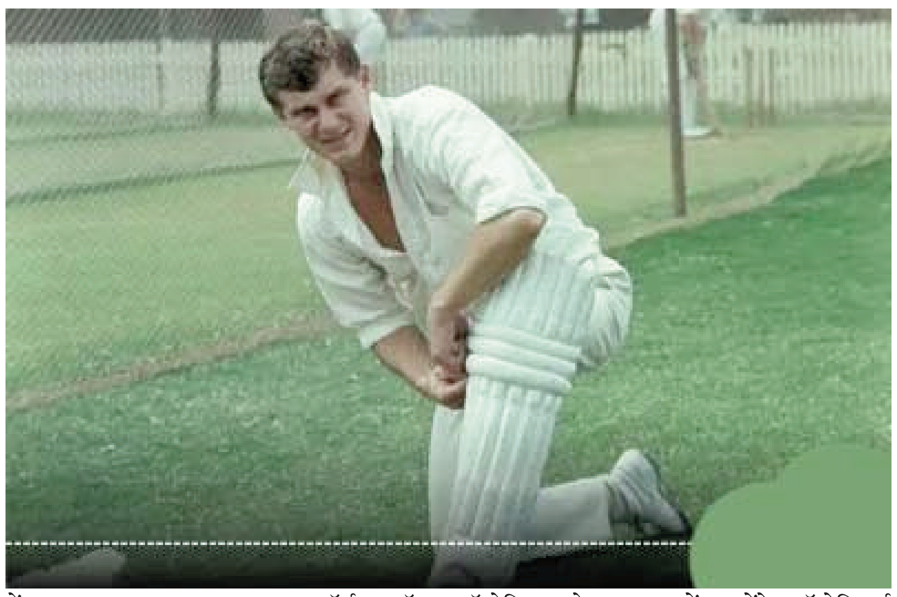

नई दिल्ली, (एजेंसी) :ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का रविवार को 84 वर्ष की उम्र में बीमारी से लड़ते हुए निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी डेल और बेटियां ओलिविया और सेरा हैं।

काउपर एक बेहद प्रतिभाशाली बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। वह अपनी आकर्षक बल्लेबाजी, धैर्य और बड़ी पारियां खेलने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। उनके करियर का सबसे यादगार पल 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेली गई 307 रनों की पारी थी। यह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट का पहला तिहरा शतक था और इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने एशेज भी अपने पास बरकरार रखी थी।

काउपर ने 1964 से 1968 के बीच 27 टेस्ट मैच खेले और 48.16 की औसत से 2061 रन बनाए, जिनमें पांच शतक शामिल थे। मात्र 28 साल की उम्र में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर व्यापार की दुनिया में कदम रखा।

विक्टोरिया की ओर से खेलते हुए उन्होंने 83 प्रथम श्रेणी मैच खेले और अपनी टीम के सफल दौर में बड़ा योगदान दिया। बाद में उन्होंने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में भी सेवा दी और क्रिकेट से जुड़े कई लोगों के लिए सलाहकार बने। 2023 में उन्हें क्रिकेट में उनके योगदान के लिए ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने शोक संदेश में कहा, हमें बॉब काउपर के निधन की खबर से गहरा दुख हुआ है। वह एक बेहतरीन बल्लेबाज थे और एमसीजी पर उनके तिहरे शतक को हमेशा याद रखा जाएगा। 1960 के दशक में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई और विक्टोरियन टीमों में बड़ी भूमिका निभाई। इसके अलावा, आईसीसी मैच रेफरी और सलाहकार के रूप में भी उन्होंने अहम योगदान दिया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से हम उनके परिवार, दोस्तों और साथियों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं।

घरेलू मैदान पर मुलर के आखिरी मैच में जीत के साथ बायर्न म्यूनिख ने बुंडेसलीगा खिताब का जश्न मनाया

बर्लिन, (एजेंसी) :दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी थॉमस मुलर के घरेलू मैदान पर आखिरी मैच में बोरूसिया मोनचेंग्लादबाक पर 2-0 की जीत के साथ बायर्न म्यूनिख ने बुंडेसलीगा (जर्मनी की शीर्ष घरेलू लीग) खिताब का जश्न मनाया। बायर्न के कप्तान मैनुअल नेउर ने ट्रॉफी उठाने के बाद उसे जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी मुलर को थमा दिया। मुलर ने टॉफी की ऊपर उठाकर जश्न मनाया।

बायर्न म्यूनिख के घरेलू मैदान पर जब इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने इस ट्रॉफी को पकड़ा तो एक बार फिर से भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। केन अपने करियर में कई बार खिताब के करीब पहुंच कर चूक गये हैं । यह शीर्ष स्तर पर उनके करियर की पहली ट्रॉफी है। बायर्न ने पिछले सप्ताह ही बुंडेसलीगा में रिकॉर्ड 34वां खिताब अपने नाम किया था।

केन ने मैच के 31वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलायी। वह 25 गोल के साथ लीग के मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी है। माइकल ओलिसे ने 90वें मिनट में मैच का दूसरा गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

भारतीय ट्रैप निशानेबाज शॉटगन विश्व कप में व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाने से चूके

निकोसिया (साइप्रस), (एजेंसी) :भारत के ट्रैप निशानेबाजों ने आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के व्यक्तिगत स्पधाओं के क्वालीफिकेशन में शनिवार को यहां निराशाजनक प्रदर्शन किया, जहां पुरुष और महिला वर्ग के छह निशानेबाजों में से कोई भी फाइनल में जगह पक्की करने में सफल नहीं रहा।ओलंपियन काइनान चेनाई 17वें स्थान के साथ भारतीय निशानेबाजों में सर्वश्रेष्ठ रहे। उन्होंने आखिरी दो दौर में 24 और 23 के निशाने लगाकर कुल 117 अंक बनाये। चेनाई ने इससे पहले शुरूआती तीन दौर में 24, 24, 22 का निशाना साधा था।

स्पेन के मैनुअल मर्सिया और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) की लाडा डेनिसोवा ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में शारदुल विहान और भवनीश मेंदीरत्ता क्रमशः 62वें और 65वें स्थान पर रहे।महिलाओं की स्पर्धा में कीर्ति गुप्ता, राजेश्वरी कुमारी और सबीरा हारिस की तिकड़ी भी फाइनल में जगह बनाने में विफल रहीं। ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा का आयोजन रविवार को होगा।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप में जीता कांस्य पदक

शंघाई, (एजेंसी) :भारत की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका कुमारी रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण दो में दुनिया की नंबर एक लिम सिहियोन से सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक के साथ सम्मान बचाने में सफल रहीं।

कोरिया की खिलाड़ी ने महिला रिकर्व व्यक्तिगत मुकाबले में दीपिका को 7-1 के अंतर से हराया। इस 21 साल की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ने पिछले साल येचियोन विश्व कप में भी दीपिका को अंतिम चार में शिकस्त दी थी।

भारत की 30 साल की तीरंदाज ने हालांकि सेमीफाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक के मैच में कोरिया की एक अन्य खिलाड़ी कांग चेन योंग के खिलाफ 7-3 की जीत के साथ पोडियम पर अपनी जगह पक्की की।

दीपिकी की इस जीत से भारत के पदकों की संख्या छह हो गयी। इसमें से पांच पदक शनिवार को कम्पाउंड वर्ग के तीरंदाजों ने जीते। मधुरा धामनगंकर ने इसमें व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ तीन पदक जीत कर तीन साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का जश्न मनाया।

दीपिका ने सेमीफाइनल में हार का सामना करने के बाद कांस्य पदक के मैच में अधिक धैर्य और रणनीतिक स्पष्टता दिखाई। पहला सेट 27-27 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन दीपिका ने दूसरे सेट में 28 अंक बनाकर 3-1 की बढ़त बना ली।

पूर्व विश्व चैंपियन कांग ने हालांकि वापसी करते हुए दीपिका के 27 के मुकाबले 30 अंक के साथ स्कोर को 3-3 से बराबर कर दिया।

चार बार ओलंपिक खेल चुकी दीपिका ने अनुभव का शानदार इस्तेमाल करते हुए तीनों निशाना 10 अंक पर साध कर 5-3 की बढ़त कायम किया। उन्होंने इसके बाद कांग के 28 के मुकाबले 29 अंक जुटाते हुए अपनी जीत पक्की कर ली भारत रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में दूसरे पदक की दौड़ में है। पार्थ सालुंके पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में कोरिया के दिग्गज किम वूजिन से 4-6 से हार गए । वह अब कांस्य पदक के लिए खेलेंगे।

हारिस ने नेशनल टेनिस रैंकिंग टूनार्मेंट में लगातार चौथा खिताब अपने नाम किया

प्रयागराज, (एजेंसी) : संत जोसफ कॉलेज के कक्षा 7 के छात्र हारिस खान ने सोनीपत हरियाणा में 05 से 10 मई तक आयोजित एआईटीए (चैम्पियनशिप सीरीज-7) अंडर-12 टेनिस टूनार्मेंट में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए एकल का खिताब अपने नाम किया। हारिस ने फाइनल में तमिलनाडु के श्रविन रुबेस को 6-1, 6-2 से सीधे सेटों से हराकर यह उपलब्धि हासिल की।इससे पहले सेमीफाइनल में हारिस ने हरियाणा के यश दहिया को 6-0, 6-1 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। हारिस ने अंडर-14 में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। अंडर-14 के सेमी फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के प्रथम सीडेड वेदांत शुक्ला को 6-4, 6-0 से सीधे सेटों में पराजित किया। अंडर-14 फाइनल में दिल्ली के रेयांश भल्ला के हाथों उन्हें 6-3, 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। परन्तु अपने जबरदस्त फोरहैंड और ड्राप शॉट्स से सभी का दिल जीत लिया। हारिस ने अंडर-14 (डबल्स) में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई और उप विजेता का खिताब जीता।

इस जीत के साथ हारिस ने अपने टेनिस कैरियर का लगातार चौथा एआईटीए चैम्पियनशिप का खिताब जीत कर यह दिखा दिया कि मेहनत और लगन से बड़ा से बड़ा लक्ष्य भी आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। उनकी इन उपलब्धियों पर उनके कोच सैफ इकबाल ने बधाई देते हुए आने वाले टूनार्मेंट में ऐसे ही प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें दी।

सिनर ने डोपिंग प्रतिबंध के बाद इटालियन ओपन में घरेलू दर्शकों के सामने जीत दर्ज की

रोम, (एजेंसी) :तीन महीने का डोपिंग प्रतिबंध पूरा करके लगभग 100 दिनों के बाद अपना पहला मुकाबला खेल रहे यानिस सिनर ने इटालियन ओपन टेनिस के पहले दौर में मारियानो नवोन को हराकर शानदार वापसी की।

सिनर ने घरेलू सरजमीं पर लगभग 10,500 दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में विश्व रैंकिंग में 99वें स्थान पर काबिज नवोन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया।

सिनर का यह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद से पहला मैच था। उन्होंने

कहा कि उन्हें खेले में वापसी का बेसब्री से इंतजार था। सिनर ने कहा, अद्भुत एहसास। मैंने इस पल का बहुत लंबे समय से इंतजार किया था।

सिनर के खेल को देख कर लगा ही नहीं कि वह तीन महीने से अधिक समय तक कोर्ट से दूर थे। उन्होंने शुरूआती सेट में अपने शानदार फोरहैंड और लाइन के करीब वाले ग्राउंड स्ट्रोक से नवोन पर दबदबा कायम करते हुए 3-1 की बढ़त बना ली। सिनक की यह लगातार 22वीं जीत है। वह पिछले साल अक्टूबर से अजेय है।सिनर ने फरवरी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के साथ एक समझौते में तीन महीने के प्रतिबंध पर सहमति व्यक्त की। वह इससे एक भी ग्रैंड स्लैम खेलने से नहीं चूके और उन्हें अपने घरेलू टूनार्मेंट में वापसी का मौका मिल गया। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि सिनर के साथ बहुत हल्का व्यवहार किया गया।

सिनर के सामने अब विश्व रैंकिंग में 93 वें स्थान पर काबिज नीदरलैंड के क्वालीफायर जेसपर डे जोंग की चुनौती होगी। जोंग ने 25वीं वरीयता प्राप्त पर काबिज एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 6-0, 6-2 से हराया। महिला वर्ग में तीन बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को डेनियल कोलिंस ने 6-1, 7-5 से हराकर उलटफेर किया।

12 May Page 10_Page 3.qxd 5/11/2025 7:36 PM Page 1

संक्षिप्त खबरें

परेशान व्यक्ति ने लाइसेंसी बंदूक से कुत्ते के मार दी गोली, हुई मौत

लखनऊ, (एजेंसी) :कई दिन से गली में घूम रहे कुत्ते से परेशान व्यक्ति ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से कुत्ते को गोली मार दी जिससे कुत्ते की मौत हो गई है । इस संबंध में पुलिस को अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के कासगंज के करारी वाली गली में कुत्ते आए दिन किसी न किसी व्यक्ति को काट रहे थे। बताया जाता है कि आज कुत्ते ने घर से निकलते ही सतीश के काट लिया जिससे सतीश को गुस्सा आ गया।

कुत्ते की इसी हरकत से परेशान होकर सतीश ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से कुत्ते को गोली मार दी जिस कारण कुत्ता गोली लगने से घायल हो गया। कुत्ते के गोली मारने की सूचना आस पड़ोस वालों ने डायल 112 पुलिस और पशु चिकित्सक को दी। पशु चिकित्सक की टीम ने कुत्ते को बचाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन वह कुत्ते की जान नहीं बचा सके। इस संबंध में अभी तक कासगंज कोतवाली में कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलते ही सतीश के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उधमपुर एयर बेस पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से एक जवान शहीद

श्रीनगर, (एजेंसी) :जम्मू-कश्मीर के उधमपुर एयर बेस पर संघर्ष विराम की घोषणा से कुछ समय पहले एक पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से एक जवान शहीद हो गया।

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि ड्यूटी पर तैनात एक राजस्थानी जवान शनिवार को उधमपुर स्थित एयर बेस पर आर्मी एयर डिफेंस की ओर से सफलतापूर्वक रोके गए पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में उसकी मृत्यु हो गयी।

उन्होंने बताया कि यह घटना भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम की घोषणा से कुछ घंटे पहले हुई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनू निवासी सुरेंद्र सिंह मोगा के रूप में शहीद हुए जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

त्रिपुरा की अदालत ने पांच बंगलादेशी नागरिकों को 12 दिन की जेल भेजा

अगरतला, (एजेंसी) :त्रिपुरा के उनोकोटी जिले के कैलाशहर की एक स्थानीय अदालत ने शनिवार को पांच बंगादेशी नागरिकों को बिना वैध दस्तावेजों के अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने के आरोप में 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार रात देपाछरा गांव से एक वर्षीय बच्चे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान, उन्होंने जिले के पेचारथल थाना क्षेत्र के मचमारा में रहने वाले दो अन्य लोगों के ठिकाने का खुलासा किया और पुलिस ने उन्हें भी तुरंत गिरफ्तार कर लिया।पुलिस पूछताछ के लिए आरोपियों को उन दो स्थानों पर ले गई, जहां बंगलादेशी नागरिक छिपे हुए थे और पता चला कि सभी पांच बंगलादेश मौलवीबाजार जिले के निवासी हैं और उनका भारतीय घरवालों से संबंध है। उन्हें शनिवार को उनाकोटी जिला न्यायालय में पेश किया गया, जिसने उन्हें 22 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कंट्रोल रूम पहुंचे उच्चाधिकारी, लिया आपातकालीन व्यवस्थाओं का जायजा

देहरादून, (एजेंसी) :उत्तराखंड में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव, गृह, शैलेश बगौली, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ शनिवार देर रात उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए)स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचे।

इस दौरान, उन्होंने कंट्रोल रूम में विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों के दौरान समन्वय करने तथा सूचनाओं का त्वरित गति से आदान-प्रदान करने में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका है, लिहाजा सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाना आवश्यक है।

इस अवसर पर सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर सचिव अभिषेक रुहेला, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबेदुल्लाह अंसारी, यूएसडीएमए के विशेषज्ञ मनीष कुमार भगत, हेमंत बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

अमृतसर हाई अलर्ट पर, जालंधर में स्थिति सामान्य

जालंधर, (एजेंसी) :पाकिस्तान के संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के पश्चात पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियों को देखते हुए पंजाब के जिला अमृतसर को हाई अलर्ट पर रखा गया है, जबकि जालंधर को छोड़ कर बाकि अधिकांश जिलों में ब्लैकआउट रहा।

अमृतसर के उपायुक्त द्वारा सुबह 5.24 बजे जारी एक बयान में कहा कि शहर अभी भी हाई अलर्ट पर है। उन्होंने कहा, हमने आपकी सुविधा के लिए बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है, लेकिन हम अभी भी हाई अलर्ट पर हैं। अब सायरन बजेगा, जो इस अलर्ट का संकेत देगा। कृपया अपने घर से बाहर न निकलें, घर के अंदर रहें और खिड़की से दूर रहें। उन्होंने कहा कि घबराये नहीं और निर्देशों का पालन करें।

उन्होने कहा, जब हमें हरी झंडी मिलेगी, तो हम आपको सूचित करेंगे। कृपया अनुपालन सुनिश्चित करें और घबराएं नहीं। इससे पहले, सुबह करीब 4:39 बजे उन्होंने लोगों को लाइट बंद रखने और खिड़कियों, बालकनियों, सड़कों और छतों से दूर रहने की सलाह दी थी।Kगौरतलब है कि पाकिस्तान ने

शनिवार को भूमि, वायु और समुद्र पर सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तुरंत रोकने के लिए बनी द्विपक्षीय सहमति का उल्लंघन किया। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की गई, लेकिन तीन घंटे में ही पाकिस्तान ने सीजाफायर का उल्लंघन किया। पंजाब के फिरोजपुर, गुरदासपुर, अमृतसर, फाजिल्का, पठानकोट, मुक्तसर, होशियारपुर, बरनाला, मोगा, संगरूर व तरनतारन में ब्लैकआउट किया गया। जालंधर में रातभर स्थिति सामान्य रही, यहां प्रशासन ने ब्लैकआउट नहीं किया। जिला उपायुक्त डॉ हिमांशु अग्रवाल ने आज सुबह जारी एक बयान में कहा, जालंधर में सब ठीक है। प्रामाणिक जानकारी के अनुसार, यहाँ चिंता की कोई बात नहीं है और यहाँ काम सामान्य रूप से शुरू हो सकता है। सुरक्षा बल लगातार निगरानी कर रहे हैं। अतिरिक्त सावधानी के तौर परः कृपया स्थानीय लोगों को पटाखे फोड़ने, ड्रोन उड़ाने और असत्यापित सोशल मीडिया संदेशों को फॉरवर्ड करने से रोकें। उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। यदि क्षेत्र में किसी भी खतरे की कोई सूचना मिलती है, तो हम तुरंत कार्रवाई करेंगे और आपको समय पर सूचित करेंगे।

बठिंडा में लोगों ने खुद ही ब्लैक आउट कर लिया, लेकिन बाद में प्रशासन ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए। अमृतसर एयरपोर्ट के आसपास ड्रोन मूवमेंट हुई है। तरनतारन जिले के गांव खालड़ा और भगवानपुरा में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन द्वारा हमले लिए गए। जिनको भारतीय सेना ने हवा में ही विफल कर दिया।

भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन आतंकी ढांचे पर कार्रवाई जरूरी थी: डोभाल

नई दिल्ली/बीजिंग, (एजेंसी) :राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कल रात चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य एवं विदेश मंत्री वांग यी से टेलीफोन पर बात की और कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आतंकी ढांचे पर कार्रवाई करना जरूरी थी, लेकिन युद्ध करना भारत का चयन नहीं है। सूत्रों के अनुसार श्री डोभाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बड़ी संख्या में भारतीय हताहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत को आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करने की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि युद्ध भारतीय पक्ष का चुनाव नहीं है और यह दोनों पक्षों के हित में नहीं है।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई रोकने की पहल की है और भारत ने इसे स्वीकार किया है। उम्मीद है कि जल्द से जल्द क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बहाल होगी।चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार चीन के विदेश मामलों के आयोग के कार्यालय के निदेशक श्री वांग यी ने उम्मीद व्यक्त की कि भारत और पाकिस्तान शांत और संयमित रहेंगे, बातचीत और परामर्श के माध्यम से मतभेदों को ठीक से संभालेंगे और स्थिति को अनियंत्रित होने से बचाएंगे।श्री वांग यी ने कहा कि चीन भारत और पाकिस्तान के बीच परामर्श के माध्यम से व्यापक और स्थायी संघर्ष विराम का समर्थन करता है । यह दोनों देशों के मौलिक हित में है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की समान आकांक्षा को पूरा करता है।श्री वांग यी ने यह भी कहा कि चीन पहलगाम में आतंकवादी हमलों की निंदा करता है और सभी प्रकार के आतंकवाद का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया परिवर्तन और उथल-पुथल दोनों से गुजर रही है। एशिया में शांति और स्थिरता को हर हाल में बनाये रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान ऐसे पड़ोसी हैं जिन्हें दूर नहीं किया जा सकता है, और वे दोनों चीन के पड़ोसी हैं।

केन-बेतवा नदी परियोजना से सवा लाख हेक्टर कृषि भूमि को मिलेगा लाभ: मोहन यादव

इंदौर, (एजेंसी) :मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को इंदौर में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं की जानकारी साझा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत देश में अग्रणी है और इस दिशा में किए गए कार्य वैश्विक स्तर पर सराहे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इंदौर में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की और अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में चल रहे बावड़ी संवर्धन कार्यों की प्रशंसा की।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जल संरक्षण के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा, ह्नहमने नदी जोड़ो अभियान के तहत ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना, चंबल योजना और हाल ही में महाराष्ट्र सरकार के साथ तृप्ति नदी के जल संग्रहण की योजना इसका उदाहरण है। हमारी सरकार ने जल और नदी संरक्षण के लिए तीन महीने का अभियान शुरू किया है, जो 30 जून तक चलेगा। सत्ता में आने के बाद से हमने पानी पर व्यापक काम किया है।

उन्होंने बताया कि इस योजना से मध्य प्रदेश में सवा लाख हेक्टेयर कृषि

भूमि को लाभ मिलेगा और महाराष्ट्र को भी इसका फायदा होगा। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश के इन प्रयासों को पूर्ण समर्थन दिया है।सीएम मोहन यादव ने इंदौरवासियों की सक्रियता को सराहते हुए कहा, ह्नअहिल्या बाई की 300वीं जयंती के अवसर पर बावड़ी संवर्धन जैसे कार्यों में इंदौर ने अनुकरणीय योगदान दिया है। मैं इंदौरवासियों का धन्यवाद करता हूं। राज्य सरकार हर ऐसे कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाएगी, जो सामाजिक और पर्यावरणीय विकास को बढ़ावा दे।इसके अलावा, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की स्थिति को स्पष्ट करते हुए पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ह्नभारत किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ नहीं है। हमने कभी नहीं कहा कि हम पाकिस्तान पर बमबारी करेंगे या उनके ठिकानों पर हमला करेंगे। लेकिन अगर हमारा पड़ोसी बार-बार उकसाने वाली हरकतें करता है, तो क्या हम चुप बैठेंगे?उन्होंने चीन से अपील की कि वह पाकिस्तान को जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित करे, क्योंकि पाकिस्तान के मिसाइल और हथियार प्रणालियों में चीन का बड़ा निवेश है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानूनों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भारत शांति और सहयोग के पक्ष में है, लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए कदम उठाने में भी सक्षम है।

ट्रेन से जा रहे थे सेना के जवान, टीटी ने वसूल लिए पैसे, रेलवे ने किया सस्पेंड

इंदौर(एजेंसी) : पाकिस्तान से चल रहे संघर्ष के बीच छुट्टी पर घर गए फौजियों को भारतीय सेना ने वापस बुला लिया है. ऐसे में हर कोई आनन-फानन में अपने-अपने रेजिमेंट में पहुंच रहा है. सोशल मीडिया पर भी घर से ड्यूटी जा रहे सैनिकों को सीट देने को लेकर लोगों से अपील की जा रही है. लेकिन इस बीच एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है, जहां कुछ फौजियों ने आरोप लगाया है कि वह जब ट्रेन से ड्यूटी पर जा रहे थे तो टीटीई ने उनसे रिश्वत ली और बदसलूकी की. ये सभी फौजी इंदौर से जम्मू जा रहे थे.

वहीं जब घटना का खुलासा हुआ तो सबसे पहले टीटीई को सस्पेंड कर दिया गया और मामले की जांच शुरू कर दी गई. इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें रेलवे कर्मचारी पैसे लेने के आरोपों को नकार रहा है.

भारत- पाकिस्तान तनाव के बीच भारतीय सेना के जवान से ट्रेन में टीटीई द्वारा रिश्वत मांगने का वीडियो सामने आया है. जिसकी शिकायत रेल मिनिस्ट्री से जवान सहित अन्य लोगों के द्वारा की गई। घटना पर संज्ञान लेते हुए रेलवे ने टीटीई को सस्पेंड कर दिया है. दरअसल, ग्वालियर के रहने वाले सूबेदार विनोद कुमार दुबे के द्वारा रेलवे को पर पोस्ट के जरिये शिकायत की गई. जिसके तहत बताया गया कि वह सेना में सूबेदार हैं. भारत पाकिस्तान तनाव के चलते आपातकालीन स्थिति में उन्हें ग्वालियर से जम्मू ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए जाना था. ऐसी स्थिति में उन्होंने मालवा एक्सप्रेस से सामान्य टिकट पर यात्रा शुरू कर दी, जब वह सोनीपत और पानीपत के बीच पहुंचे तब वहां ट्रेन में ळळए दलजीत सिंह ने उनसे टिकट मांगा.

जब उन्होंने अपना जनरल टिकट और आर्मी का आई कार्ड दिखाया और ड्यूटी के लिए जम्मू आपातकालीन ड्यूटी पर जाने के बात बताई तो उन्होंने जुमार्ने की बात कही. ऐसी स्थिति में जुमार्ना भरने या फिर जनरल कोच में जाने के लिए कहा. इस दौरान विनोद कुमार दुबे ने यह भी आरोप लगाया है कि उनके साथ यात्रा कर रहे अग्नि वीर जाहीर खान से ळळए ने डेढ़ सौ रुपए की रिश्वत ली. टिकट देने की बजाय जनरल टिकट पर ही कुछ लिख दिया और रसीद भी नहीं बनाई. इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है,इस दौरान ळळए ने सेना जवान बताए जाने के बावजूद भी उन्हें जेल भेजने की धमकी दी,जबकि विनोद कुमार दुबे ने बॉर्डर पर अर्जेंट जाने की बात बताई.

इस परेशानी के बाद उन्होंने पर पोस्ट कर रेल मिनिस्ट्री से शिकायत की है. घटना के बाद रेलवे ने एक्शन लिया है. रेलवे ने पर पोस्ट कर ळळए को तत्काल सस्पेंड करने की जानकारी दी है. आपको बता दें कि सेना में सूबेदार विनोद कुमार दुबे ग्वालियर के रहने वाले हैं और वह 25 दिन की छुट्टी पर घर आए हुए थे. उन्हें 12 मई को वापस जाना था, इसके लिए उन्होंने नियम अनुसार रिजर्वेशन टिकट भी बुक करवा रखा था. लेकिन अचानक भारत पाकिस्तान तनाव के चलते छुट्टियां निरस्त कर दी और उन्हें 9 मई को रवाना होने के आदेश हुए थे

कोई ट्रम्प को बताए कश्मीर हजार साल पुराना मसला नहीं है : तिवारी

चण्डीगढ़, (एजेंसी) :कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने की पेशकश करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह कोई ₹बाइबिल का 1000 साल पुराना संघर्ष नहीं है। यह तो सिर्फ 78 साल पहले शुरू हुआ था।

मनीष तिवारी ने एक्स पर एक पोस्ट किया अमेरिका में किसी को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह बताना चाहिए कि कश्मीर कोई 1000 साल पुराना मुद्दा नहीं है। इसकी शुरूआत 22 अक्टूबर 1947 को हुई थी। यानी 78 साल पहले। तब पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर पर हमला किया था। महाराजा हरि सिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को इसे भारत को सौंप दिया था। इसमें वो इलाका भी शामिल है, जिस पर पाकिस्तान ने कब्जा कर रखा है। क्या इस बात को समझना इतना मुश्किल है?

कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक की मांग की, पीएम मोदी भी बैठक में आएं

वहीं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम को लेकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की

मांग की है। जयराम रमेश ने कहा, ₹भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एक बार फिर यह मांग करती है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर, और पहले वॉशिंगटन डीसी और उसके बाद भारत और पाकिस्तान की सरकारों द्वारा घोषित किए गए संघर्षविराम के विषय पर संसद का विशेष सत्र आयोजित किया जाए, ताकि इन सभी मुद्दों पर व्यापक चर्चा हो सके।जयराम रमेश ने आगे कहा, कांग्रेस पार्टी का मानना है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए तटस्थ मंच की बात की है। इससे कई सवाल उठते हैं। क्या हमने शिमला समझौते को छोड़ दिया है? क्या हमने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए दरवाजा खोल दिया है? कांग्रेस पार्टी यह भी जानना चाहती है कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक रास्ते फिर से खुल रहे हैं? हमने पाकिस्तान से क्या वादे लिए हैं और हमें क्या मिला है?

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का स्वागत

कांग्रेस का यह बयान तब सामने आया है राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अगर शांति नहीं होती तो लाखों लोग मर सकते थे। अमेरिकी राष्ट्रपति का इशारा दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध की संभावना की ओर था। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था, मुझे भारत और पाकिस्तान के मजबूत नेतृत्व पर गर्व है। उन्होंने यह समझने की ताकत दिखाई कि मौजूदा लड़ाई को रोकना जरूरी है। इससे बहुत से लोगों की जान बच सकती थी। लाखों निर्दोष लोग मर सकते थे! आपके इस साहसी कदम से आपकी विरासत और भी मजबूत होगी।

कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता करने की भी पेशकश

ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ने शांति स्थापित करने में मदद की है। उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता करने की भी पेशकश की। मैं आप दोनों के साथ मिलकर यह देखने की कोशिश करूंगा कि क्या हजार सालों के बाद कश्मीर को लेकर कोई समाधान निकाला जा सकता है। भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को भगवान का आशीर्वाद मिले! उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है!!!

कश्मीर पर भारत तीसरे पक्ष को नकारता है

बता दें कि भारत ने हमेशा से जम्मू और कश्मीर के मुद्दे पर किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को नकारा है। भारत ने हमेशा कहा है कि यह क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है। भारत का रुख स्पष्ट है कि वह किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं चाहता।

लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का उद्घाटन, सीएम योगी बोले- आतंकवाद को पूरी तरह कुचलना ही समाधान

लखनऊ, (एजेंसी) :रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को वर्चुअल माध्यम से लखनऊ में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल उत्पादन यूनिट का उद्घाटन कर दिया है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई नेता मौजूद रहे।

इस दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, ह्नआपने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल की एक झलक देखी होगी। अगर नहीं देखी तो पाकिस्तान के लोगों से ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत के बारे में पूछिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि आगे से आतंकवाद की कोई भी कार्रवाई युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी। आतंकवाद की समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता है, जब तक हम इसे पूरी तरह से कुचल नहीं देते। आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सभी को पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक स्वर में लड़ना होगा। आतंकवाद कभी भी प्यार की भाषा नहीं अपना सकता। उसे उसी की भाषा में जवाब देना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पूरी दुनिया को संदेश दिया है।ह्व

दरअसल, लखनऊ में नई ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन फैसिलिटी शुरू हुई है, जो भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत करेगी। यह यूनिट प्रतिवर्ष 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइलें बनाएगी।

300 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस यूनिट में ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जाएगी, जो 290-400 किमी की रेंज और 2.8 मैक की गति से सटीक हमला कर सकती है। यह मिसाइल भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया के संयुक्त उद्यम, ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित की गई है। इसे जमीन, समुद्र या हवा से लॉन्च किया जा सकता है और यह फायर एंड फॉरगेटह्व सिस्टम पर काम करती है।

इसके अलावा, यूनिट हर वर्ष 100 से 150 अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस मिसाइलें भी बनाएगी। अधिकारियों के अनुसार, ये नए संस्करण एक वर्ष के भीतर डिलीवरी के लिए तैयार हो जाएंगे।

इसके अलावा, अगली पीढ़ी की मिसाइल का वजन 2,900 किग्रा से घटाकर 1,290 किग्रा किया गया है और इसकी रेंज 300 किमी से अधिक होगी। इससे सुखोई जैसे लड़ाकू विमान, जो अभी एक मिसाइल ले जाते हैं, तीन मिसाइलें ले जा सकेंगे।

यह यूनिट 2018 में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित रक्षा औद्योगिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। 2021 में इसका शिलान्यास हुआ था और उत्तर प्रदेश सरकार ने 80 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध करवाई थी। यह यूनिट मात्र साढ़े तीन साल में बनकर तैयार हुई है।

संक्षिप्त खबरें

बलियापुरः सड़क दुघर्टना में चार लोग गंभीर रूप से घायल

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः गोविंदपुर बलियापुर मुख्य सड़क मार्ग पांडेयडीह के पास रविवार को हुई सड़क दुघर्टना में एक बच्चा समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों में पिंटू रजवार उदयपुर पुरूलिया, गौतम रजवार कहारडीह चंदनकियारी, त्रिलोचन रजवार फतेहपुर पुरूलिया व तीन वर्षीय बच्चा देव रजवार उदयपुर पुरूलिया शामिल हैं। चारों घायल चौकटांड़ निवासी किरण रजवार के बहन की शादी में भाग लेने आए थे। अपराहन 3:30 बजे एक बाइक पर सवार होकर पांडेयडीह बड़ा तालाब स्नान करने आए हुए थे। स्नान कर सभी इसी बाइक पर सवार होकर चौकटांड़ लौट रहे थे। इसी बीच सिंदूरपुर पंचायत के पांडेयडीह के पास गोविंदपुर की ओर से तेज गति से आ रही एक स्विफ्ट कार में धक्का मार दिया। जिससे बाइक सवार सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर पाकर आशीष महतो, श्यामल पांडेय, देवाशीष पांडेय, खगेन पांडेय, सुजीत मुखर्जी, महेश रजवार, राजू रजवार, देवीलाल मांझी, लखन रजवार, परमेश्वर महतो, महफीज अंसारी अगल-बगल के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। 108 एम्बुलेंस से इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेमोरियल अस्पताल भेज दिया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही हैं। घटनास्थल पर लोगों की काफी भीड़ जुट गई। आक्रोशित लोगों ने घटनास्थल पर सड़क जाम कर दिया। जिससे सड़क पर दोनों और वाहनों की कतार लग गई। लोग घायलों की इलाज की मांग कर रहे थे। बलियापुर पुलिस ने बाइक व स्विफ्ट कर को जप्त कर लिया।

शिशु विद्या मंदिर बलियापुर में पुरस्कार वितरण समारोह

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः शिशु विद्या मंदिर बलियापुर में रविवार को तेज कोचिंग क्लासेस बलियापुर शाखा की ओर से क्विज प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें पहाड़पुर, डांगापाड़ा, शीतलपुर, शिशु विद्या मंदिर बलियापुर, प्लस टू हाई स्कूल बलियापुर समेत पन्द्रह स्कूलों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री तारा देवी, विशिष्ट अतिथि उप प्रमुख आशा देवी, जिप सदस्य उषा महतो, प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक, मुखिया विजय गोराई, पंसस दिवाकर महतो ने प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण किया। तारा देवी ने कहा कि बलियापुर जैसे सुदूर ग्रामीण इलाकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उसे निखारने की जरूरत है। मौके पर रामानुज प्रसाद, शत्रुघ्न महतो, स्वपन कुमार महतो, मुकेश महतो, सूरज विश्वकर्मा, श्याम मोदक, दिनेश महतो, सोनू महतो, सोमेन महतो, अजय गोप शामिल हैं। इनमें शिक्षा कुमारी, आरूष कुमार, सोना गोराई, उत्तम महतो, कुणाल मंडल अव्वल रहे।

बलियापुर के पिंटू महतो झारखंड कब्बड्डी टीम में बेहतर प्रदर्शन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

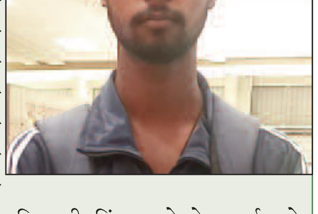

बलियापुरः महाराष्ट्र के विदर्भ में चल रहे तीन दिवसीय 51वीं राष्ट्रीय जुनियर कबड्डी प्रतियोगिता के पहले दिन शुक्रवार को झारखंड की टीम का दबदबा रहा। झारखंड की टीम ने पहले मुकाबले में तेलंगाना की टीम को 23 अंकों से हराया। जबकि झारखंड की टीम ने 46 अंक हासिल किया। झारखंड की टीम में शामिल बलियापुर गांव की किसान कोकिल महतो के पुत्र खिलाड़ी पिंटू महतो के प्रदर्शन से बलियापुर एवं सिंदरी के खिलाड़ियों में हर्ष है। खिलाड़ी पिंटू महतो ब्रह्म ऋषि कबड्डी टीम सिंदरी के खिलाड़ी है। इसके सचिव अंगद सिंह व कोच शिवसागर का कहना है की सुदूर ग्रामीण इलाकों में छुपे प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का काम करती है। झारखंड टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए टीम के खिलाड़ियों के साथ-साथ बलियापुर के कबड्डी खिलाड़ी पिंटू महतो को लोगों ने बधाई दी। बधाई देने वालों में भाजपा नेत्री तारा देवी, कुणाल कुशवाहा, हरीश कुमार आदि शामिल है।

सखिया फाउंडेशन व साथी फाउंडेशन के संयुक्त तथावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन

धनबादः रविवार को मदर्स डे के अवसर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन सखियां फाउंडेशन एवं साथी फाउंडेशन के तत्वाधान में एसजेएएस सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में किया गया। जिसमें मुख्य अथिति के रूप बी जे के एम एस के महामंत्री एवं कांग्रेस के महा सचिव रणविजय सिंह, जिलापरिषद चेयरमैन शारदा सिंह,श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह,युवा संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष दिलीप सिंह, भाजपा नेता मिल्टन पार्थसारथी, के द्वारा संयुक्त रूप से शिविर का शुभारंभ कराया गया।सभी अतिथियों को एसजेएएस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ.जितेंद्र कुमार सिंह ने बुके और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वहीं डोनर में अरपीएफ बटालियन के सदस्य लोग भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिऐ और एक युवती जिसने पहली बार ब्लड डोनेट किया, सभी डोनर को सर्टिफिकेट और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सखियां फाउंडेशन की अध्यक्ष भारती दुबे,सचिव फिरदौस अफशान, साथी फाउंडेशन संस्था के फाउंडर सचिव इरफान आलम, आर पी एस एफ इंस्पेक्टर अरुण दुबे,ब्लड डोनार के इंचार्ज सुदीप पाण्डेय उपस्थित रहे।

बीआईटी सिंदरी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर तकनीक, संस्कृति और नवाचार का भव्य उत्सव

सिंदरीः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में बीआईटी सिंदरी के प्रांगण में तकनीकी प्रगति, सांस्कृतिक उत्साह और नवाचार को समर्पित तीन प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो विद्यार्थियों की रचनात्मकता, तकनीकी दृष्टिकोण और नेतृत्व क्षमता को उजागर करते हैं। क्लब द्वारा आयोजित यह एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसका उद्देश्य प्रथम वर्ष के छात्रों का स्वागत करना और उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना था। रंगारंग प्रस्तुतियों और रचनात्मकता से भरा यह कार्यक्रम नवागंतुक छात्रों के लिए एक यादगार अनुभव रहा। धातुकर्म अभियांत्रिकी विभाग द्वारा

आयोजित यह कार्यक्रम धातु विषय पर आधारित था। इसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, तकनीकी प्रदर्शनी और छात्र परियोजनाओं की प्रस्तुति शामिल रही, जो धातुकर्म की भविष्य में भूमिका को रेखांकित करता है। छात्रों ने अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए सामाजिक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए। उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ₹विकसित भारत₹ दृष्टिकोण पर चर्चा हुई, जिससे प्रतिभागियों को नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान हेतु प्रेरणा मिली। यह कार्यक्रम प्रो. पंकज राय, निदेशक, बीआईटी सिंदरी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। डॉ. एससी दत्ता कार्यक्रम के संयोजक तथा मो. अकरम खान सह-संयोजक रहे।आईआईटी-आईएसएम धनबाद, ने छात्रों को सीमाओं से परे सोचने और सामाजिक समस्याओं के प्रभावी समाधान ढूंढ़ने हेतु प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. डीके सिंह, कुलपति, झारखंड तकनीकी विश्वविद्यालय , रांची, ने नवाचार और नेतृत्व पर अपने विचार साझा किए। दीपक कुमार, निदेशक, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया, सिंदरी, ने सरकारी फंडिंग और स्टार्टअप्स पर प्रकाश डालते हुए उद्यमिता को बढ़ावा देने की बात की।

मासूम मलिक, निदेशक, टेक्निक्स इंडिया, ने मेड इन इंडिया तकनीकों पर प्रेरणादायक बातें साझा कीं।प्रो.घनश्याम, अध्यक्ष, करियर विकास प्रकोष्ठ ने छात्रों को अनुशासन और निरंतर प्रयास की महत्ता समझाई।

एक ही परिवार के 10 लोग सड़क हादसे का शिकार, 2 की स्थिति गंभीर

झरिया : झरिया थाना क्षेत्र के सब्जी बागान शिव मंदिर के समीप रहने वाले एक ही परिवार के 10 लोग रविवार को सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। जिसके बाद घायलों को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया। जहां घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

मुजुठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे परिवार के सदस्य। झरिया सब्जी बागान शिव मंदिर के समीप रहने वाले एक ही परिवार के 10 लोग रंजीत रवानी की बहन के गिरिडीह स्थित ससुराल मे बच्चे की मुजुठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ऑटो से गिरिडीह जा रहे थे। इसी दौरान बिरनी के समीप एक अनियंत्रित सवारी ऑटो ने इनके ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बिरनी के सीएचसी ले जाया गया। जहां से घायलों की स्थिति को गंभीर देखते हुए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर कर दिया । जहां घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायलों में 6 महिला, 1 बच्ची, 1 बच्चा व 2 पुरूष शामिल है।ये लोग हुए घायल। हादसे में मुख्य रूप से लालपरी देवी, मंजू देवी, रंजीत रवानी, प्रेरणा, खुशबू देवी, हंस समेत अन्य लोग शामिल है ।

धूमधाम से मनाई गई महर्षि मेंही परमहंस महाराज की जयंती

खूंटी : महर्षि मेंही आश्रम मलियादा और शांतिपुरी मुरहू में महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज की 1 41 वीं जयंती रविवार को धूमधाम से मनाई गई।कार्यक्रम की शुरूआत प्रभातफेरी से की गई। काफी संख्या में सत्संगियों ने भक्तिभाव से प्रातः काल में ही बंदगांव और मुरहू के मुख्य मार्गों पर प्रभातफेरी निकाली। साथ ही भारत माता की जय, सद्गुरु महाराज की जय, धर्म की जय हो, गौ माता की जय, मानव-मानव एक हैं सहित अन्य जयकारे लगा रहे थे।आश्रम पहुंचकर सद्गुरु महाराज के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई। स्तुति, प्रार्थना और ग्रंथ पाठ के पश्चात सत्संग कार्यक्रम में गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

स्वामी लक्ष्मणजी महाराज ने कहा कि गुरुदेव का अवतरण मानवता के कल्याण के लिए हुआ। सद्गुरु महाराज सभी प्राणियों को भगवान की संतान मानते थे।सभी की सेवा करने के लिए मनुष्य का जीवन है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव का कहना है कि स्वावलंबी जीवन जीना चाहिए। साथ ही सदाचार और शाकाहार जीवन ईश्वर की भक्ति करते हुए जीना चाहिए। बुराइयों से सदैव दूर रहना चाहिए।परमात्मा को प्राप्त करने, जीवन में सुख पाने के लिए गुरु की बताये भक्ति मार्ग पर चलकर ही पूर्ण कल्याण हो सकता है। स्वामी गुलाब जी महाराज ने कहा कि गुरुदेव साक्षात ईश्वर के अवतार थे। उनके द्वारा कई चमत्कार हुआ है, जिसमें कितनों का दुःख दूर हुआ है।कई संस्मरणों के माध्यम से गुरु महाराज के कार्यकलापों का उन्होंने बखान किया।

महाराज ने कहा कि अपने सद्गुरु पर अटूट विश्वास करना चाहिए, तभी खुशहाली आएगी। लोदरो बाबा, मुरलीधर ब्रह्मचारी, दिगंबर दास आदि ने भी सदगुरुदेव की महिमा बताई तथा सभी को निश्छल भाव से भक्ति करने की बात कही।कार्यक्रम में चक्रधरपुर, खूंटी, तमाड़, बंदगांव आदि स्थानों के सत्संगी पहुंचे थे। मौके पर डॉ डीएन तिवारी, संजय कुमार, जूरन मुंडा सहित अन्य मौजूद थे।

मोबाइल मांगने की छोटी सी बात पर राहुल नामक युवक पर हुआ जानलेवा हमला

झरिया : जोड़ापोखर थाना अंतर्गत हांडी पट्टी निवासी राहुल हांडी ने वहीं के रहने वाले एक युवक अनिकेत ने छोटी सी बात पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया. राहुल हांडी ने बताया कि उसका भाई का मोबाइल उस युवक से मांगने पर हमला किया गया. उक्त मामले पर जोड़ापोखर थाना प्रभारी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है, जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी. सिंदरी के भाजपा नेता शैलश सिंह व रवि कुमार ने आमजनों से अपील की है कि वह परिवार के बच्चों सहित नौजवानों को जरूरत को छोड़ आम समय में उन्हें हमेशा मोबाईल से अलग रखें,ताकि भविष्य में उनके साथ इस तरह की घटना न घटें.

निरसा हाईवा परिवहन स्वावलंबी सहकारी समिति ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

निरसा : जामताड़ा रोड हाड़ियाजाम स्थित निरसा हाईवा परिवहन स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड कार्यालय में रविवार की सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।जहां प्रेस को संबोधित करते हुए एसोसिएसेन के अध्यक्ष उज्जवल तिवारी एवं संरक्षक संजय सिंह के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि वर्तमान में हाइवा मालिकों की स्थिति बहुत ही दयनीय बनी हुई है। हाइवा का परिवहन लगभग ना के बराबर हो चुका है। फलस्वरूप गाड़ीमालिको का रोजिरोजगार पूरी तरह से बाधित हो चुका है। गाड़ीमालिक सुचारू रूप से अपना घर परिवार का भरन पोषण नहीं कर पा रहा है। जिसे देख पिछले दिनों सभी मालिकों के द्वारा बैठक कर एक निर्णय लिया गया है कि एमपी एल के वादा खिलापी और मन मानी रवैया के खिलाफ अपने हक और अधिकार के लिए जोरदार आंदोलन किया जाएगा। जिसके तहत सोमवार शाम गेट के समीप मशाल जुलुश निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

हर बार हम लोगों के द्वारा आंदोलन किया जाता है परंतु ट्रांसपोर्टर के द्वारा सामूहिक बैठक कर आश्वासन देते हुए हमारे आवाज को दबा दिया जाता है। परंतु इस बार हम सभी गाड़ी मालिकों ने यह ठान ली है कि किसी प्रकार के बहकावे में नहीं जाना है।इसबार आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। आगर जरूरत पड़ी तो रेलवे ट्रैक को भी रोका जाएगा। हर हाल में अपना हक और अधिकार लेके ही रहेंगे।

वहीं उन्होंने यह भी कहा कि हाइवा मालिक राजनीत के शिकार हो रहे हैं।

कुछ ऐसे राजनीतिक दल के नेता के इशारे पर ट्रांसपोर्टर अपना दबंगई नीति अपना रहा है।सटीक समय आने पर नेता का नाम उजागर करने के साथ साथ उनको भी सबक सिखाने का काम हाइवा मालिकों के द्वारा जरूर किया जाएगा।

रेलवे ट्रैक के किनारे शव बरामद

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः प्रधानखंता स्टेशन छाताकुल्ही के समीप रेलवे ट्रैक किनारे बलियापुर पुलिस वृद्ध का शव बरामद किया। रेलवे ट्रैक किनारे शव देखने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना बलियापुर पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। शव की पहचान नहीं हो सकी है। वृद्ध व्यक्ति ब्लू टी शर्ट पहना हुआ था।

लोदना के युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

झरिया : लोदना ओपी क्षेत्र के एनएस लोदना12 नंबर निवासी सीताराम नोनिया के छोटे पुत्र मनीष कुमार नोनिया 25 का निरसा में रविवार को सड़क दुघर्टना में मौत हो गई। सूचना मिलते ही मुहल्ले में मातम पसर गया है। वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। घटना की सूचना पाकर परिजन निरसा पहुंच गए हैं।मृतक मनीष का विवाह बीते 28 अप्रैल को आसनसोल के राधेपुर में हुआ था।

15 जून को कॉ. एके रॉय की प्रतिमा का होगा अनावरण

धनबादःरविवार को कॉ. एके रॉय स्मारक समिति की बैठक स्मारक समिति अध्यक्ष कॉ. हरि प्रसाद पप्पू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।बैठक में दिशानिर्देश करने हेतु स्मारक समिति के संरक्षक पूर्व विधायक कॉ. आनन्द महतो उपस्थित थे।बैठक सम्राट चौधरी आवासीय कार्यालय रूबी सर्कुलर रोड धनबाद में किया गया, जिसमें जानकारी दिया गया है, कि हमारे लोकप्रिय नेता पूर्व सांसद कॉ. एके रॉय की मूर्ति का अनावरण 15 जून को किया जायेगा। जिसमें वाम दलों तथा इंडिया घटक के कई बड़े राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय नेतागण सहित जिला के कई विधायक हिस्सा लेंगे। कोशिश की जा रही है कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल कराया जाएगा। इन सब के लिए आमंत्रण पत्र और सम्पर्क का कार्य 20 मई, देशव्यापी हड़ताल के बाद शुरू कर दिया जाएगा।

बैठक में समिति के सचिव सत्यनारायण कुमार, आनन्द मय पाल, भारत भूषण, राम कृष्णा पासवान, बिन्दा पासवान, सम्राट चौधरी के अलावे अजय महतो, एके मिश्रा, आरपी महतो, लिलामय गोस्वामी, विश्वाजीत रॉय, राजेश बिरूवा, भूषण महतो तथा कई अन्य साथी उपस्थित थे।

झरिया के व्यवसायी महेंद्र भागनिया का हृदयघात से निधन

झरिया : झरिया के सब्जी पट्टी निवासी सह व्यवसायी महेंद्र भागनिया जिनका रविवार की शाम हृदयघात होने से निधन हो गया.बताया जाता है कि रविवार की दोपहर का खाना खाकर महेंद्र भागनिया अपने घर में सोए थे और जब परिजनों ने उन्हें लगभग 7 बजे शाम में उठाया तो वह नहीं उठे. सोए अवस्था मे ही उनका हृदयाघात हुआ, जिसके कारण उनका निधन हो गया, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई.

धनबाद डेंटल क्लीनिक का उद्घाटन

धनबाद : धनबाद के बरटांड़ बस स्टेंड के समीप बीओबी बीओआई बिल्डिंग में धनबाद डेंटल क्लीनिक का उद्घाटन हुआ। यहां डेंटल और कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. सुष्मिता, डॉ. अंजनी शुक्ला एमडी स्किन और फेशियल सर्जन डॉ. विकास कुमार का सेवा उपलब्ध होगा।

उद्घाटन के अवसर पर डॉ. विकास कुमार ने बताया कि यहां दांतों के साथ अन्य चिकित्सा सुविधा अनुभवी चिकित्सकों द्वारा किफायती दरों पर उपलब्ध होगा।धनबाद डेंटल क्लीनिक के उद्घाटन पर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव रविंद्र वर्मा,डॉ. बालेश्वर प्रसाद कुशवाहा, जमीर आरिफ, इरफान आलम, मानव अधिकार प्रोटेक्शन धनबाद के सचिव जगदीश प्रसाद राय आदि ने शुभकामना देते हुए धनबाद वासियों को बेहतर सुविधा मिलने की अपेक्षा व्यक्त की।

संक्षिप्त खबर

सोई रही मैथन पुलिस दिन-दहाड़े हथियार के बल पर हो गई बाइक छिनतई की घटना

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : मैथन डैम में आज दिनदहाड़े हथियार के बल पर घूमने आए तीन दोस्तों से छिनतई की घटना को अंजाम दिया. युवकों से अपराधियों ने बाइक छीन चंपत हो गये.

डरे सहमे पीड़ित युवकों ने मैथन पुलिस से मदद की गुहार लगा रहे हैं.घठना मैथन ऑफिस क्षेत्र का है.पीड़ित युवक शिव तांडिया कुमारधुबी चपराडंगाल निवासी ने बताया कि अपने दोस्तों के साथ मैथन डैम गोगना स्पोर्ट होस्टल के समीप घूमने गया था. वापस घर आते समय रास्ते में तीन अपराधियों ने रिवाल्वर दिखा कर उनका लाल रंग की अपाची बाइक छीन लिया. जब पीड़ित युवकों ने बाइक की चाबी देने से इंकार करने लगे तो युवकों को हथियार दिखा कर जान मारने की धमकी देने लगा. डरे सहमे युवकों ने अपराधियों को बाइक की चाबी दे दिया. इधर मैथन पुलिस का कहना है कि मामले की छानबीन की जा रही है.इससे पहले भी मैथन डैम घूमने आए सैलानियों से इस प्रकार की घटना घटी है,लेकिन इसके बावजूद भी पुलिस सोई रहती है. अपराधी घटना को अंजाम देकर चले जाते है.

महुदा स्टेशन घुमती पायी गई दस वर्षीय किशोरी को आरपीएफ ने किया रेस्क्यू, चाइल्ड लाइन को सौंपा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदा : आरपीएफ के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने महुदा रेलवे स्टेशन में जांच के दौरान फुट ब्रिज पर एक 10 वर्षीय किशोरी को लक्ष्यहीन तरीके से घुमते हुए पाया गया. उसे स्थानीय महिला के सहयोग से आरपीएफ पोस्ट लाया गया.वहां पुछताछ करने पर किशोरी ने बतायी कि उसका नाम दुर्गा कुमारी, पिता रतन तांती, गांव उधारिया निवासी, थाना बड़ाबाबू, जिला सरायकेला झारखंड की रहने वाली है .इस संबंध में आरपीएफ पोस्ट के सब-इंस्पेक्टर पीके मंडल ने बताया कि किशोरी अपने मामा के घर फुसरो में रह रही थी. मामा के डांटने पर वह 10 मई को चंद्रपुरा स्टेशन भाग आई. वहां भोजुडीह चंद्रपुरा सवारी गाड़ी में सवार होकर महुदा स्टेशन आ गई.जहां कर्मचारियों द्वारा स्टेशन में जांच के क्रम में देखा, उसे आरपीएफ पोस्ट महुदा में एक स्थानीय महिला के देखरेख में किशोरी को उचित देखभाल में रखा गया. इसकी सुचना रेलवे चाइल्ड लाइन धनबाद को सुचना दी गयी. रविवार को कानूनी औपचारिकताएं पुरा करने के बाद किशोरी को चाइल्ड लाइन के प्रतिनिधि को सौंप दिया गया.

51वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैम्पियनशिप

झारखंड की बेटी ने दिखाया दम, पोल 'डी' की बनी विजेता

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : बर्धा, महाराष्ट्र में आयोजित 51वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैम्पियनशिप में झारखंड की बेटी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पोल डी की विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। इस शानदार जीत के साथ ही झारखंड की टीम ने सीधे प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।प्री-क्वार्टर मुकाबला चंडीगढ़ की टीम के साथ खेला जाएगा। जिससे आगे की राह तय होगी। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर झारखंड राज्य कबड्डी संघ के सचिव संजय कुमार झा और अध्यक्ष तपन कुमार राउत तथा ब्रह्मऋषि कबड्डी के सचिव अंगद सिंह

ने टीम को हार्दिक बधाई दी है और खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना की है।

एबीओसीपी में इलेक्ट्रिशियन की इलाज के दौरान मौत, पत्नी को मिला नियोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : बीसीसीएल ब्लॉक दो एबीओसीपी में कार्यरत इलेक्ट्रिशियन महेन्द्र कुमारे दासे (41) की मौत रविवारे को धनबाद केंद्रीय अस्पताल में इलाज के दौरान हो गयी. वह एक मई को रात्रि पाली में ड्यूटी के दौरान बीमार पड़ गया था. प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने के बाद भी उनकी स्वास्थ्य में सुधार नही होने पर 9 मई को केंद्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी. वह माइनटांड तोपचांची रहने वाला था. उसे एक पुत्र और एक पुत्री है.

नियोजन के लिए शव के साथ धरना- अस्पताल से शव लेकर परिजन 14 नंबर हाजिरी घर पहुंचे. मृतक की पत्नी को प्रोविजनल नियोजन की मांग को लेकरे संयुक्त मोर्चो शव के साथ धरना पर बैठ गये. कोलियरी का चक्का जाम करने की चेतावनी पर देर शामे पीओ टीएस चौहान युनियन प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की. मृतिके की पत्नी बेदी कुमारी को प्रोविजनल नियुक्ति पत्र दिया गया. साथ ही अन्य राशि का भुगतान करने का आश्वासन दिया गया. इसके बाद परिजन शव को उठाकर दाह संस्कार के लिए घर ले गया. मौके परे मैनेजर रणविजय सिंह, एपीएम अनील कुमार, कार्मिक प्रबंधक (प्रशासन) पीके झा, कार्मिक प्रबंधक विकास कुमार तथा युनियन प्रतिनिधियों में गोपाल मिश्रा, तुलसी साव, उतम कुमार पांडेय, मुरारी पांडेय, अरशद हुसैन, प्रताप वर्णवाल, अकलेशे नोनिया, गोपाल चंद्र गोप आदि मौजूद थे.

कतरासगढ़ स्टेशन में यात्रियों की समस्याओं का जल्द समाधान कराया जाएगा : पिंटू सिंह

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : पूर्व मध्य रेल के जोनल सलाहकार समिति के सदस्य पिंटू कुमार सिंह रविवार को कतरासगढ़ स्टेशन का औचक निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया.स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने कतरासगढ़ स्टेशन पर हैदराबाद रक्सौल एक्सप्रेस तथा शताब्दी एक्सप्रेस के ठहराव का मांग किया. यात्रियों ने श्री सिंह को बताया कि स्टेशन परिसर में एक भी शौचालय नहीं है. जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने यात्रियों को बताया कि उक्त सभी समस्याओं को मंडल रेल प्रबंधक तथा वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक को संज्ञान में देकर समाधान कराया जाएगा.

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में झरिया के एक परिवार के दस लोग घायल, तोपचांची में बीस मजदूर घायल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : जिले के झरिया चार नंबर के रहने वाले एक ही परिवार के 10 लोग रविवार को सड़क हादसे का शिकार हो गए. जिसके बाद घायलों को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया. जहां घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है. वहीं दूसरी घटना जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत लेदाटांड़ में रविवार की दोपहर एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गयी .

जिसमें दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है. वहीं स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए तोपचांची सीएचसी ले जाया गया. जहां घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुए इलाज के लिए धनबाद के शहीद निर्मल

महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया है.

जहां घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है. बताया गया कि गिरिडीह जिले के पीरटॉड नवाशाह गांव व डुमरी के चुतरुम बेड़ा गांव के लगभग 40 मजदूर काम करने धनबाद के कतरास जा रहे थे. सभी मजदूर कतरास के खदान में अवै कोयला कटिंग करने के लिए जा रहे थे, इसी दौरान तोपचांची के समीप पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गयी. जिसमे लगभग दर्जनों लोग घायल हुए है. जिसके बाद घायलों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच लाया गया है. वहीं खबर लिखे जाने तक 20 घायलों का इलाज चल रहा है.

आगामी 20 मई को आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने को लेकर संयुक्त मोर्चा ने की बैठक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : आगामी 20 मई को आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने हेतु बरोरा क्षेत्र ब्लॉक टू क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा की बैठक रविवार को डुमरा गेस्ट हाउस में हुई. बैठक में दोनों एरिया के सभी यूनिट से संबंधित पदाधिकारी और सक्रिय यूनियन नेता उपस्थित हुए. जिसमे जेके झा, संतोष गोराई, एनडी पाण्डेय, अनिल बाउरी,उमाकांत राय,बैजनाथ यादव, गोपाल गोप, सुमन पाण्डेय ,बिरंची शर्मा, सूरजबली साव ,गंगा सागर राय, सीताराम कर्मकार,मिथलेश यादव,कृष्ण कांत पाण्डेय,दिलीप नोनिया, आशीष कुमार राय, महेश श्रीवास्तव आदि शामिल थे.बैठक में हड़ताल को सफल बनाने व प्रचार प्रसार हेतु आम सभा नुककड़ सभा सभी यूनिटों में करने का निर्णय लिया गया. 13 मई को मुराईडीह शताब्दी हाजरी घर 14 को एबीओसीपी के 14 नम्बर हाजरी घर में 15 मई को बेनीडीह फुलारीटांड पिट में 17 दामोदा कोलियरी18 रीजनल वर्कशॉप ब्लॉक 2 में 19 मई को मधुबन कोल वाशरी में होगी.समय सभी नुक्कड़ सभा का सुबह 8:00 बजे की होगी.

भूटान ओपन कराटे में चमके धनबाद के संचू रजवार, जीता दो स्वर्ण पदक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबादः भूटान ओपन कराटे चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए धनबाद के राज संचू रजवार ने दो स्वर्ण पदक जीतकर राज्य और देश का नाम रोशन किया है. सीनियर एकल काता और सीनियर टीम काता श्रेणियों में मेजबान भूटान के खिलाफ पदक जीतकर राजवार ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है. रजवार ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है और उनकी इस अनुभव ने उन्हें इस सफलता को हासिल करने में मदद की है. रजवार ने अपने पदक अपने माता-पिता परिवार और संपूर्ण भारत वर्ष को समर्पित किया.रजवार अपनी जीत का श्रेय उनके कोच अनिकेत गुप्ता और टीम मैनेजर अख्तर को दिया. रजवार की इस उपलब्धि पर राष्ट्रीय संघ के अध्यक्ष हांसी भारत शर्मा और राष्ट्रीय सचिव संजीव जांगड़ा ने बधाई दी.

कतरास के तिलाटांड़ में कार-ट्रक में मामूली टक्कर, कोई हताहत नहीं, पुलिस ने मामला सलटाया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : तिलाटांड़ अस्पताल के समीप एक कार और आयरन लदी ट्रक में आमने-सामने से मामूली रूप से टक्कर हो गई. लेकिन इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ.बताया जाता है कि कार जेएच09एवी-0818 में सवार लोग बोकारो से दुगार्पुर सगाई समारोह में जा रहे थे. जबकि ट्रक ओडी04जी-3334 उड़ीसा के क्योंझर से आयरन लादकर आसनसोल की ओर जा रहा था.ओवरटेक के दौरान मामूली टक्कर हो गई. लेकिन कार में सवार सभी लोग बाल बाल बच गये. कतरास पुलिस मौके पर पहुंचकर कार मालिक यस उपाध्याय और ट्रक चालक जसीम खान के बीच आपसी समझौता कराया.उसके बाद दोनो वाहन गंतव्य की ओर निकल गयी.

बच्चों के निर्माण में माता की भूमिका अहम : मनोरमा देवी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास. रविवार को संकल्प एजुकेशन अंगारपथरा में मदर्स डे के अवसर पर बच्चों के निर्माण में मां की भूमिका विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ संकल्प एजुकेशन के प्रबंध निदेशक मनोरमा देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया. उन्होंने कहा कि बच्चों के निर्माण में एक मां की भूमिका अहम है. मां उनके सपनों को साकार करने के लिए अपने सारे सुखों का त्याग करती है,उनका एक ही सपना होता है ,उनके बच्चे जीवन में सफल हो, सबसे अच्छे हो ,उन्हें कभी दुखों का सामना न करना पड़े ,उसके बदले में वह सारे कठिनाइयों को सहती है. मौके पर संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहित छात्र-छात्राएं एवं राजकुमार भैया ,रिकी चरण शर्मा ,रविकांत ,राजकुमार दुबे ,सावित्री देवी ,विराट चरण शर्मा ,रितु देवी ,मालती देवी ,सम्राट चरण शर्मा, राजेश गोप , खिरोद कुमार महतो, शैलेंद्र कुमार यादव, कुणाल कुमार शर्मा आदि उपस्थित थे.

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर संयुक्त मोर्चा ने रणनीति तय की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : डुमरा गेस्टहाउस में बरोरा एवं ब्लॉक दो क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा की संयुक्त बैठक हुई. बैठक में 20 मई को आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने को लेकर रणनीति तय की गयी. दोनों एरिया के मोर्चा प्रतिनिधियों ने हड़ताल को सफल बनाने के लिए सहमति जतायी. कहा हड़ताल एतिहासिक होगी. मौके पर जेके झा, संतोष गोराई ,एनडी पांडेय, गोपाल चंद्र गोप, उमाकांत राय, अनिल बाउरी, बैजनाथ यादव, सुमन पांडेय, बिरेंची शर्मा , सूरजबली साव , गंगा सागर राय, सीताराम कर्मकार, मिथलेश यादव , कृष्ण कांत पांडेय, दिलीप नोनिया, आशीष कुमार राय , महेश श्रीवास्तव , शंकर कुमार नोनिया , नारायण कुमार, परमेश्वर भुइयां आदि मौजूद थे.

मातृ दिवस के अवसर पर श्री कृष्णा मातृ सदन कतरास में गूंजी बच्चों की किलकारी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : आज मातृ दिवस के शुभ दिन पर श्री कृष्णा मातृ सदन रानी बाजार कतरास में तीन माताओं को मातृत्व सुख प्राप्त हु. जिसमें दो माताओं को यह सुख पहली बार प्राप्त हुआ. जिन दो माताओं ने यह सुख प्राप्त हुआ उनके चेहरे की मुस्कान देखकर मानों ऐसा लग रहा हो जैसे आसमान से चांद के टुकड़े मिल गए हो. हो भी क्यों नहीं क्योंकि पहली बार मां बनने का एहसास एक अनूठा और अद्भुत अनुभव होता है.यह न केवल शारीरिक परिवर्तन बल्कि मानसिक और भावनात्मक बदलावों का भी एक मिश्रण है. सुधा कुमारी पति अर्जुन गोप सबलपुर धनबाद को प्रथम पुत्री,संजीदा प्रवीण पति जबीउल्लाह नावाटांड़, डुमरी को प्रथम पुत्र और नेहा कुमारी पति दुर्गेश कुमार, जहानाबाद बिहार को पुत्र के बाद पुत्री की प्राप्ति हुई. तीनों माताओं को अस्पताल की संचालिका डॉ शिवानी ने बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की.

मानव अधिकार प्रोटेक्शन व भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

रक्तदान एक महाकल्याणकारी कार्य है इससे दूसरों की जान बचती है : दिलीप सिंह

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबादः रविवार को मानव अधिकार प्रोटेक्शन और भारतीय रेस रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में ब्लड डोनेशन कैंप के रक्तदान शिविर एवं रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन नावाडीह, विनोद बिहारी चौक स्थित कावेरी रेस्टोरेंट के सभागार में किया गया. सामारोह में युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने, समय-समय पर स्वयं जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने वाले युवा संघर्ष मोर्चा जनवादी के संस्थापक सह भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त सचिव एवं समारोह के मुख्य अतिथि दिलीप सिंह समेत अन्य रक्तदाताओं को अंगवस्त्र ओढाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया. सभी रक्तदाताओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया. साथ ही भारतीय

रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से मानव अधिकार के पदाधिकारिओं को समाज में महत्वपूर्ण योगदानों के लिए सम्मानित किया गया. मुख्य अतिथि दिलीप सिंह ने कहा युवाओं के जिम्मेदारी है कि वे रक्तदान शिविरों में बढ़ चढ़कर रक्तदान करें न कि खुद रक्तदान करें, बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें.रक्तदान एक महाकल्याणकारी कार्य है और इससे दूसरों की जान बचती है. रक्तदान शिविर में अशर्फी हॉस्पिटल के ब्लड सेंटर के मनीष- प्रदीप और उनकी टीम का रक्त संग्रह के लिए योगदान था. कार्यक्रम में जरूरतमंदों के लिए लगभग 50 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ. रक्तदान शिविर में अधिकार प्रोटेक्शन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा सिंह, प्रदेश सचिव सुदिस्ट कुमार, महासचिव मुख्तार अहमद व कौशिक मिश्रा जिलासचिव जमीर आरिफ, महिला अध्यक्ष गीता सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगीत सिंह, बालेश्वर कुशवाहा, प्रमोद पासवान, संजय सिंह, बिट्टू सिंह,सुनील कुमार सिंह,भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की नोडल पदाधिकारी बेनजीर परवीन, एम्बुलेंस सर्विस के नोडल पदाधिकारी देवेंद्र कुमार, समेत दोनों संस्थाओं के अन्य सदस्य एवं रक्तदाता उपस्थित थे.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई नं.JHAHIN/2015/63780.